MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 20 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-107

ईरान का यू-टर्न

बातचीत से इनकार, ट्रंप की धमकियों का नया दौर

वॉशिंगटन डीसी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद जाने की तैयारी कर रहा है, इस बीच ईरान ने अपना प्रतिनिधिमंडल भेजने से इनकार कर दिया है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने रविवार देर रात इसकी जानकारी दी। ईरान के इस फैसले से करीब दो महीने से चल रहे युद्ध के बीच लागू दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम को आगे बढ़ाने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है।

ईरान ने वार्ता में शामिल न होने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नाजायज मांगों को जिम्मेदार ठहराया है। खठछअ के मुताबिक, ईरान ने कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें, अवास्तविक अपेक्षाएं, बार-बार रुख बदलना और विरोधाभासी बयान इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। साथ ही, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और अपने बंदरगाहों पर जारी अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को भी युद्धविराम का उल्लंघन बताया है।

ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने रविवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए उसे बचकाना और असंगत बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक तरफ युद्धविराम और बातचीत की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ दबाव बनाकर सख्त रवैया अपनाता है। इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद जाने की तैयारी कर रहे हैं। पहले दौर की वार्ता में भी इन्हीं तीनों ने अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया था।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचेंगे, जिससे 22 अप्रैल को समाप्त होने वाले युद्धविराम से पहले किसी समझौते की उम्मीद जगी थी। हालांकि अब ईरान के इस फैसले के बाद बातचीत की संभावना लगभग खत्म होती नजर आ रही है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है।

ईरान ने अमेरिकी रवैये को ठहराया जिम्मेदार

इससे पहले ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा है कि अगर ईरान प्रस्तावित समझौते को ठुकराता है, तो अमेरिका उसके पुलों और पावर प्लांट्स पर हमला करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने होर्मुज में गोलीबारी की, जिसे उन्होंने सीजफायर का 'पूर्ण उल्लंघन' बताया। उनके अनुसार, इस हमले में फ्रांस और ब्रिटेन से जुड़े जहाजों को निशाना बनाया गया।

ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की कार्रवाई खुद उसके खिलाफ जा रही है और इससे होर्मुज में अमेरिकी नाकेबंदी और मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा, वे बिना जाने हमारी मदद कर रहे हैं और होर्मुज के बंद होने से उन्हें ही रोजाना करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। हमारा इसमें कुछ नहीं जा रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान न्यायसंगत और उचित समझौते को स्वीकार नहीं करता, तो अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करेगा।

ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी- अब और नरमी नहीं

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा, अमेरिका के टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का से कई जहाज माल लोड करने जा रहे हैं, यह सब आईआरजीसी की वजह से हो रहा है, जो हमेशा ताकतवर दिखना चाहता है।

▶8पर

अग्रवाल समाज विवाद जारी

टीम एके हँसी का पात्र

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना में जारी विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। शनिवार को केंद्रीय समिति सदस्यों की बैठक में श्री अनिरुद्ध गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र गोयल को मिले अपार समर्थन ने टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) के बगावती सदस्यों को उनकी औकात दिखा दी थी, लेकिन वे बुरी तरह मिली हार को पचा नहीं पा रहे हैं। इन लोगों ने समाज के मुख्यालय में हुई अभद्र, अश्लील और शर्मनाक घटना को दो व्यक्तियों का आपसी मामला बताकर पल्ला झाड लिया। और तो और टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) का हाथ होने संबंधी आरोपों को बडी बेशर्मी से खारिज करते हुए तर्क दिया कि टीम एके का अर्थ टीम अंजनी कुमार अग्रवाल नहीं बल्कि टीम अग्रसेन कार्यकर्त्ता है। इतना ही नहीं ईजीएम में महेंदर अग्रवाल द्वारा की गई कथित गाली-गलौज, विनय जैन के साथ समाज कार्यालय में अंकित संघई की मारपीट की घटना के पीछे श्री अनिरुद्ध गुप्ता का हाथ होने का प्रत्यारोप लगाकर अपने घटियापन का प्रदर्शन किया। यहाँ तक तो और भी ठीक था, श्री मुकुंदलाल अग्रवाल जैसे वयोवृद्ध समाजसेवी पर गंदे आरोप लगाकर उनकी बेदाग छवि पर दाग लगाने का निम्नस्तरीय घिनौना कार्य भी किया। इनका कहना है कि शनिवार को हुई केंद्रीय समिति की बैठक भी अवैध थी, इसलिए इसमें ज्यादातर सदस्य और टीम एके उपस्थित नहीं हुई , जबकि अटेंडेंस रजिस्टर गवाह है कि इनके चंद समर्थकों को छोडकर पूरा सदन खचाखच भरा हुआ था। श्री अनिरुद्ध गुप्ता और श्री नरेंद्र गोयल को मिला अप्रतिम प्यार, आदर, सम्मान को भले ही ये लोग चापलूसी का नाम दे, इन्हें ऐसा जिंदगी में कभी नसीब नहीं हो सकता।

समाज को शर्मसार करने वाली घटना की कडे शब्दों में निंदा करने के बजाये उसका बचाव कर टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) खुद समाज के कटघरे में आ गई है। श्री मुकुंदलाल जी पर लगाये गये ओछे आरोप चीख-चीख कर माँग कर रहे है कि टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) को अब समाज से बेदखल करने का समय आ गया है। पैसे और रसूख के बल पर समाज को अपने इशारों पर नचा रही इस गैंग का पूरी तरह खात्मा जरूरी हो गया है।

अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने कसम खाई है कि वे टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) नामक गंदगी को पूरी तरह साफ करने तक चैन नहीं लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 50 करोड के कार्पस फंड और एक लाख सदस्यों को मताधिकार का अधिकार देने का मूल मकसद ही अंजनी कुमार अग्रवाल जैसे लोगों के सपनों पर पानी फेरना है। अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने शुभ लाभ के साथ टेलिफोन पर हुई बातचीत में फिर दोहराया कि समाज को विकास की नई उँचाइयों तक पहुँचाना ही उनके जीवन का एकमात्र ध्येय है और वे इसे हर हाल हासिल करके रहेंगे। श्री नरेन्द्र गोयल ने सख्त चेतावनी दी कि यदि समाज को नीचा दिखाने की कोई भी गुस्ताखी की गई तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि समाज के मुख्यालय पर हमला करने वाले की पैरवी करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने एजीएम बुलाकर अविश्वास प्रस्ताव के जरिये अध्यक्ष व कार्यकारी अध्यक्ष को हटा दिया है, उन्हें समाज के संविधान की एबीसीडी भी नहीं मालूम।

क्या बिना अध्यक्ष की अनुमति के सचिव एजीएम बुला सकता है? क्या बिना अध्यक्ष की मंजूरी के एजीएम का एजेंडा तय किया जा सकता है? क्या केंद्रीय समिति के सदस्य को कोई शाखा, अध्यक्ष बनने के बाद रिकाल कर सकती है? श्री नरेंद्र गोयल ने कहा कि बिना जानकारी के ऐसी बे- सिर पैर की बातें करने वाले स्वयं को लोगों के बीच हंसी का पात्र बना रहे है।

जनगणना पोर्टल में बड़ी चूक

चीन में अरुणाचल!

नयी दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

देश में जनगणना के पहले चरण का कार्य जारी है। इस बीच जनगणना 2027 के स्व-गणना पोर्टल पर एक बड़ी तकनीकी चूक सामने आई है। पोर्टल पर अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट इलाके को चीन के मेडोग क्षेत्र के रूप में दिखा दिया गया, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

दरअसल, अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट शहर को सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर चीन के मेडोग के रूप में दर्शाया गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों में नाराजगी फैल गई। इस मुद्दे को भारत की संप्रभुता से जोड़कर भी सवाल उठाए गए। इस त्रुटि को सबसे पहले एक सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी मोहोंतो पांगिंग पाओ ने पहचाना और सोशल मीडिया पर साझा किया।

सोशल मीडिया पर विवाद, कार्रवाई की मांग

पूर्व वायुसेना अधिकारी ने अपने पोस्ट में बताया कि पोर्टल पर पासीघाट की लोकेशन गलत दिख रही थी, जिसके कारण वे अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके। उनके पोस्ट के बाद यह मामला तेजी से वायरल हो गया और कई लोगों ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पोर्टल पर पासीघाट को चीन के नियंत्रण वाले मेडोग क्षेत्र में दिखाया जाना संवेदनशील मुद्दा बन गया। लोगों ने इसे केवल तकनीकी गलती नहीं, बल्कि गंभीर चूक बताते हुए वर्चुअल तरीके से जमीन छोड़ने जैसा करार दिया।

सरकार का स्पष्टीकरण: तकनीकी मैपिंग त्रुटि

मामला सामने आने के बाद सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय ने स्पष्ट किया कि यह समस्या मैप सेवा देने वाली कंपनी के साथ समन्वय कर उसी दिन ठीक कर दी गई। सरकार ने इसे केवल एक तकनीकी मैपिंग त्रुटि बताया।

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब भारत पहली बार पूरी तरह डिजिटल जनगणना की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी भर सकेंगे। हालांकि, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि डिजिटल प्रणाली में छोटी-सी गलती भी बड़े विवाद का कारण बन सकती है।

स्थिर लिव-इन संबंधों को माना जाएगा विवाहित

जनगणना 2027 से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। आधिकारिक वेबसाइट के 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' अनुभाग के अनुसार, ऐसे लिव-इन जोड़े जो अपने संबंध को स्थिर बंधन के रूप में देखते हैं, ▶8पर

पटाखा फैक्टरी में धमाका, 21 मरे

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने जताया गहरा शोक

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में रविवार शाम को दक्षिणी विरुधुनगर जिले के कट्टानारपट्टी गांव में एक निजी पटाखा फैक्टरी में हुए जोरदार धमाके में 21 मजदूरों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं भी शामिल थीं।

राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुख्यालय ने यूनीवार्ता को पुष्टि करते हुए कहा कि इस त्रासदी में 21 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

बताया जा रहा है कि यह धमाका पटाखे बनाने के लिए रसायनों को मिलाते समय घर्षण के कारण हुआ। यह घर्षण जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के कारण पैदा हुई होगी। धमाका इतना जोरदार था कि चार कमरों में काम कर रहे लगभग 30 मजदूर पूरी तरह से मलबे में दब गए और बुरी तरह जल गए।

रिपोर्टों के अनुसार अधिकतर शव इस तरह झुलसे थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। घायलों में से कुछ को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें तुरंत सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह धमाका मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली 'वनजा क्रैकर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट' में हुआ, जिसके पास सरकारी लाइसेंस था। धमाके की खबर सुनते ही फैक्टरी का मालिक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि रविवार को छुट्टी का दिन घोषित होने के बावजूद फैक्टरी खोली गई थी।

शिवाकाशी, विरुधुनगर और सत्तूर से दमकल सेवा और बचावकर्मियों की कई टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव तथा राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। वे आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। विरुधुनगर जिले के पुलिस अधीक्षक श्रीनाधा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर ही मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने धमाके में मजदूरों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, तमिलनाडु के विरुधुनगर में हुई दुखद दुर्घटना से गहरा दुख हुआ। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए मेरी प्रार्थनाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ये वे मजदूर थे जो सुबह अपने परिवारों के लिए रोजी-रोटी कमाने के लिए घर से निकले थे। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धमाके में मजदूरों की मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया। उन्होंने धमाके में मारे गए लोगों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने जिला कलेक्टर से भी बात की और उन्हें पुलिस, दमकल विभाग तथा अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर राहत कार्यों को अंजाम देने और पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पटाखा फैक्टरी में हुए दुखद धमाके पर गहरा दुख जताया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करती हूँ ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने रविवार को तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्टरी में हुए धमाके में 20 लोगों की मौत पर शोक जताया है। श्रीमती मुर्मु ने एक्स पर अपने एक संदेश में कहा कि तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्टरी में हुई त्रासदी बेहद दुखद है। उन्होंने कहा, मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38⁰
न्यूनतम : 27⁰

बंगाल के गुंडों को मोदी अल्टीमेटम

पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

आदिवासी बहुल पुरुलिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इस दृष्टिकोण के कारण आदिवासी क्षेत्रों की उपेक्षा हुई है और शासन में असंतुलन पैदा हुआ है।

श्री मोदी ने कहा, कई स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं। संताली भाषा का अपमान किया जा रहा है, जबकि मदरसों के लिए भारी आवंटन किया जा रहा है। यह पूरी तरह से तुष्टीकरण है और भाजपा इसे जारी रखने की अनुमति नहीं देगी।

तुष्टीकरण और डर की राजनीति पर प्रहार

प्रधानमंत्री ने आगे तृणमूल सरकार पर डर का माहौल बनाने का आरोप लगाया जो निवेश और विकास के लिए हानिकारक है। उन्होंने जोर देकर कहा, कारखाने डर के माहौल में नहीं आते, वे भरोसे पर आते हैं। जहां डर हो, वहां निवेश नहीं आ सकता। यह विश्वास के वातावरण में

आता है। इसलिए, अब कट मनी का खेल नहीं चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार और डराने-धमकाने के कारण उद्योगों ने राज्य से किनारा कर लिया है।

डर की राजनीति को लक्षित कर श्री मोदी ने कहा, यहां बिना कट मनी दिए कोई काम नहीं होता। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो उद्योग कैसे आयेंगे? इस संस्कृति का अंत होना चाहिए।

इससे पहले, बिष्णुपुर में एक हाई-वोल्टेज रैली को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कथित सिंडिकेट संचालन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, 29 अप्रैल से पहले मैं सभी सिंडिकेट और गुंडों को अंतिम चेतावनी दे रहा हूं कि उनके लिए बेहतर होगा कि वे 23 तारीख तक अपने निकटतम पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दें। चार मई को चुनाव परिणाम आने के बाद किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा।

आदिवासी सम्मान और महिला सुरक्षा का संकल्प

आदिवासी समुदायों तक भाजपा की पहुंच पर श्री मोदी ने कहा कि केंद्र ने जनजातीय मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाया है और आवंटन में तीन गुना वृद्धि की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती को मान्यता दी और एक आदिवासी राष्ट्रपति के चयन सहित आदिवासी नेताओं के लिए अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया।

▶8पर

पवन खेड़ा को राहत

गुवाहाटी19 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक मामले में राहत मिली है। गुवाहाटी की एक अदालत ने असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है।

यह आदेश कामरूप मेट्रो के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 7 अप्रैल को पारित किया गया था। आदेश की प्रति रविवार को सार्वजनिक हुई। यह फैसला उस समय आया, जब खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि जांच अधिकारी द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए दिए गए आधार पूरी तरह से अनुमान और अटकलों पर आधारित हैं तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध किसी ठोस साक्ष्य से समर्थित नहीं हैं।अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि चूंकि मामला संज्ञेय और गैर-जमानती है, इसलिए जांच अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, आवश्यकता पड़ने पर बीएनएसएस की धारा 35 के तहत गिरफ्तारी करने का अधिकार पहले से ही प्राप्त है।

काम आई ट्रंप की चापलूसी.....कंगाल पाकिस्तान को मिला अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष 1.2 अरब डालर का फंड

इस्लामाबाद

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को 1.2 अरब डालर का बेलआउट फंड देने की घोषणा की गई है, जो उसकी गंभीर आर्थिक स्थिति के बीच बड़ी राहत है। पाकिस्तान इस समय ऊँची महंगाई, ऊर्जा संकट और विदेशी मुद्रा की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। देश में महंगाई दर 22 प्रतिशत से ऊपर पहुंच चुकी है, जबकि कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है और तेल-गैस की कमी ने आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। यह फंड पाकिस्तान के 7 अरब डालर के मौजूदा बेलआउट पैकेज का हिस्सा है, इसमें आईएमएफ की एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) और रेजिलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) के तहत किया जा रहा है। मार्च 2026 में आईएमएफ और पाकिस्तान के बीच स्टाफ-लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) हुआ था, जिसमें ईएफएफ की तीसरी समीक्षा और आरएसएफ की दूसरी समीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की गई। इसके बाद अब यह राशि जारी की जा रही है। आईएमएफ ने स्पष्ट किया है कि यह फंड चरणबद्ध तरीके से जारी किया जाएगा और इसके लिए पाकिस्तान को कई सख्त आर्थिक शर्तों का पालन करना होगा। इन शर्तों में टैक्स बेस बढ़ाना, खासकर कृषि, आईटी और रिटेल सेक्टर को टैक्स के दायरे में लाना, और ऊर्जा क्षेत्र में सुधार शामिल हैं। इन्हीं शर्तों के चलते पाकिस्तान को बिजली दरों में भारी वृद्धि करनी पड़ी, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। फरवरी और मार्च के बीच आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल ने कराची और इस्लामाबाद में बातचीत की, लेकिन प्रारंभिक दौर में कोई समझौता नहीं हो सका। बाद में वर्चुअल माध्यम से बातचीत जारी रही और अंतत: समझौता हुआ। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने हाल ही में अमेरिका में आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की बैठकों में भाग लिया, जहां इस फंडिंग को अंतिम रूप दिया गया। इस बीच, पाकिस्तान को सऊदी अरब से भी 2 अरब डालर की वित्तीय सहायता मिली है, जिससे उसकी विदेशी मुद्रा भंडार स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। पाकिस्तान के स्टेट बैंक ने इसकी पुष्टि की है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस फंडिंग के पीछे वैश्विक राजनीतिक समीकरण भी भूमिका निभा सकते हैं, और इसमें डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के साथ संबंधों की चर्चा भी होती रही है।

न्यूज ब्रीफ

इस्लामाबाद में कूटनीतिक हलचल तेज, रावलपिंडी में चप्पा-चप्पा निगरानी में

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद में बढ़ी हुई कूटनीतिक गतिविधियों के चलते रावलपिंडी जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा योजना को अंतिम रूप देते हुए कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की है। रावलपिंडी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी खालिद हमदानी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए प्रतिबंध आज रात 12 बजे से लागू हो जाएंगे दूनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, खालिद हमदानी की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक में मौजूदा सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा भी की गई। बैठक में रावलपिंडी के सभी थानों के प्रभारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि सारे जिले सशस्त्र पुलिस नाके लगाए जाएंगे। किसी भी व्यक्ति को पूरी तरह से तलाशी लिए बिना और वैध पहचान पत्र दिखाए बिना शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। इन व्यापक प्रतिबंधों के तहत रावलपिंडी शहर के भीतर सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से निलंबित रहेगा। सभी अंतर-शहरी परिवहन टर्मिनल और बस स्टैंड यात्रियों के लिए बंद रहेंगे। इसके अलावा शहर की सीमा के भीतर भारी वाहनों की आवाजाही पर भी सख्त प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंधों की अवधि के दौरान सभी बड़े और छोटे बाजारों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। पूरे शहर में पेट्रोल पंप भी आधी रात से अपना संचालन बंद कर देंगे। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि ये कदम इस्लामाबाद में चल रही कूटनीतिक गतिविधियों से जुड़ी एक समन्वित सुरक्षा प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं, जिसके तहत पूरे क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उच्च सतर्कता की स्थिति में रखा गया है।

ईरान ने पे-एंड-पास नियम लागू करने के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से बंद करने की घोषणा की

तेहरान। ईरान ने वैश्विक ऊर्जा और समुद्री व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक के बाद एक कड़े फैसले लेते हुए हालात को और तनावपूर्ण बना दिया है। पहले ईरान ने जहाजों की आवाजाही के लिए नया पे-एंड-पास प्रोटोकाल लागू किया, और अब ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने घोषणा की है कि शनिवार शाम से इस मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत, सुरक्षा और बचाव सेवाओं के लिए शुल्क देने वाले जहाजों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि भुगतान न करने वाले जहाजों की आवाजाही अनिश्चित काल के लिए रोक दी जाएगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम क्षेत्र में बढ़ते तनाव और बाहरी दबावों के जवाब में उठाया गया है। इसके साथ ही, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करने का फैसला शनिवार शाम से लागू होगा। उनका आरोप है कि अमेरिका ने हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है और ईरानी जहाजों तथा बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रखी है। ईरान का कहना है कि इन परिस्थितियों में उसे अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए यह कठोर कदम उठाना पड़ रहा है। इस घटनाक्रम के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है और कई देश इस संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की अपील कर रहे हैं।

यूक्रेन को भेजी सबसे बड़ी सैन्य सहायता से भड़का रुस, कीव में मचाई तबाही

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां बारूद की गंध और भी ज्यादा तीखी नजर आ रही है। एक तरफ जहां आसमान से मौत बनकर मिसाइलें बरस रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पश्चिमी देशों की मदद ने रूस का गुस्सा बढ़ा दिया है। ताजा घटनाक्रम में ब्रिटेन ने यूक्रेन को सैन्य सहायता का अब तक का सबसे बड़ा कवच प्रदान किया है, जिसने क्रेमलीन की परेशानी बढ़ा दी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लंदन की ओर से कीव को अत्याधुनिक ड्रोन की एक ऐसी खेप भेजी जा रही है जो युद्ध के मैदान में पासा पलटने का दम रखती है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है कि ब्रिटेन द्वारा घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की पहली खेप फ्रंट लाइन पर पहुंचनी शुरू हो गई है। यह केवल कुछ 100 या हजार ड्रोन की बात नहीं है बल्कि साल 2026 के अंत तक यूक्रेन को करीब 1 लाख ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इनमें स्ट्राइक ड्रोन से लेकर टोही और समुद्री आपरेशंस में काम आने वाले एडवांस गैजेट शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने इसके लिए ब्रिटेन का आभार जताते हुए कहा कि यह मदद उनकी रक्षा पंक्ति को टूटने से बचाएगी और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में कारगर साबित होगी। ब्रिटेन का यह कदम उसकी उस व्यापक रणनीति का हिस्सा बताया है जिसके तहत वह इस साल यूक्रेन को 3 अरब पाउंड यानी करीब 4 अरब अमेरिकी डालर की सैन्य सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दुनिया के वे शहर और हिल स्टेशन जहां नहीं चलती कार और गाड़ी.....भारत का भी नाम इसमें शामिल

लंदन

दुनिया में ऐसी बहुत कम जगहें हैं, जहां शांति, सादगी और प्रकृति का असली रूप देखने को मिलता है। ला डिग ऐसा ही खूबसूरत द्वीप है, जो सेशेल्स में स्थित है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत माहौल और अनोखी लाइफस्टाइल के लिए दुनिया भर में मशहूर है। सबसे खास बात यह है कि यहां गाड़ियों का शोर नहीं सुनाई देता। यहां लोग आज भी साइकिल से चलते है।

ला डिग्यू, सेशेल्स

ला डिग्यू सेशेल्स का एक छोटा और बेहद खूबसूरत द्वीप है। यहां कारों का इस्तेमाल बेहद सीमित है। निजी कारों की अनुमति नहीं है, केवल जरूरी सार्वजनिक सेवाओं (जैसे एम्बुलेंस या कुछ सरकारी काम) के लिए ही गाड़ियां चलती है। ज्यादातर लोग और पर्यटक साइकिल से घूमते हैं। इस वजह से ट्रैफिक का शोर, हार्न या जाम कुछ नहीं है। हर ओर शांति और सुकून छाया रहता है। साइकिल चलाते हुए आप नारियल के ऊंचे पेड़ों से घिरी सड़कों का मजा ले सकते हैं। हवा में समुद्र की ताजगी और ठंडक का अनोखा मिश्रण आपको सपनों की दुनिया में ले जाता है।

वेनिस, इटली

इटली का यह रोमांचक शहर दुनिया से पूरी तरह अलग है। यहां सड़क नहीं, बल्कि पानी की नहरें हैं। लोग नाव, गोंडोला या पैदल चलकर घूमते हैं। कारों की कोई जरूरत ही नहीं होती। वेनिस की नहरों पर सैर करना खुद में एक यादगार अनुभव है।

मैकिनेक आइलैंड, अमेरिका

1898 से ही द्वीप पर कारों पर पूर्ण प्रतिबंध है। आज भी यहां लोग घोड़ा-गाड़ी और साइकिल से घूमते हैं। इससे यह जगह बेहद शांत और पुरानी दुनिया जैसी बनी हुई है। साइकिल चलाते या घोड़े की सवारी करते हुए यहां का आनंद अलग ही है।

जरमैट, स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड के खूबसूरत पहाड़ी शहर में पेट्रोल और डीजल वाली गाड़ियों पर पूरी तरह रोक है। यहां निजी कारों की अनुमति नहीं है। लोग मुख्य रूप से पैदल चलते हैं या छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों (टैक्सी) का इस्तेमाल करते हैं। इससे यहां का पर्यावरण बिल्कुल साफ रहता है और माउंट मैटरहार्न का नजारा साफ दिखता है। शांति और प्राकृतिक सुंदरता यहां का सबसे बड़ा आकर्षण है।

गीथोर्न, नीदरलैंड

गीथोर्न को छोटा वेनिस भी कहा जाता है। इस गांव में नहरें मुख्य सड़क का काम करती हैं। यहां छोटी-छोटी नावें चलती हैं और गाड़ियां करीब नहीं दिखतीं। लोग नाव या साइकिल से ही एक से दूसरी जगह जाते हैं। यहां का माहौल बेहद शांतिपूर्ण और रोमांचक है।

हाइड्रा, ग्रीस

इस खूबसूरत ग्रीक द्वीप पर कोई भी कार नहीं चलती। यहां सामान ढोने के लिए गधों का इस्तेमाल होता है और लोग पैदल घूमते हैं। यहां की संकरी गलियां और पहाड़ी रास्ते गाड़ियों के लिए अनुपयुक्त हैं। शांति और सादगी यहां हर कदम पर महसूस होती है।

माथेरान महाराष्ट्र, भारत

भारत में भी ऐसी जगह है जहां गाड़ियां नहीं चलतीं। महाराष्ट्र का माथेरान एशिया का एकमात्र वाहन-मुक्त हिल स्टेशन है। यहां लोग पैदल, घोड़े की सवारी या हाथ से खींची जाने वाली रिक्शा से घूमते हैं। टाय ट्रेन से पहुंचकर आप यहां की शुद्ध हवा, घने जंगलों और ठंडक का आनंद ले सकते हैं।

इस्तांबुल में दाहाल की नुमान कुर्तुल्मुस से शिष्टाचार भेंट

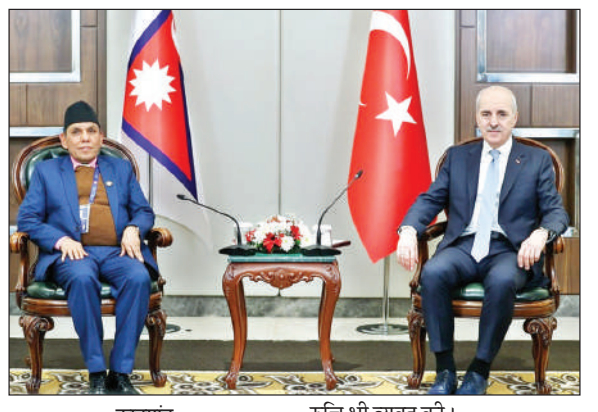

काठमांडू

नेपाली संसद के उच्च सदन राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायणप्रसाद दाहाल और तुर्किये की संसद ग्रैंड नेशनल असेंबली आफ टर्की के अध्यक्ष नुमान कुर्तुल्मुस के बीच रविवार को इस्तांबुल में शिष्टाचार भेंटवार्ता हुई। दाहाल अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 152वीं महासभा में भाग लेने के लिए इस्तांबुल पहुंचे हैं।

राष्ट्रीय सभा अध्यक्ष के सचिवालय के अनुसार, इस दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों, आपसी हित और संसदीय सहयोग के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। द्विपक्षीय बैठक में दाहाल ने संसदीय सहयोग के माध्यम से नेपाल और तुर्किये के संबंधों को और मजबूत एवं गहरा बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संसदीय अनुभवों के आदान-प्रदान, पारस्परिक भ्रमण और संसदीय मैत्री समूह के गठन में रुचि भी व्यक्त की।

दोनों देशों के बीच पिछले छह दशकों से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण और पारस्परिक सम्मान पर आधारित कूटनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए दाहाल ने भविष्य में रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए नेपाल में तुर्किये का दूतावास स्थापित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में तुर्किये से जुड़े कार्यों के लिए नेपाली नागरिकों को भारत की राजधानी दिल्ली जाना पड़ता है। ऐसे में यदि नेपाल और तुर्कियो के बीच श्रम समझौता हो और नेपाल में तुर्किये दूतावास स्थापित किया जाए, तो दोनों देशों के बीच सहयोग और अधिक सुगम हो सकेगा। आईपीयू महासभा के दौरान तुर्किये की सरकार और संसद द्वारा किए गए स्वागत और आतिथ्य के लिए दाहाल ने आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर नुमान कुर्तुल्मुस ने नेपाली संसदीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तुर्किये सरकार नेपाल के लिए सीमित कोटे में शैक्षिक छात्रवृत्ति उपलब्ध करा रही है। उन्होंने छात्रवृत्ति बढ़ाने और दोनों देशों के बीच व्यापार विस्तार करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

पुतिन करेंगे अंतरिक्ष में हमला! यह पर्ल हार्बर जैसा होगा जो जापान ने किया था

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के बड़े अधिकारी ने चेतावनी दी है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अंतरिक्ष में एक बड़ा हमला करने की योजना बना रहे हैं। यह हमला पर्ल हार्बर जैसा होगा, जो 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध के समय जापान ने अमेरिका पर किया था। अमेरिकी स्पेस कमांड के प्रमुख जनरल स्टीफन व्हाइटिंग ने कहा कि रूस अंतरिक्ष में परमाणु हथियार लगाने की सोच रहा है। अगर यह हथियार काम में आया तो पृथ्वी के आस-पास निचली कक्षा में घूमने वाले सारे सैटेलाइट खतरे में पड़ जाएंगे। इससे संचार, जीपीएस, मौसम की जानकारी और सेना के काम वाले सैटेलाइट बर्बाद हो जाएंगे। जनरल स्टीफन ने बताया कि ट्रंप प्रशासन इस योजना से परेशान है। उन्होंने कहा कि रूस एक परमाणु एंटी-सैटेलाइट हथियार को कक्षा में रखने की सोच रहा है। यह हथियार लो अर्थ आर्बिट में सभी देशों के सैटेलाइट को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे अमेरिका बर्दाश्त नहीं कर सकता। रूस अंतरिक्ष में काफी ताकतवर देश है। वह लगातार ऐसे हथियार बना रहा है जो दुश्मन के सैटेलाइट्स को नष्ट कर सकें। जनरल ने यह भी बताया कि रूस अमेरिका और नाटो की पारंपरिक सेना से कमजोर महसूस करता है। इसलिए वह अंतरिक्ष के जरिए नई तरकीबें निकाल रहा है ताकि अमेरिका और नाटो की ताकत को कम किया जा सके।

नेपाल : अन्नपूर्णा हिमाल पर सीजन का पहला सफल आरोहण

काठमांडू

दुनिया के दसवें सबसे ऊंचे पर्वत अन्नपूर्ण हिमाल पर इस वर्ष के वसंतकालीन आरोहण औपचारिक रूप से आरंभ हो गया है। 8,091 मीटर ऊंचा यह पर्वत म्याग्दी जिले के अन्नपूर्णा क्षेत्र में स्थित है। सेवेन समिट ट्रैक के लाक्पा शेरपा के नेतृत्व में सात नेपाली और पांच विदेशी पर्वतारोहियों की टीम ने रविवार सुबह सूर्य की पहली किरण निकलने के साथ ही अन्नपूर्णा की चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की।

कंपनी के अनुसार, विदेशी पर्वतारोहियों में कनाडा के चार्ल्स पेज, रूस के वलेरी बाबानोव, व्लादिमिर अफानासेव, यूरी कुग्लोव और अजरबैजान के इस्फारली असुरली शामिल हैं। नेपाली दल में लाक्पा के साथ छेवाङ दावा नर्बु, पासाङदुंगपा, छाङुबा, तारामान और पासाङशेर्पा हैं।

रविवार सुबह लगभग 7:30 बजे नीदरलैंड और आस्ट्रेलिया के दो पर्वतारोहियों के साथ एक शेरपा गाइड ने भी शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की। मौरिस हर्जोग ट्रैक मार्ग के अभियंता तेजबहादुर गुरुङ के अनुसार, इस सीजन की पहली टीम ने सफलतापूर्वक आरोहण पूरा किया। अब बेस कैंप तक घूमने जाने वाले पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ेगी।

इस वर्ष अन्नपूर्णा हिमाल पर चढ़ाई के लिए पर्यटन विभाग नेपाल से चार समूहों के कुल 27 पर्वतारोहियों ने अनुमति ली है। उनसे कुल 1 करोड़ 20 लाख 49 हजार 175 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है। पिछले वर्ष के वसंतकाल में अन्नपूर्णा आरोहण के लिए 66 लोगों ने अनुमति ली थी। सन् 1950 में फ्रांस के मौरिस हर्जोग ने पहली बार अन्नपूर्णा पर सफल आरोहण किया था। इसके तीन वर्ष बाद 1953 में एडमंड हिलारी और तेन्जिंग नोर्गे शेरपा ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी सगरमाथा (एवरेस्ट) पर ऐतिहासिक चढ़ाई की थी। अन्नपूर्णा पर शुरू हुआ यह नया आरोहण सत्र न केवल पर्वतारोहियों के लिए उत्साह का विषय है, बल्कि नेपाल के पर्यटन क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

असीम मुनीरः आतंकी मास्टरमाइंड से शांति दूत तक का सफर

इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तेहरान यात्रा ने वैश्विक कूटनीति में एक विरोधाभासी स्थिति बना दी है। एक ओर मुनीर पर पहलगाम जैसे जघन्य आतंकी हमलों की साजिश रचने और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगलने के आरोप हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के खतरों को कम करने के लिए उन्हें एक मध्यस्थ के रूप में दिखा जा रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता के पहले दौर की विफलता के बाद, मुनीर वाशिंगटन का एक नया प्रस्ताव लेकर तेहरान पहुंचे। इस आखिरी दांव का उद्देश्य युद्ध की स्थिति को टालना है। रिपोर्टों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और ईरानी नेताओं ने मुनीर के प्रयासों की सराहना की है। यह वहीं पाकिस्तान है जो दशकों से आतंकवाद का केंद्र रहा है, लेकिन आज अपनी भौगोलिक स्थिति और सैन्य प्रभाव के कारण अप्रत्याशित डिप्लोमेटिक ब्रिज बनकर उभरा है। पाकिस्तान की सत्ता का

असली केंद्र एक बार फिर रावलपिंडी (सेना मुख्यालय) साबित हुआ है। पूर्व राजदूत मलीहा लोधी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का भरोसा निर्वाचित सरकार के बजाय मुनीर पर अधिक है।

मुनीर ने ट्रंप के करीब आने के लिए 5 मिलियन डालर खर्च किए और पाकिस्तान के तेल, खनिज तथा क्रिप्टो बाजार तक पहुंच का लालच दिया। उन्होंने सऊदी अरब के साथ रक्षा सौदे किए, लेकिन ईरान के खिलाफ युद्ध में सीधे शामिल होने से बचकर अपनी उपयोगिता बनाए रखी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर की इस शांति वार्ता के पीछे एक गहरा सामरिक हित छिपा है। वे सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के साथ मिलकर एक क्वाड जैसा गुट बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भारत के खिलाफ एक इस्लामिक गठबंधन तैयार करना है, जो भविष्य के किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के लिए सुरक्षा कवच (सीलड) का काम कर सके। जियो पालिटिक्स का यह क्रूर चेहरा है कि जिस जनरल के हाथ मासूमों के खून से रंगे हैं, आज विश्व शांति की चाबी सौंपी जा रही है। असीम मुनीर की यह शांति दूत की छवि केवल एक मुखौटा है, जिसके पीछे का असली मकसद पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को बचाना और भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मोर्चेबंदी करना है।

डेढ़ करोड़ का ईरानी छुटकू ने टपका दिया अमेरिका का 930 करोड़ के एफ-15 फाइटर जेट

तेहरान। आधुनिक युद्ध के मैदान में अक्सर यह माना जाता है कि जिसकी तकनीक सबसे महंगी और उन्नत है, जीत उसी की होगी। लेकिन हालिया संघर्षों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आसमान में करोड़ों की लागत से उड़ते लोहे के शिकारी बाज और नीचे जमीन पर झाड़ियों में छिपा एक गुमनाम सिपाही, जिसके कंधे पर महज चंद लाख की एक नली है, महाशक्तियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। सन्नाटा तब टूटता है जब एक छोटी सी चिंगारी निकलती है और देखते ही देखते अजेय माना जाने वाला अमेरिकी फाइटर जेट आग का गोला बनकर रेगिस्तान की धूल फांकने लगता है। अमेरिकी नेतृत्व द्वारा विमानों की सुरक्षा के तमाम दावों के बीच ईरान के मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम यानी मैनपेडस ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध केवल महंगी तकनीक से नहीं, बल्कि सही निशाने और रणनीतिक हथियार से जीते जाते हैं। ईरान का महज 1.25 करोड़ रुपये की लागत वाला स्वदेशी मिसाघ मैनपैडस, करीब 930 करोड़ रुपये की कीमत वाले अमेरिकी एफ-15 स्ट्राइक ईगल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमानों पर भारी पड़ रहा है। यह एक कंधे पर रखकर चलाई जाने वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी गतिशीलता है। इसे एक अकेला सैनिक कहीं भी ले जा सकता है और रडार की नजरों से बचकर हमला कर सकता है। अधिकांश मैनपैडस इन्फ्रारेड होमिंग यानी हीट-सीकिंग तकनीक का उपयोग करते हैं, जो सीधे विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को अपना निशाना बनाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा, कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खडा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमडती रहेंगी अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अप्रैल 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 07:30 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 02:09 तक
योग : सौभाग्य सायं 04:10 तक
करण : गर प्रातः 07:30 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:57,सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , भद्रा सायं 05:51 से रात्रि 04:16 तक , चतुर्थी तिथि का क्षय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केसीआर जगतियाल में करेंगे विशाल जनसभा, बाधाओं के बावजूद बीआरएस की जोरदार तैयारी

जगतियाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में सोमवार को उच्च–स्तरीय राजनीतिक मुकाबला होने जा रहा है। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) करीब एक साल के अंतराल के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। वहीं मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी कतराम में जनसभा को संबोधित करेंगे और रायथु भरोसा योजना की दूसरी किस्त का वितरण शुरू करेंगे।

जगतियाल के विवेकानंद मिनी स्टेडियम में होने वाली बीआरएस की यह जनसभा चंद्रशेखर राव की लगभग एक साल बाद की पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह बैठक 2023 के चुनावी हार के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने, उन्हें नई ऊर्जा देने और जनभावना का आकलन करने का प्रयास है।

टी. जीवन रेड्डी का बीआरएस में शामिल होना

इस बैठक की अहमियत और बढ़ गई है क्योंकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी. जीवन रेड्डी चंद्रशेखर राव की मौजूदगी में बीआरएस में शामिल हो रहे हैं। यह उत्तरी तेलंगाना में संभावित राजनीतिक समीकरणों की शुरुआत माना जा रहा है, जहां बीआरएस का पारंपरिक गढ़ रहा है।बीआरएस सूत्रों का कहना है कि एक साल की चुप्पी के बाद चंद्रशेखर राव का भाषण विपक्ष की दिशा तय करेगा, कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा और राजनीतिक जगह हासिल करेगा। उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र दोनों पर निशाना साध सकते हैं, जिस पर सबकी नजर रहेगी। इसी दिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कतराम में जनसभा को संबोधित करेंगे और 45 लाख किसानों को रायथु भरोसा योजना के तहत 2,063 करोड़ रुपये की राशि जारी करेंगे। कांग्रेस सरकार इस दिन बीआरएस पर हमला तेज करने की रणनीति पर है। मुख्यमंत्री मेडिगड्डा बैराज का दौरा भी करेंगे, जहां पिछली सरकार में कथित अनियमितताओं और परियोजना की विफलताओं पर फोकस रहेगा।बीआरएस नेताओं, जिसमें पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव भी शामिल हैं, ने कहा कि दो साल से ज्यादा समय तक मरम्मत कार्यों को नजरअंदाज करने के बाद अचानक मेडिगड्डा का दौरा करना जगतियाल जनसभा का प्रभाव कम करने की साजिश है।

जगतियाल जययात्रा को सफल बनाएं : मनोहर रेड्डी

पेद्दापल्ली, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी ने कल जगित्याला में होने वाली के. चंद्रशेखर राव की रैली को सफल बनाने की अपील की है। आज अपने कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने अपने प्यारे नेता, तेलंगाना आंदोलन के नेता और राज्य के पहले मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से कल शाम जगित्याला में होने वाली पब्लिक रैली में शामिल होने की अपील की। साथ ही पेड्डापल्ली चुनाव क्षेत्र के सभी भारत राष्ट्र समिति पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं, युवाओं, महिलाओं और प्रशंसकों से बड़ी संख्या में रैली में भाग लेने और इसे सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जगित्याला में होने वाली इस रैली को सफल बनाया जाना चाहिए और इसे जगित्याला जययात्रा में बदल दिया जाना चाहिए। यह आने वाले चुनाव अभियान की शुरुआत होनी चाहिए। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उसी दिन कटारम में एक रैली आयोजित की। उन्होंने कहा कि करीमनगर जिले में एक ही दिन दो मीटिंगें करना लोगों को गुमराह करने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये प्रोग्राम लोगों को सच्चाई जानने से रोकने के लिए झूठा प्रोपेगैंडा फैलाने के इरादे से किए जा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के दौरान जो छह गारंटी और कई अन्य वादे किए गए थे, उन्हें अब तक लागू नहीं किया गया है और लोगों को धोखा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन मीटिंगों के जरिए भी लोगों को उसी तरह गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व विधायक ने कहा कि तेलंगाना के लोग सच और झूठ का फर्क पहले ही समझ चुके हैं। उन्होंने बीआरएस नेताओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में जगित्याला मीटिंग में आएं, ताकि अपनी एकता दिखा सकें और कांग्रेस पार्टी के दोहरे रवैये तथा झूठे वादों को बेनकाब कर सकें।

हनुमान एग्रेस संस्था द्वारा 25 वर्ष पूर्ण होने पर छांछ का वितरण

बेल्लमपल्ली, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेल्लमपल्ली के प्रमुख कीटनाशक व्यवसाय के यजमान कमल और अशोक मारू ने रविवार को आखा तीज पर्व के अवसर पर लोगों में छांछ का वितरण किया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि उनके व्यवसाय हनुमान एग्रेस की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, जिस पर उन्होंने हर्ष और संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने आस–पास के गांवों के किसानों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि किसानों ने उन पर भरोसा रखते हुए निरंतर सहयोग किया है। भविष्य में भी किसानों से इसी प्रकार का सहयोग अपेक्षित है ताकि उनके व्यवसाय को और अधिक सफलता प्राप्त हो सके। इस अवसर पर हनुमान एग्रेस के कर्मचारी तथा विभिन्न कीटनाशक कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

वाहन चालकों को नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए : कलेक्टर

मंचेरियाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर कुमार ने कहा कि वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए और सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचना चाहिए। 9 दिवसीय प्रजा जालान प्रगति योजना कार्यक्रम के अंतर्गत, जिले के वेमपल्ली स्थित जिला परिवहन विभाग कार्यालय परिसर में ऑनलाइन आयोजित चिकित्सा शिविर में जिला परिवहन अधिकारी सी.एच. राम उथ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ऑटो और लॉरी चालकों की चिकित्सा और नेत्र जांच की गई। सरकारी मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने लगभग 200 चालकों की जांच की।

उन्होंने कहा कि उन्होंने जरूरतमंदों को दवाइयां और अन्य सामग्री मुहैया कराई हैं। उन्होंने सभी को सड़कों पर यात्रा करते समय सुरक्षा को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लाइसेंस होना अनिवार्य है, वाहन चालकों को हेलमेट पहनना चाहिए और कार में यात्रा करने वालों को सीलबंद हेलमेट पहनना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि गाड़ी चलाते समय गति सीमा का पालन करना चाहिए और ध्यान भटकाकर या मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चालकों के लिए दृष्टि अत्यंत महत्वपूर्ण है और जरूरतमंदों को शल्य चिकित्सा उपचार भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सलाह दी कि सड़क दुर्घटनाओं से परिवारों को भारी नुकसान होता है और सभी को सतर्क रहना चाहिए।

इसके अलावा, जिले में सड़कों पर कटे–फटे निशानों और सफेद धब्बों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि सिग्नल सिस्टम लगाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर जांच के दौरान कोई भी शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है, तो उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा।

महात्मा बसवेश्वर जयंती मनाई गई

मदनूर, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वीरशैव लिंगायत धर्म के संस्थापक महात्मा बसवेश्वर जयंती का आयोजन वीरशैव लिंगायत समाज एवं स्थानीय ग्राम की जनता के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्राम सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री, कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दारासवार सायलु, मंडल लिंगायत समाज अध्यक्ष पंडित राव पाटिल, डोंगली सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष राम पाटिल, अशोक पटेल, बीआरएस मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल, हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल तथा भाजपा अध्यक्ष तुकाराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने बसवेश्वर प्रतिमा का पूजन–अर्चन किया तथा पुष्पमाला अर्पित कर आरती उतारी। इस अवसर पर सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री ने अपने संबोधन में बताया कि महात्मा बसवेश्वर (12वीं शताब्दी) एक महान समाज सुधारक, दार्शनिक और वीरशैव लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक थे। उन्होंने जाति व्यवस्था, अस्पृश्यता, अंधविश्वास तथा स्त्री–पुरुष असमानता के विरुद्ध संघर्ष किया और एक समतावादी समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।उन्होंने कायकवे कैलाश (कर्म ही उपासना है) और 'अनुभव मंडप' (लोकतांत्रिक संसद) जैसी अवधारणाओं के माध्यम से सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए।

छात्राओं के बीच पहुंची चेन्नूर पुलिस, सुरक्षा व जागरूकता का दिया संदेश

मंचेरियाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पुलिस उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चेन्नूर नगर स्थित सोशल वेलफेयर बालिका रेजिडेंशियल विद्यालय में महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं से मुलाकात की। चेन्नूर सीआई के निर्देशानुसार महिला कांस्टेबल साहेरा और मनीषा ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं से बातचीत की और उनकी पढ़ाई व समस्याओं के बारे में जानकारी ली।इस दौरान छात्राओं को सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा अनुशासन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और किसी भी समस्या की स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस विभाग ने बताया कि अब महिला पुलिसकर्मी सप्ताह में दो बार विद्यालय पहुंचकर छात्राओं से संवाद करेंगी, जिससे उनकी समस्याओं का समय–समय पर समाधान किया जा सके।इसके साथ ही ट्रैफिक नियमों और सड़क सुरक्षा को लेकर छात्राओं के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं को पेन वितरित किए गए तथा सभी छात्राओं को बिस्कुट पैकेट प्रदान किए गए।

विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे छात्राओं के लिए उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

महात्मा बसवेश्वर जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई

किनवट, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगराध्यक्षा सुजाता एड्लवार ने कहा कि जगत ज्योति महात्मा बसवेश्वर (बसवन्ना) द्वारा 12वीं शत–ाब्दी में स्थापित किए गए 'अनुभव मंडप' को इतिहास में विश्व की पहली संसद या आध्यात्मिक संसद के रूप में माना जाता है, जहां विचार–विमर्श की लोकतांत्रिक परंपरा कार्यरत थी। वे एक महान हिंदू दार्शनिक, कवि, राजनेता तथा भगवान शिव के अनुयायी थे। उन्होंने सामाजिक असमानता, जाति प्रथा और अंधविश्वास के खिलाफ क्रांतिकारी कदम उठाए थे। महात्मा बसवेश्वर (बसवन्ना) द्वारा किए गए कल्याणकारी उपाय आज भी प्रासंगिक हैं।

किनवट वीरशैव समाज की ओर से महात्मा बसवेश्वर जयंती उत्सव समिति द्वारा शहर में महात्मा बसवेश्वर चौक पर जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा का पूजन–अर्चन किया गया तथा मान्यवरों ने पुष्पमालाएं अर्पित कर अभिवादन किया। इस अवसर पर नगराध्यक्षा सुजाता एड्लवार संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा कि समाज सुधारक संत बसवेश्वर ने जाति और लिंग से परे समानता, श्रम की गरिमा और भक्ति को बढ़ावा दिया।

नगराध्यक्षा सुजाता एड्लवार ने यह भी आश्वासन दिया कि शहर में महात्मा बसवेश्वर की प्रतिमा (पुतले) के लिए नगर परिषद की ओर से प्रयास किए जाएंगे।इस अवसर पर भाजपा युवा नेता क्रांतीशरण केराम, शिवसेना युवा नेता करण एड्लवार, पूर्व नगराध्यक्ष व्यंकटराव नेमानीवार, भाजपा गुट नेता श्रीनिवास नेमानीवार, पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष स्वागत आयलेनीवार, पूर्व नगराध्यक्ष के. मूर्ति अण्णा, मारोती मुनेश्वर, पार्षद अभय महाजन, प्रविण राठोड, संतोष मरस्कोलह, प्रशांत कोरडे, प्रभु कोल्हे, राजु सातुरवार, लिंगायत समाज के वरिष्ठ नेता राघु मामा, पूर्व शहराध्यक्ष सतीश बिराजदार, शिव मंदिर के प्रमुख शिवकुमार भंडारे, किरण ठाकरे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन आनंद सोनटक्के ने किया तथा आभार प्रदर्शन अनिल भंडारे ने किया। अक्षय तृतीया एवं महात्मा बसवेश्वर जयंती के उपलक्ष्य में खिचड़ी एवं लड्डू का वितरण भी किया गया। इस जयंती उत्सव में विद्यार्थी, महिलाएं, पुरुष तथा बसवन्ना संगठन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नंतोजी कालिदास बने पीजेए (इंडिया) के निज़ामाबाद जिला अध्यक्ष

निज़ामाबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रोग्रेसिव जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (इंडिया) की तेलंगाना स्टेट ब्रांच की देखरेख में अनंतोजी कालिदास को निज़ामाबाद जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तेलंगाना स्टेट प्रेसिडेंट गजानन बिडकर ने 19 अप्रैल 2026 को उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा।

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह नियुक्ति पिछले कई वर्षों में पत्रकारिता के क्षेत्र में अनंतोजी कालिदास की उत्कृष्ट सेवाओं, पत्रकारों के मुद्दों पर उनके निरंतर संघर्ष तथा सामाजिक जिम्मेदारी के साथ किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए की गई है। उनकी कार्यशैली और योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति एसोसिएशन के फाउंडर प्रेसिडेंट विजय सूर्यवंशी, नेशनल एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट बालासाहेब अधांगले, नेशनल वाइस प्रेसिडेंट शंकरसिंह ठाकुर तथा सेंट्रल कमेटी के निर्देश पर की गई है। तेलंगाना में नई कार्यकारिणी के गठन के बाद यह पहली नियुक्ति होने से एसोसिएशन में उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर तेलंगाना स्टेट सेक्रेटरी गौरव बिडकर ने अनंतोजी कालिदास को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में निज़ामाबाद जिले में एसोसिएशन की गतिविधियां और अधिक सक्रिय होंगी तथा पत्रकारों की समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। नियुक्ति के पश्चात अनंतोजी कालिदास ने एसोसिएशन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के साथ–साथ एसोसिएशन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

मंचेरियाल में 6 वर्षीय बेटी को जंगल में पीटता पिता कैमरे में कैद

मंचेरियाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंदामर्री मंडल के जंगलों में एक व्यक्ति अपनी छह वर्षीय बेटी को अपनी बात मानने के लिए बुरी तरह पीटता हुआ पकड़ा गया। रविवार को यह घटना जंगल में घास चराते एक गड़रिये ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड कर ली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

गड़रिये ने बताया कि सतीश नामक व्यक्ति अपनी छह वर्षीय बेटी को झाड़ियों में ले जाकर पीट रहा था। बच्ची की चीख–पुकार सुनकर वह वहां पहुंचा तो यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गया।

गड़रिये ने बताया कि जब सतीश को अहसास हुआ कि उसकी हरकत रिकॉर्ड की जा रही है, तो वह अपनी दोपहिया वाहन पर सवार होकर वहां से तेजी से भाग निकला।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर काफी आक्रोश फैल गया है।

महापौर ने सरकारी विद्यालय का किया निरीक्षण, सुविधाओं पर जताई नाराज़गी

मंचेरियाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महापौर कोलागनी श्रीनिवास और मंडल पार्षद एनाम लक्ष्मी–प्रकाश ने शहर के 49वें मंडल के विद्यानगर क्षेत्र में स्थित रामनगर सरकारी विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने नगर निगम अधिकारियों के साथ मिलकर शौचालयों और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने प्रधानाचार्य से विद्यार्थियों की संख्या के बारे में जानकारी ली तथा शिक्षा व्यवस्था, मध्याह्न भोजन योजना सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय के शौचालयों के रखरखाव पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को साफ–सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महापौर ने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए तथा मौजूदा शौचालयों को नियमित रूप से साफ रखा जाए।

इस कार्यक्रम में पार्षद कर्रे पद्मा अनिल, गजा सिवराम, डीई श्रीनिवास, विद्यालय के शिक्षक तथा कॉलोनी निवासी भी उपस्थित रहे।

वर्तमान में कलयुग चल रहा है, इस तरह होगा कलयुग का अंत

इस पृथ्वी पर चार युग हैं। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग। यह हिंदू धर्म का मत है। वर्तमान समय में कलयुग चल रहा है। कलयुग यानी यदि आप कोई भी कुकर्म करते हैं तो इसका फल यहीं मिलता है। लेकिन कल्कि पुराण में कलियुग के बारे में और भी रोचक बातें बताई गईं हैं।

कलियुग की हैरान कर देनी वाली 10 बातें

1.कलियुग के अंत में मनुष्य की आयु महज 12 वर्ष और शरीर मात्र 4 इंच का रह जाएगा।

2.ब्रहमपुराण में उल्लेखित है कि कलियुग की अवधि, 10 हजार साल है। इस दौरान, मानव जाति का पतन होगा, लोगों में द्वेष और दुर्भावना बढेगी। इसका अंत करने के लिए भगवान विष्णु कल्कि का रूप धारण करेंगे।

3.कलियुग में नदियां सूख जाएंगी। पत्नियों को अपने पतियों से अनुराग कम हो जाएगा।

4.अन्याय से धन हासिल करने वाले लोगों में बढोत्तरी होगी। लोग धन के लोभ में किसी की हत्या करने में भी संकोच नहीं करेंगे।

5.कलियुग के पांच हजार साल बाद गंगा नदी सूख जाएगी और पुन: वैकुण्ठ धाम लौट जाएगीं। जब कलियुग के दस हजार वर्ष हो जाएंगे तब सभी देवी-देवता पृथ्वी छोडकर अपने धाम लौट जाएंगे। मनुष्य पूजन-कर्मकांड, व्रत-उपवास और सभी धार्मिक काम करना बंद कर देंगे।

6.एक समय ऐसा आएगा, जब जमीन से अन्न उपजना बंद हो जाएगा। पेडों पर फल नहीं लगेंगे। धीरे-धीरे ये सारी चीजें विलुप्त हो जाएंगी। गाय दूध देना बंद कर देगी।

7.कलियुग में समाज हिंसक हो जाएगा। जो लोग बलवान होंगे उनका ही राज चलेगा। मानवता नष्ट हो जाएगी। रिश्ते खत्म हो जाएंगे। एक भाई दूसरे भाई का ही शत्रु हो जाएगा।

8.कलियुग में ऐसा समय आएगा जब स्त्री और पुरुष, दोनों ही अधर्मी हो जाएंगी। स्त्रियां पतिव्रत धर्म का पालन करना बंद कर देगी और पुरुष भी ऐसा ही करेंगे।

9.जब आतंक अपनी चरम सीमा में होगा तो भगवान विष्णु का कल्कि अवतार लेंगे। यह अवतार विष्णुयशा नामक ब्राहमण के घर जन्म लेगा। भगवान कल्कि बहुत ऊंचे घोडे पर चढकर अपनी विशाल तलवार से सभी अधर्मियों का नाश करेंगे।

10.भगवान कल्कि केवल तीन दिनों में पृथ्वी से समस्त अधर्मियों का नाश कर देंगे। और फिर अंत में कलियुग में अंतिम समय में बहुत मोटी धारा से लगातार वर्षा होगी, जिससे चारों ओर पानी ही पानी हो जाएगा। समस्त पृथ्वी पर जल हो जाएगा और प्राणियों का अंत हो जाएगा। इसके बाद एक साथ बारह सूर्य उदय होंगे और उनके तेज से पृथ्वी सूख जाएगी।

अक्षय तृतीया पर हुए थे इतने सारे शुभ कार्य इसलिए इसे स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है

भारतीय सनातन संस्कृति में अक्षय तृतीया को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार इस दिन रामायण-महाभारतकालीन अनेक प्रसंग घटित हुए थे, साथ ही भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्म भी इसी दिन हुआ था। यही कारण है कि इसे अबूझ मुहूर्त कहा गया है।

पंडितों-ज्योतिषियों से पूछे बिना जिस मुहूर्त में ब्याह या अन्य संस्कार संपन्न किए जा सकते हैं वह अबूझ मुहूर्त बैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को माना जाता है, यदि आपके घर में कोई शुभ कार्य करना हो और पंडित-पुजारियों से संपर्क नहीं हो रहा हो अथवा किसी अन्य मुहूर्त में परिवार में कोई न कोई अडचन आ रही हो तो ऐसे समय में बिना किसी से मुहूर्त पूछे अक्षय तृतीया के दिन शुभ कार्य निपटा लेना चाहिए। चाहे ग्रह अनुकूल हो या न हो अक्षय तृतीया के दिन सारे ग्रहों का दोष समाप्त हो जाता है इसीलिए इसे महामुहूर्त की संज्ञा दी गई है।

हिन्दू संवत्सर के बैशाख शुक्ल तृतीया को अक्षय तृतीया मनाई जाती है, छत्तीसगढ में इसे 'अक्ती' के नाम से जाना जाता है। गांव-गांव में अक्ती पर शादियां होती हैं, अक्ती के दिन शादी करने की इतनी अधिक मान्यता है कि जिस घर में किसी युवक-युवती का ब्याह नहीं हो रहा तो भी उस घर के बच्चे अपने गुड्डा-गुडिया का ब्याह रचाते हैं और विवाह की खुशियां मनाई जाती है। बच्चों के संग अभिभावक भी शामिल होते हैं।

इस बार अक्ती की धूम 9 मई को रहेगी। सोशल मीडिया में भी छाया अक्षय तृतीया का महत्व इस बार सोशल मीडिया व्हाट्स एप व फेसबुक पर भी चर्चा का केन्द्र बना हुआ है, लोग अपने परिचितों को अक्षय तृतीया के महामुहूर्त होने का संदेश भिजवा रहे हैं, संदेशों में बताया जा रहा है कि अक्षय तृतीया के दिन क्या-क्या घटनाएं हुई थी और इस वजह से इसे महामुहूर्त की संज्ञा दी जाती है। सोशल मीडिया में छाए कुछ महत्वपूर्ण प्रसंग के संदेश आज ही के दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, मां अन्नपूर्णा का जन्म की मान्यता, मां गंगा का अवतरण द्रोपदी को चीरहरण से कृष्ण ने आज के ही दिन बचाया था। कुबेर को आज के दिन खजाना मिला था। सतयुग और त्रेतायुग का प्रारब्ध आज के दिन हुआ था। कृष्ण और सुदामा का मिलन भी अक्षय तृतीया पर हुआ था। ब्रहमाजी के पुत्र अक्षय कुमार का अवतरण।

प्रसिद्ध तीर्थ बद्री नारायण का कपाट आज के दिन खोले जाते हैं। वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं अन्यथा सालभर चरण वस्त्रों से ढके रहते हैं। महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था। अक्षय तृतीया अपने आप में स्वयंसिद्ध मुहूर्त है, कोई भी शुभ कार्य का प्रारंभ किया जा सकता है।

हनुमानजी के किन स्वरूपों की पूजा से कौन सी मनोकामना होगी पूरी

ऐसी मान्यता है कि कलियुग में हनुमानजी की पूजा से न सिर्फ घर की बाधा दूर होती है, बल्कि बिगडे काम भी बन जाते हैं। कहते हैं कलियुग में समस्त दुखों का नाश महज हनुमानजी की आराधना से हो जाता है। बैकुंठ जाते वक्त मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने परम भक्त हनुमान को इसी उदेश्य से धरती पर रहने का आदेश दिया था। हनुमानजी के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने पर अलग-अलग फलों की प्राप्ति होती है। जानिए हनुमानजी के विभिन्न स्वरूप और उनकी पूजा से मिलने वाले शुभ फल और उनके लाभ। हनुमानजी के अलग-अलग स्वरूपों की कई प्रतिमाएं और चित्र आसानी से देखे जा सकते हैं। शास्त्रों में अनुसार इनके अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने पर अलग-अलग फलों की प्राप्ति होती है।

भक्त हनुमान

इस स्वरूप में हनुमानजी श्रीराम की भक्ति में लीन दिखाई देते हैं। जो लोग इस स्वरूप की पूजा करते हैं, उन्हें कार्यों में सफलता पाने के लिए एकाग्रता और शक्ति प्राप्त होती है। लक्ष्यों को प्राप्त करने में आ रही परेशानियां दूर हो जाती हैं।

सेवक हनुमान

बजरंग बली के इस स्वरूप में हनुमानजी श्रीराम की सेवा में लीन दिखाई देते हैं। इस स्वरूप की पूजा करने पर भक्त के मन में कार्य और रिश्तों के प्रति सेवा और समर्पण की भावना जागृत होती है। व्यक्ति को परिवार और कार्य स्थल पर सभी बडे लोगों का विशेष स्नेह प्राप्त होता है। सेवक हनुमान' के स्वरूप में भगवान राम के चरणों में हनुमानजी बैठे हुए हैं और श्रीराम उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं।

वीर हनुमान

वीर हनुमान स्वरूप में साहस, बल, पराक्रम व आत्मविश्वास दिखाई देता है। हनुमानजी अपने साहस और पराक्रम से कई राक्षसों को नष्ट किया और श्रीराम के काज संवारें। वीर हनुमान नाम के अनुरूप हनुमानजी के इस स्वरूप की उपासना करने से बल, पराक्रम और साहस की प्राप्ति होती है। वीर हनुमान स्वरूप की पूजा मात्र से आत्मविश्वास चेहरे पर नजर आता है। साथ ही आपके साहस के आगे शत्रु नतमस्तक हो जाएंगे।

सूर्यमुखी हनुमान

सूर्य देव हनुमानजी के गुरु हैं। सूर्य पूर्व दिशा से उदय होता है। सूर्य और सूर्य का प्रकाश, गति और ज्ञान के भी प्रतीक हैं। जिस तस्वीर में हनुमानजी सूर्य की उपासना कर रहे हैं या सूर्य की ओर देख रहे हैं, उस स्वरूप की पूजा करने पर भक्त को भी ज्ञान और कार्यों में गति प्राप्त होती है। सूर्यमुखी हनुमान की पूजा से विद्या, प्रसिद्धि, उन्नति और मान-सम्मान प्राप्त होता है।

दक्षिणामुखी हनुमान

हनुमानजी की वह प्रतिमा जिसका मुख दक्षिण दिशा की ओर होता है, वह हनुमानजी का दक्षिणमुखी स्वरूप है। दक्षिण दिशा काल यानी यमराज (मृत्यु के देवता) की दिशा मानी जाती है। हनुमानजी रुद्र (शिवजी) अवतार माने जाते हैं, जो काल के नियंत्रक हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की पूजा करने पर मृत्यु भय और चिंताएं समाप्त होती हैं।

उत्तरामुखी हनुमान

देवी-देवताओं की दिशा उत्तर मानी गई है। इसी दिशा में सभी देवी-देवताओं का वास है। हनुमानजी की जिस प्रतिमा का मुख उत्तर दिशा की ओर है, वह हनुमानजी का उत्तरामुखी स्वरूप है। इस स्वरूप की पूजा करने पर सभी देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होती है। घर-परिवार में शुभ और मंगल वातावरण रहता है।

यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है, इससे समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ठ नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। इस बार यह एकादशी 3 मई, मंगलवार को है। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

व्रत विधि वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि (2 मई मंगलवार) को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी (4 मई, बुधवार) को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां उपस्थित हो उनकी रक्षा की। पर भालू द्वारा अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत दु:ख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स दु:खी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुन: सुंदर अंगों वाला हो गया। हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारें में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार वरुथिनी एकादशी 3 मई, मंगलवार हो है। इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रात: स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए।

इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

हनुमान जी का पंचमुखी रूप

लंका में श्रीराम-रावण युद्ध के समय ऐसा संकट आया जब रावण को अपनी सहायता के लिए अपने भाई अहिरावण का स्मरण करना पडा। अहिरावण तंत्र-मंत्र का प्रकांड पंडित एवं मां भवानी का अनन्य भक्त था। अपने भाई रावण के संकट को दूर करने का उसने एक उपाय निकाल लिया। यदि श्रीराम एवं लक्ष्मण का ही अपहरण कर लिया जाए तो युद्ध तो स्वत: ही समाप्त हो जाएगा। अहिरावण ने ऐसी माया रची कि सारी सेना प्रगाढ निद्रा में निमग्न हो गयी और वह श्री राम और लक्ष्मण का अपहरण करके उन्हें निद्रावस्था में ही पाताल-लोक ले गया। हनुमानजी के जागने पर जब इस संकट का भान हुआ और विभीषण ने यह रहस्य खोला कि ऐसा केवल अहिरावण ही कर सकता है। संकट मोचन हनुमानजी तत्काल पाताल लोक पहुंचे। द्वार पर रक्षक के रूप में मकरध्वज से युद्ध कर और उसे हराकर जब वह पातालपुरी के महल में पहुंचे तो श्रीराम एवं लक्ष्मण जी को बंधक-अवस्था में पाया। वहां भिन्न-भिन्न दिशाओं में पांच दीपक जल रहे थे। अहिरावण ने मां भवानी के सम्मुख श्रीराम एवं लक्ष्मण की बलि देने की पूरी तैयारी थी।

अहिरावण का अंत करना है तो इन पांच दीपकों को एक साथ एक ही समय में बुझाना होगा। यह रहस्य ज्ञात होते ही हनुमान जी ने पंचमुखी हनुमान का रूप धारण किया। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिम्ह मुख, पश्चिम में गरुड मुख, आकाश की ओर हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख। इन पांच मुखों को धारण कर उन्होंने एक साथ सारे दीपकों को बुझाकर अहिरावण का अंत किया और श्रीराम-लक्ष्मण को मुक्त किया। सागर पार करते समय एक मछली ने उनके स्वेद की एक बूंद ग्रहण कर लेने से गर्भ धारण कर मकरध्वज को जन्म दिया था अत: मकरध्वज हनुमान जी का पुत्र है, ऐसा जानकर श्रीराम ने मकरध्वज को पातालपुरी का राज्य सौंपने का हनुमान जी को आदेश दिया। हनुमान जी ने उनकी आज्ञा का पालन किया और वापस उन दोनों को लेकर सागर तट पर युद्धस्थल पर लौट आये। हनुमान जी के इस अद्भुत स्वरूप के विग्रह देश में कई स्थानों पर स्थापित किए गए हैं।

इनमें रामेश्वर में स्थापित पंचमुखी हनुमान मंदिर में इनके भव्य विग्रह के संबंध में एक भिन्न कथा है। पुराण में ही वर्णित इस कथा के अनुसार एकार एक असुर, जिसका नाम मायिल-रावण था, भगवान विष्णु का चक्र ही चुरा ले गया। जब आंजनेय हनुमान जी को यह ज्ञात हुआ तो उनके हदय में सुदर्शन चक्र को वापस लाकर विष्णु जी को सौंपने की इच्छा जाग्रत हुई। मायिल अपना रूप बदलने में माहिर था। हनुमान जी के संकल्प को जानकर भगवान विष्णु ने हनुमान जी को आशीर्वाद दिया, साथ ही इच्छानुसार वायुगमन की शक्ति के साथ गरुड-मुख, भय उत्पन्न करने वाला नरसिम्ह-मुख तथा हयग्रीव एवं वराह मुख प्रदान किया। पार्वती जी ने उन्हें कमल पुष्प एवं यम-धर्मराज ने उन्हें पाश नामक अस्त्र प्रदान किया। यह आशीर्वाद एवं इन सबकी शक्तियों के साथ हनुमान जी मायिल पर विजय प्राप्त करने में सफल रहे। तभी से उनके इस पंचमुखी स्वरूप को भी मान्यता प्राप्त हुई। ऐसा विश्वास किया जाता है कि उनके इस पंचमुखी विग्रह की आराधना से कोई भी व्यक्ति नरसिम्ह मुख की सहायता से शत्रु पर विजय, गुरुड मुख की सहायता से सभी दोषों पर विजय वराहमुख की सहायता से समस्त प्रकार की समृद्धि एवं संपत्ति तथा हयग्रीव मुख की सहायता से ज्ञान को प्राप्त कर सकता है।

बिना वजह क्यों होता है मोबाइल के वाइब्रेशन का अहसास

मोबाइल फोन आजकल एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। हर शख्स अपने आप को मोबाइल फोन के साथ कंफर्टेबल और सुरक्षित महसूस करता है। पर ऐसे में कुछ अजीबो गरीब बीमारियां भी पनप रही हैं जिनका रिश्ता सिर्फ मोबाइल फोन से ही है। ऐसी ही एक बीमारी के बारे में हम यहां जिक्र कर रहे हैं।

बिना बजे ही लगता है फोन कर रहा है वाइब्रेट

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में एक बीमारी का पता चला है। इस बीमारी में आपका फोन वाइब्रेट नहीं होगा, लेकिन बार-बार आपको ऐसा एहसास होगा कि आपका फोन या आसपास कोई दूसरा फोन वाइब्रेट हो रहा है। शेधकर्ताओं का कहना है कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग नब्बे प्रतिशत लोगों को अक्सर कपड़ों में सरसराहट या मांसपेशियों में ऐंठन होने से बार-बार ऐसा लगता है जैसे उनका या उनके आसपास का कोई मोबाइल वाइब्रेट हो रहा हो। वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं होता चेक करने के बाद ये अहसास होता है कि ये उनकी गलतफहमी थी। इस डिसीज को नाम दिया गया है फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम। हालाकि इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि ज्यादातर लोग जिनमें यह लक्षण पाया गया है, उन्हें इस बीमारी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

ऐसा ही होता है पैरीडोलिया में भी

इसी तरह का अहसास होने पर इस बीमारी को पैरीडोलिया नाम भी दिया गया है। पैरीडोलिया में भी आपका दिमाग ऐसी चीजों के बारे में सोच लेता है जो दरअसल होती ही नहीं हैं। जैसे बिना मतलब वाइब्रेशन को महसूस करना, ऐसा विशेष रूप से तब होता है जब हम फोन को वाइब्रेशन पर लगा देते हैं और अचानक हमारा फोन किसी ना किसी वजह से वाइब्रेट करता है। इसके बाद जब हमारा दिमाग किसी एक्टिविटी में बिजी होता है और आपके अवचेतन में ये बात होती है कि फोन फिर वाइब्रेट होगा और उसी वजह से बिना किसी वजह के आपको लगता है कि फोन वाइब्रेट हो रहा है। ये कोई हैल्यूसिनेशन नहीं है बल्कि यह आपके दिमाग का फोन के प्रति बिना अहसास के ज्यादा सचेत हो जाना है।

गर्मी दूर भगाने के लिए इस तरह करें शीतली प्राणायाम

जैसा नाम वैसा काम। ये कहावत शीतली प्राणायम के लिए एकदम सटीक बैठती है। शीतली प्राणायाम से गर्मी के मौसम में राहत पाई जा सकती है। शीतली प्राणायाम प्राणायाम ना केवल शीतलता प्रदान करता है बल्कि मन की शांति भी देता है। शरीर को ठंडक पहुंचाने के कारण इसे कूलिंग ब्रीथ कहा जाता है। इस प्राणायाम को सभी योगासन को करने के बाद सबसे अंत में किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सभी योगासनों को करने की थकान दूर होकर पूरे शरीर में ठंडक का एहसास होता हैं। इस प्राणायाम से सम्पूर्ण शरीर यंत्र को ठंडक प्राप्त होती है और कान एवं नेत्र को शक्ति मिलती है।

शीतली प्राणायाम करने से पहले स्नान कर लेना चाहिए। आसन और प्राणायाम के बाद स्नान करना चाहें तो कम से कम आधे घंटे का अंतराल रखें ताकि इस दौरान रक्त का संचार सामान्य हो जाए। यह प्राणायाम हर मौसम में हर जगह आसानी से किया जा सकता है। प्राणायाम का अभ्यास होने के बाद गर्मी के मौसम में इसकी अवधि आवश्यकता अनुसार बढ़ा सकते हैं।

शीतली प्राणायाम की खास बात ये है इसमें आप किसी एक प्रकार की अवस्था में बैठने के लिए बाध्य नहीं होते। दोनों हाथों की अंगुलियों को ज्ञान मुद्रा में दोनों घुटनो पर रखें, आंखें बन्द करें। उसके बाद अपनी जीभ को नली के समान बना लें अर्थात गोल बना लें और मुंह से लम्बी गहरी श्वास आवाज के साथ भरें।

फिर इस नली के माध्यम से ही धीरे-धीरे मुंह से सांस लें। इसके बाद जीभ अंदर करके सांस को धीरे-धीरे नाक के द्वारा बाहर निकालें। हवा नलीनुमा इस ट्यूब से गुजरकर मुंह, तालु और कंठ को ठंडक प्रदान करेगी। याद रहें कि श्वास बाहर निकालने का समय श्वास लेने के समय से ज्यादा हो। यानी जीभ के सहारे श्वास को धीरे-धीरे अंदर लेना भी है और स्वास छोड़ते वक्त श्वास और धीरे से छोड़ना है।

प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। शीतकारी प्राणायाम में मुंह बंद कर दंत पंक्तियों को मिलाकर मुंह से श्वास लेते हैं और नाक से ही श्वास छोड़ते हैं। प्रदूषित जगह में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। कम से कम 10 चक्रों का अभ्यास करें। अभ्यस्त होने पर 5 से 10 मिनट तक अभ्यास करें।

इसके अभ्यास से मानसिक उत्तेजना एवं उदासीनता दोनों दूर हो जाती हैं। मस्तिष्क के स्नायु, नाड़ी संस्थान तथा मन शांत हो जाता है। यह प्राणायाम अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और अल्सर में रामबाण का काम करता है। चिड़चिड़ापन, बात-बात में क्रोध आना, तनाव तथा गर्म स्वभाव के व्यक्तियों के लिए यह विशेष लाभप्रद है।

जो लोग खाते रहने की आदत से परेशान हैं उन्हें ये प्राणायाम जरूर करना चाहिए क्योंकि ये गैर जरूरी भूख कम करता है। ये प्राणायाम ब्लडप्रेशर कम करता है। एसीडिटी और पेट के अल्सर तक में आराम मिलता है।

प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्रणायाम करें।

कलाई में दर्द होने पर ऐसे पाएं छुटकारा

घर हो या ऑफिस सारा दिन काम करते-करते हमारे हाथों में थकान महसूस होने लगती है,पर इस दर्द का असर सिर्फ हाथों पर ही नहीं ब्लकि हमारी कलाइयों पर भी पड़ता है। कलाइयों में होने वाले दर्द से कई बार पूरी बाजू काम करना बंद कर देती है।अगर दर्द ज्यादा हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। कुछ घरेलु उपायों को अपनाकर आप कलाइयों के दर्द को कम कर सकते है।

- अगर कलाइयों में दर्द हो रहा हो तो किसी अच्छे तेल से मालिश करने से दर्द से राहत पाई जा सकती है। पुदीने के तेल में ऑलिव ऑयल मिलाकर इस तेल से मालिश करने से दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।
- कलाइयों में दर्द होने पर आलू को उबालकर उसको अच्छी तरह मैश करके कलाई पर बांधने से दर्द से राहत पाई जा सकती है।

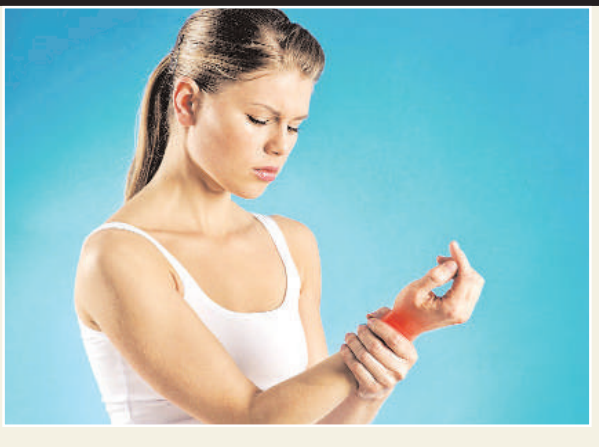

- बैंड का इस्तेमाल करके भी आप कलाइयों के दर्द से राहत पा सकते है।बैंड को बांधकर रखने से कलाइयों को आराम मिलता है ।
- बर्फ के टुकड़े से सेंक करने से कलाइयों के दर्द और सूजन से छुटकारा पाया जा सकता है।
- हमेशा कलाइयों को थोड़ी ऊंचाई पर रख कर सोना चाहिए। अपनी बाजुओं को तकिए पर रखकर हल्का खींचे और दर्द की स्थिति में हाथों का अधिक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- पानी ज्यादा पीने से शरीर में मौजूद विषैले तत्त्व बाहर निकल जाते है, दर्द से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

आज की इस भाग दौड़ और प्रदूषण से भरी जिंदगी मे हर महिला ऐसी होगी जो सुन्दर दिखना चाहेगी, और वो भी बिना पार्लर गए और बिना समय गवाए। इस सर्द मौसम मे अगर आप अपने चेहरे के अनचाहे बालो से छुटकारा चाहती है तो कुछ घरेलू नुस्खे जरूर आजमाकर देखे।

चेहरे के अनचाहे बालों से कैसे पाएं निजात

मसूर का दाल

मसूर की दाल रातभर पानी मे भिगो के रखे फिर उसे सुबह थोड़ा दरदरा पीस ले और चेहरे पर 10 मिनिट लगा कर पूरी तरेह सूखने से पहले हाथो से मलकर निकाल दे, इससे आपको अनचाहे बालो से छुटकारा मिलेगा, अगर आपकी त्वचा रूखी हो तो उसमे आप मलाई या ग्लिसरीन मिला के भी लगा सकती है।

नारियल

गुनगुने नारियल के तेल मे थोड़ी सी हल्दी मिलाकर चेहरे पर मले आपको अनचाहे बालो से निजात मिलेगी और आपका चेहरा चमक उठेगा।

बेसन हल्दी

बेसन मे थोड़ी हल्दी ओर दूध मिलाकर लगाने से आपको अपने चेहरे के अनचाहे बालो को छुपाने के लिए आपको कभी पार्लर जाकर ब्लीच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पपीते

हल्दी और कच्चे पपीते को पीसकर पेस्ट बनाकर 15 मिनिट लगाके उसे हल्के हाथ से मलके पानी से धो ले, यह बालो को समाप्त करने के लिए अच्छा उपाय है। चेहरे पर बदलाव देखने के लिए सप्ताह मे एक बार जरूर लगाए।

नमक पानी

पानी मे नमक डालकर कॉटन मे भिगो के इसे चेहरे पर मसाज करे, ऐसा आप प्रतिदिन लगाएंगे तो बाल चेहरे से हट जाएंगे।

शहद, दलिया

एक चम्मच शहद, दलिया और नींबू को मिला ले, फिर उसे चेहरे पर लगाके कमसेकम 15 मिनिट लगाए, फिर सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो ले। अगर आप यह चीज सप्ताह मे 2-3 बार करेंगें तो अच्छा परिणाम मिलेगा।

अंडे

1 अंडे की सफेदी ले, चीनी का 1 चम्मच, मकई का आटा 1 चम्मच डाले, फिर उसको मिलाके चेहरे पर 15 मिनिट रेहने दे। इसके बाद ठन्डे पानी से धो लें, आपके चेहरे पैर ताजगी रहेगी और साथ ही चमक भी।

तुलसी

तुलसी के 8-10 पत्तियां और प्याज का पेस्ट बना के चेहरे पर लगाए, कमसेकम 10 मिनट रख के पानी से धो ले। अच्छे परिणाम के लिए इसे सप्ताह मे 2 से 3 बार लगाएं। तो ये थे आपकी सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रकृति के खजाने से चुराए हुए कुछ खास नुस्खे सिर्फ आपके लिए, इसे इस्तमाल करने के बाद हर किसी की नजर आप पर ही होगी।

इससे से बना जाता है बुद्धिमान

अखरोट: जैसे यह दिखता है बस वैसे ही दिमाग होता है। इस में विटामिन ओमेगा 3ह्य भरपूर होता है, साथ में विटामिन श्व होता है। यह फल दिमाग के लिए सबसे बेहतरीन है।

ब्रॉकोली: यह हरी फुल गोभी है। इस में विटामिन च्च होता है, जो दिमाग को अच्छा पोषण देते है। संज्ञानात्मक समारोह में वृद्धि करता है और दिमाग की शक्ति भी बढाता है।

कद्दू के बीज: आप जब भी कद्दू की सब्जी बनाते होंगे तो बिज कचरे में डाल देते होंगे। किंतु यह एक मुट्ठी बिज अगर आप नियमित खाते है तो दिमाग को जिंक का पोषण मिलेगा। इससे दिमाग तेज और तंदरुस्त होगा।

मछली: कुछ मछलियां होती है जिन में ओमेगा3 का प्रमाण अच्छा खासा होता है। जो सीधे तरीके से शरीर में घुलता है और दिमाग को पोषण देता है। स्वस्थ दिमाग के लिए टमाटर, ब्रोकली, गाय का दूध, अखरोट जरूरी होते है, ये खाने से बना जाता है बुद्धिमान! खान पान बदल रहा है। लोग अधिकतर रेडी मेड फूड को अपना रहे है। इन खानों में वो पदार्थ होते है जो आपके दिमाग को तेज नहीं मंद करने में कारगर होते है। इस लिए ताजा फल, हरी सब्जी खाने से बेहद फायदा होगा। अगर दिमाग तंदरुस्त रहेगा तो ही आप का शारीर ठीक चलेगा और दिमाग सही वक्त पर बेहतर निर्णय लेगा, स्वस्थ शारीर में ही स्वस्थ दिमाग का निवास होता है।

कैंसर से बचने के लिए फायदेमंद है लहसुन

रसोई घरों में प्रयोग किया जाने वाला लहसुन गुणों की खान है। इसमें जुकाम, फ्लू, रक्तचाप, कैंसर से बचाव के गुण पाए जाते हैं। यह बहुत-सी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है और यह एक गुणकारी दवा भी है।कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में लहसुन को खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में लहसुन को चमत्कारी दवा माना जाता है। अधिकतर चिकित्सक डाइट में लहसुन के सेवन को फायदेमंद बताते हैं। आइए, अब हम आपको लहसुन के फायदे बताते हैं।

दिल के लिए लाभदायक: लहसुन शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल को कम करके गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाने का काम करता है। हाई ब्लडप्रैशर को दूर करने में भी यह अत्यंत लाभदायक है। उच्च रक्तचाप को कंट्रोल में रखने के लिए भी यह बहुत फायदेमंद सिद्ध हुआ है। इसकी मौजूदगी के कारण एलिसिन नामक तत्व हाई बीपी को सामान्य रखते हैं।

रक्त संचार को ठीक रखने में: गाढ़े खून को पतला करने में लहसुन बहुत उपयोगी दवा है। यह गाढ़े खून को पतला करके शरीर में रक्त प्रवाह ठीक ढंग से बनाए रखता है। जिससे आप सामान्य बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैंसर से लड़ाई लड़ने में: लहसुन का एक गुण यह भी है कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोग से लड़ने में भी का सहायता करता है। कैंसर एक बहुत ही भयानक रोग है। यदि कैंसर के रोगी लहसुन का सेवन करे तो वह कैंसर से बच सकते हैं। डॉक?टर पैनिक्रयाज, कोलोक्टोरल, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में लहसुन खाने की सलाह देते हैं।

ठंड से बचाव करने में: लहसुन की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका अधिकतर प्रयोग सर्दियों में किया जाता है। क्योंकि ठंड के दिनों में लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती। ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का जूस बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं। जिससे ठंड कम महसूस होती है।

दांत दर्द से राहत: इसका इस्तेमाल दांत दर्द से राहत देता है। लहसुन को लौंग के साथ पीसकर लगाने से दर्द कम होता जाता है।

संपादकीय

हार में जीत

लोकसभा में महिला विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाईं बहुमत की जरूरत थी कितु सत्ता पक्ष को मात्र 298 वोट मिले जबकि विपक्ष ने एकजुट होकर 230 वोटों से इस विधेयक को पारित होने से रोक दिया। सीधे और सरल नजरिए से देखें तो यह सत्ता पक्ष की हार और विपक्ष की जीत है जबकि राजनीतिक नजरिए से देखें तो यह मामला पेचीदा हो गया है। सत्ता पक्ष महिलाओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए इस हार को हथियार बनाने में जुटा है। जाहिर सी बात है कि विपक्ष उत्साहित और खुश हुआ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तो सरकार पर तंज भी कसा। प्रियंका ने जो बात लोकसभा में कही वही बात उन्होंने शनिवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भी दोहराईं कि महिलाएं मूर्ख नहीं हैं। लेकिन मानना पड़ेगा कि प्रियंका को इस बात का एहसास हो गया था कि सरकार ने विपक्ष को पंसाने के लिए ही यह विधेयक पेश किया है। हारा तो हाय, हाय जीता तो जय-जय। दरअसल मोदी सरकार की लोकसभा में 2 तिहाईं बहुमत नहीं है फिर भी उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक पेश किया तो जरूर इसका कोईं न कोईं कारण होगा। बस, यही बात तो विपक्ष की समझ में आ नहीं रही है। सत्ता पक्ष यह संदेश देना चाहता है कि विपक्ष महिला हितों के खिलाफ है। शनिवार को अपने राष्ट्र के नाम संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन विधेयकों के पारित होने के बाद महिलाओं को होने वाले हितों की जो जानकारी दी और यह भी कहा कि यदि महिलाएं इन हितों से वंचित होती हैं तो इसके लिए सीधे जिम्मेदार कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी होंगी। मजे की बात तो यह है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हो रहे चुनावों में भाजपा का इन्हीं पार्टियों से मुकाबला है। अब भाजपा के छोटेबड़े नेता महिला विधेयक का नाम लेकर इन सभी पार्टियों पर निशाना साधेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहस के दौरान ही इस बात का संकेत दे दिया था कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो सभी को फायदा होगा कितु यदि नहीं पारित हुआ तो उन पार्टियों को नुकसान होना तय है। अब भाजपा और उसके साथी दलों की कोशिश यही होगी कि वह एक ही बात दोहराएं कि यदि उन्हें दो तिहाईं बहुमत मिला होता तो लोकसभा में यह विधेयक न गिरता। सच तो यह है कि जब संविधान संशोधन के लिए दो तिहाईं बहुमत की जरूरत थी तो सत्ता पक्ष के फ्लोर मैनेजरों की समझ में यह बात क्यों नहीं आईं कि यदि विधेयक गिरा तो उनका उपहास होगा। इसका यही कारण है कि सरकार इस विधेयक को पेश करके विपक्ष के राजनीति का आकलन करने में लग गईं। आज का विपक्ष यह नहीं समझता कि कभीकभी उसे भी जनता में अपनी छवि को जन हितैषी साबित करने के लिए सरकार के साथ सहयोग करना भी जरूरी होता है। कईं ऐसे अवसर भी आए हैं जब सत्ता और विपक्ष दोनों ने एकमत से बिल को पारित कर दिया। ऐसे मामलों में श्रेय सरकार एकतरफा नहीं ले पातीं। रही बात संविधान संशोधन को गरिमा से जोड़ना की तो यदि यह सही है तो ज्यादा से ज्यादा संविधान में संशोधन उस पार्टी ने किया जो लंबे समय से सत्ता में रह चुकी है और आज कल विपक्ष में है तो वह संविधान में संशोधन को संविधान की गरिमा का हनन बता रही है। यह एक मजाक से ज्यादा कुछ भी नहीं है। संविधान में पहला संशोधन तो 1956 में ही करके प्रेस पर आपत्तिजनक विषय वस्तु छापने पर पाबंदी लगा दी गईं और 1975 में 42वें संशोधन ने तो संविधान की जान ही निकाल ली थी जिसे 1977 में फिर से कुछ अंशों का निरसन हुआ। वास्तविकता तो यह है कि संविधान में संशोधन जरूरत के मुताबिक होता है। बहरहाल यदि सरकार चाहे कि यह विधेयक हर हाल में पारित होना ही चाहिए तो संविधान के अनुच्छेद 108 में इस बात का प्रावधान है कि सरकार संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुलाए और दो तिहाईं बहुमत से इस महिला संबंधी विधेयक को पारित करके अपने संकल्प का प्रदर्शन कर सकती है। किंतु सरकार को तो इस हार को जीत में बदलना है, इसीलिए वह विपक्ष को महिला विरोधी साबित करने के लिए हर कोशिश में व्यस्त है। कारण कि राजनीति विशुद्ध रूप से कला है जिसे कुछ सामान्य भाषा में तिगड़म भी कहा जाता है। इसलिए हार को जीत में बदलने का प्रयास और उसमें सफल होने वाला ही वुशल राजनेता माना जाता है।

सत्ता पक्ष महिलाओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए इस हार को हथियार बनाने में जुटा है। जाहिर सी बात है कि विपक्ष उत्साहित और खुश हुआ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तो सरकार पर तंज भी कसा। प्रियंका ने जो बात लोकसभा में कही वही बात उन्होंने शनिवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भी दोहराईं कि महिलाएं मूर्ख नहीं हैं। लेकिन मानना पड़ेगा कि प्रियंका को इस बात का एहसास हो गया था कि सरकार ने विपक्ष को पंसाने के लिए ही यह विधेयक पेश किया है। हारा तो हाय, हाय जीता तो जय-जय। दरअसल मोदी सरकार की लोकसभा में 2 तिहाईं बहुमत नहीं है फिर भी उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक पेश किया तो जरूर इसका कोईं न कोईं कारण होगा। बस, यही बात तो विपक्ष की समझ में आ नहीं रही है। सत्ता पक्ष यह संदेश देना चाहता है कि विपक्ष महिला हितों के खिलाफ है। शनिवार को अपने राष्ट्र के नाम संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन विधेयकों के पारित होने के बाद महिलाओं को होने वाले हितों की जो जानकारी दी और यह भी कहा कि यदि महिलाएं इन हितों से वंचित होती हैं तो इसके लिए सीधे जिम्मेदार कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी होंगी। मजे की बात तो यह है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हो रहे चुनावों में भाजपा का इन्हीं पार्टियों से मुकाबला है। अब भाजपा के छोटेबड़े नेता महिला विधेयक का नाम लेकर इन सभी पार्टियों पर निशाना साधेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहस के दौरान ही इस बात का संकेत दे दिया था कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो सभी को फायदा होगा कितु यदि नहीं पारित हुआ तो उन पार्टियों को नुकसान होना तय है। अब भाजपा और उसके साथी दलों की कोशिश यही होगी कि वह एक ही बात दोहराएं कि यदि उन्हें दो तिहाईं बहुमत मिला होता तो लोकसभा में यह विधेयक न गिरता। सच तो यह है कि जब संविधान संशोधन के लिए दो तिहाईं बहुमत की जरूरत थी तो सत्ता पक्ष के फ्लोर मैनेजरों की समझ में यह बात क्यों नहीं आईं कि यदि विधेयक गिरा तो उनका उपहास होगा।

कुछ अलग

संकल्प से सफलता

हिंदी साहित्य जगत को 'गोदान' जैसा कालजयी उपन्यास और कईं कहानियां देने वाले प्रेमचंद पहले सिर्फ उर्दू में लिखते थे और वह भी 'नवाब राय' नाम से। तब उन्हें हिंदी बिल्कुल नहीं आती थी। उनके उर्दू कहानी-संग्रह 'सोज-ए-वतन' पर जब अंग्रेज सरकार ने पाबंदी लगा दी तो उन्होंने अपना नाम नवाब राय से बदलकर प्रेमचंद रख लिया और भविष्य में केवल हिंदी में कलम चलाने की ठानी। उनके इस निर्णय की जानकारी जब किसी साहित्यिक मित्र को मिली तो वे पूछ बैठे कि हिंदी तो आपको बिल्कुल नहीं आती, फिर आप हिंदी में लिखेंगे कैसे? इस पर प्रेमचंद बोले, 'उर्दू और हिंदी जुबान में कोई बुनियादी फर्क तो है नहीं, बस लिपि का फर्क है। इंसान हिम्मत करे तो कोई काम मुश्किल नहीं है... और मुझे पूरा भरोसा है कि जल्द ही मैं देवनागरी लिपि सीख लूंगा।' प्रेमचंद की कही बात सही निकली और हिंदी साहित्य जगत सदा- सदा के लिए उनका ऋणी हो गया।

लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत

भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं। तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं। जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है। जब तक ऐसे कदम नहीं उठाए जाएंगे, जंगलों और आदिवासी इलाकों की बंदूकें भले ही शांत हो जाएं, सामाजिक तौर पर वाम वैचारिकी मजबूत उपस्थिति बनाए रखेगी और अगर वह प्रभावी रही तो देर-सवेर किसी और रूप में फिर से लाल आतंक को सिर उठाने के लिए प्रेरित करेगी।

ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था।

देश दुनीया से

नीतीश कुमार युग की उपलब्धियां

कुछ दिन पर पूर्व बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश वुमार का त्यागपत्र हुआ और उससे पहले उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण किया, यह घटनाव्रम कुछ वर्ष पूर्व उनके गुरु जॉर्ज फर्नांडिस के साथ हुए घटनाव्रम की याद दिलाता है। जब वे लोकसभा का चुनाव हारने के बाद अस्वस्थ होते हुए भी राज्यसभा के लिये नामित किए गए तो नीतीश वुमार ने इस घटना को अपने गुरु जारी फर्नांडिस के प्रति गुरु दक्षिणा की संज्ञा दी थी। कुछ कुछ इसी तरह की घटना नीतीश वुमार जी के साथ हो रही है लेकिन यह भी सत्य है कि श्री नीतीश वुमार ने एक राजनेता और प्रशासक के रूप में अटल बिहारी सरकार में वृषि मंत्री के रूप में रेल मंत्री के रूप में और लगभग 20 वर्षो तक बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में जो उपलब्धियां हासिल की है उनको भुलाया नहीं जा सकता । इसलिए एक मुख्य एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी उपलब्धियां की व्याख्या करना अत्यंत आवश्यक है और यह देखना है कि उनके उत्तराधिकारी के रूप में उत्तराधिकार के रूप में सम्राट चौधरी क्या उन उपलब्धियां के आसपास भी पहुंच पाएंगे। वर्ष 2002 में हमे दरभंगा में एक व्रिकेट आयोजन में जाना पड़ा, इसका आयोजन वहां के तत्कालीन सांसद कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम आजाद द्वारा संचालित एनजीओ कर रही थी हमारे साथ दिल्ली से टेस्ट खिलाड़ी रहे अजय जडेजा, गुरु शरण सिह और अंपायर एस के बंसल व्रिकेट कोच व ग्राउंड स्टाफ था, पटना से दरभंगा सड़क मार्ग के रास्ते जाते समय हमारी गाड़ी ऐसा लग रहा था सड़क पर नहीं गड्ढों में चल रही है वहां पहुंचते पहुंचते सब की हालत खराब हो गईं थीं और कहने को हम दरभंगा के सबसे अच्छे होटल में रुके थे पर वह 24 घंटे में से 12 घंटे से ज्यादा बिजली गायब रहती थी और यह टूर्नामेंट गांव से आईं हुईं टीमों के बच्चों की जूनियर टीमें के लिए था पर बच्चों की आयु को लेकर कोईं भी छूट भैया हमे धमका देता था और फ़ाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में लालू प्रसाद को की उपस्थिति में अंपायर के एक पैसले को लेकर इतना हंगामा हुआ कि पुलिस आईं और जिले के एस पी के देख रेख में मैच सम्पन्न हुआ पर आज हम प्रायः बिहार जाते हैं और सड़क के साथ साथ कानून व्यवस्था सुधरी हुईं है और इसका श्रेय नितीश जी के दो दशक के शासन को जाता है। नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 में बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कानून व्यवस्था सुधारने, इंप्रास्ट्रक्चर विकसित करने और महिला सशत्तिकरण के माध्यम से राज्य को सुशासन की

ओर मोड़ा। उनकी विशिष्ट उपलब्धियां में स्वूल जाने वाली छात्राओं को साइकिल योजना, शराब बंदी, जीविका दीदी, सात निाय के तहत हर घर को नल जल, बिजली, पंचायती राज, महिलाओं को 50फीसद आरक्षण शामिल है। वर्ष 205 में कानून का राज स्थापित करने और न्याय के साथ विकास के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर उन्होंने सुशासन पारर्दशिता एवं समावेशी विकास की सिद्धांतों पर शासन की नींव रखी उन्होंने पूरी ईंमानदारी और लगन से सुशासन के कार्यंव्रम पर आधारित नीतियों, कार्यंव्रम एवं योजनाओं का कार्यंवयन किया और उनकी उपलब्धियां संभावनाओं एवं चुनौतियां से भरपूर कार्यंकाल को जनता का भरपूर समर्थन मिला। कुछ वर्षो की अवधि में ही नितीश वुमार ने सार्वजनिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं का पुर्ननिर्माण किया। इस सफर में जहां एकओर प्रभावी विधि व्यवस्था, कानून का राज स्थापित करने में सफलता प्राप्त की वहीं दूसरी ओर मानव संसाधन के साथ-साथ उत्तम आधार भूत संरचना के विकास में कईं ऊंचाइयां हासिल की। लोगों के मन में सुरक्षा एवं निाय का माहौल बना जिसका प्रभाव राज्य के शहरों तथा गांव में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में दिखाईं पड़ता है। समाज के कमजोरऔर साधन विहीन एवं विकास से वंचित वर्गो को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने बिहार के विकास की एक नईं दिशा की परिकल्पना की। जिसकी तारीफ सत्ता पक्ष के साथ साथ विपक्षी भी करते है। राज्य में विधि व्यवस्था बहाल कर कानून का राज्य स्थापित करना नीतीश वुमार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। बिना किसी भेदभाव के कानूनी प्रावधानों और वैदिक प्रव्रियाओं का पालन करते हुए उन्होंने अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों को निष्प्रभावी करने के लिए ठोस व्यवस्था लागू की। संगठित अपराध पर अंवुश लगाया। न्यायालयों से समन्वय स्थापित कर त्वरित विचरण प्रणाली की व्यवस्था लागू की गईं।संख्या के अनुपात में पुलिस बल की नियुत्ति सहित पुलिस के सभी आवश्यक संसाधनों के साथ-साथ उनके आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया। जिस बिहार में स्वूलों में शिक्षकों की अत्यधिक कमी थी वहां हजारों की संख्या में शिक्षकों की बहाली हुईं। असामाजिक तत्वों द्वारा सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा करने की कोशिश की गईं तो उन्होंने त्वरित कार्यंवाही करते हुए संवाद कायम कर इन घटनाओं को नियंत्रित किया इन प्रभावी कदमों से एक ओर नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव जागा वहीं दूसरी ओर अपराधियों में कानून का डर स्थापित हुआ और पूरे प्रदेश में लोग कभी भी और कहीं भी अपने घरों से निकाल कर जा सकते थे। अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की निति के तहत भ्रष्टाचार के विरुद्ध नीतीश वुमार जी की मुहिम सदैव जारी रही। कानूनी एवं संस्थागत व्यवस्था कर भ्रष्ट लोक सेवकों के विरुद्ध प्रभावकारी कार्यंवाही सुनिति की गईं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो विशेष निगरानी इकाईं और आर्थिक अपराध इकाईं के द्वारा भ्रष्टाचार में संलिप्त, आय से अधिक संपत्ति रखने वाले, पद का दुरुपयोग करने वाले लोक सेवकों के विरुद्ध मामले दर्ज कर उन्हें सजा दिलवाईं गईं और उनके द्वारा अवैध रूप से र्अजित संपत्ति को जप्त करने की ठोस कार्रवाईं की गईं ।देश में पहली बार जप्त अवैध सम्पत्ति के भवनों में गरीब और नि शत्त बच्चों के लिए विद्ालय खोले गए, यहां तक कि भ्रष्टाचार में नाम आने पर अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का त्यागपत्र लेने पर अड़ गए और उनके द्वारा त्यागपत्र न दिए जाने पर राष्ट्रीय जनता दल से अपना एलायंस तोड़ लिया और तमाम आलोचनाओं की परवाह न करते हुए भारतीय जनता पाटा के साथ मिलकर एक स्थाईं सरकार बनाईं। सामाजिक न्याय नितीश वुमार की प्राथमिकताओं में सर्वोच्च रही है। वह पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने अपने राज्य में महादलित को परिभाषा किया। उन्होंने अनुसूचित जातियों में दलित और महादलित की पहचान की।महा दलित विशेषकर सदियों से उपेक्षित और तिरस्वृत मुसहर समाज को मुख्य धारा में लाने के लिए कईं कानून बनाए और घुमंतू जीवन व्यतीत करने वाले मुसहरों को तीन डिसमिल जमीन देने का कानून बनाया, दुर्भाग्य वश मुसहर समाज के नेताओं और सरकारी अधिकारियों की लापरवाही से यह योजना पूर्ण रूप से पूरी नहीं हो पाईं। मुसहरों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री पद त्याग कर मुसहर समाज से आने वाले अपने मंत्री जीतन राम मांझी को बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया।

आप का नजरीया

जंग जब जरिया बन जाए

हर जंग अपने पीछे गहरे जख्म और चुभते सवालों की लंबी शृंखला छोड़ जाती है। ईरान पर थोपा गया युद्ध इसका अपवाद नहीं है। कल जब इतिहास की पोथियों से उफन रही हार-जीत की गाथाएं राष्ट्रवाद की नई बिसातें बिछा रही होंगी, तब कहीं दुबका एक सवाल उन्हें मुंह चिढ़ाता नजर आएगा। यह जंग क्यों छेड़ी गई थी? अपनी बात स्पष्ट करने के लिए आपको सन्1982 में ले चलता हूं। इंग्लैंड में मार्गरेट थैचर राज कर रही थीं। प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने सरकारी कंपनियों के निजीकरण, श्रमिक संगठनों पर अंकुश, सरकारी खर्चों में कटौती और मुक्त बाजार को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। इससे तात्कालिक तौर पर बेरोजगारी और सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। नतीजतन, हर रायशुमारी में वह लोकप्रियता की सीढ़ियां लुढ़कती नजर आतीं। लगता था कि वह अगला चुनाव हार जाएंगी। संयोग से उनके हाथ एक मौका लग गया। अर्जेंटीनियन सैन्य जुंटा के नेता जनरल लियोपोल्डो गाल्टिएरी ने ब्रिटेन शासित फॉकलैंड द्वीप समूह पर आक्रमण कर दिया। 2 अप्रैल से 14 जून तक लड़े गए इस युद्ध में 900 से अधिक सैनिक अथवा आमजन खेत रहे। जीत ब्रिटेन की होनी थी, हुई, लेकिन थैचर की किस्मत बदल गई। उन्हें 'आयरन लेडी' की उपाधि से नवाजा गया। अगले चुनाव में वह पहले के 339 के मुकाबले 397 सदस्यों के विशाल बहुमत के साथ 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में जा विराजीं। उधर, जनरल गाल्टिएरी को शर्मनाक पराजय ने सियासी निर्वासन के बियाबान में धकेल दिया। थैचर को आज तक आयरन लेडी कहा जाता है, लेकिन उन 900 लोगों की बात कोई नहीं करता, जो राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की बलि चढ़ गए थे। इसी से मिलता-जुलता उदाहरण भारत-पाकिस्तान युद्ध का है। दिसंबर 1971 में जब यह लड़ाई छिड़ी, तब तक इंदिरा गांधी मार्च 1971 का चुनाव तो भारी बहुमत से जीत चुकी थीं, लेकिन अभी तक 'गूंगी गुड़िया' की छवि उनका पीछा कर रही थी। उन्हें इस छवि से मुक्ति का अवसर पाकिस्तान के फौजी तानाशाह जनरल याह्या खान ने मुहैया करा दिया। कैसे? वर्ष 1970 में शेख मुजीबुर्रहमान की पार्टी अवामी लीग ने पूर्वी पाकिस्तान में मौजूद 162 में से 160 सीटें जीतकर नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल कर लिया था। कायदे से उन्हें प्रधानमंत्री बनना चाहिए था, लेकिन पश्चिमी पाकिस्तान के पंजाबियों, सिंधियों, बलूचों और पठानों को यह मंजूर न था। देश के सैन्य हुक्मरां जनरल याह्या खान ने बौखलाहट में अपने गैर-बांग्लाभाषी फौजी दस्तों को पूर्वी पाकिस्तान में रहने वाले बांग्लाभाषियों पर सितम ढाने की छूट दे दी थी। नतीजतन, बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आने लगे। इंदिरा गांधी ने मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान पर हमला बोल दिया। इस युद्ध में करीब 93,000 पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को पूर्वी पाकिस्तान में हथियार डालने पड़े थे। यह वह मुकाम था, जब बांग्लादेश का उदय हुआ और पाकिस्तान हमेशा के लिए दो टुकड़ों में बंट गया। यकीनन, इससे भारत की छवि मजबूत हुई और इसका फायदा इंदिरा गांधी को मिला। 'गूंगी गुड़िया' अब 'दुर्गा' बन चुकी थी। पराजित याह्या खान को न केवल कुर्सी छोड़नी पड़ी, बल्कि अपना शेष जीवन जिल्लत के साथ गुजारना पड़ा। अब पश्चिम एशिया की जंग पर आते हैं। पिछले साल जून में लगातार 12 दिन तक बम बरसाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि हमने ईरान की परमाणविक क्षमता को 'विनष्ट' कर दिया है। उस 'विनष्ट' को पुनः नष्ट करने की भला क्या जरूरत आ पड़ी थी? इंदिरा गांधी और मार्गरेट थैचर को अवसर दूसरों ने मुहैया कराए थे, लेकिन ईरान पर थोपे गए युद्ध का कोई आधार नहीं था। इस अकारण छेड़ी गई लड़ाई में सिर्फ हजारों बच्चे, बूढ़े और नौजवान कब्रगाहों के हवाले नहीं हुए, बल्कि अमेरिकी लोकतांत्रिक परंपराएं भी दफन हो गईं। कुछ दिन पहले तक कुत्सित विचारों वाला कोई व्यक्ति भी यह कल्पना नहीं कर सकता था कि खुद को लोकतंत्र का मक्का बताने वाले अमेरिका का राष्ट्रपति यह घोषणा करेगा- 'आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।'

ईरान पर थोपा गया युद्ध इसका अपवाद नहीं है। कल जब इतिहास की पोथियों से उफन रही हार-जीत की गाथाएं राष्ट्रवाद की नई बिसातें बिछा रही होंगी, तब कहीं दुबका एक सवाल उन्हें मुंह चिढ़ाता नजर आएगा। यह जंग क्यों छेड़ी गई थी? अपनी बात स्पष्ट करने के लिए आपको सन् 1982 में ले चलता हूं। इंग्लैंड में मार्गरेट थैचर राज कर रही थीं। प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने सरकारी कंपनियों के निजीकरण, श्रमिक संगठनों पर अंकुश, सरकारी खर्चों में कटौती और मुक्त बाजार को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। इससे तात्कालिक तौर पर बेरोजगारी और सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। नतीजतन, हर रायशुमारी में वह लोकप्रियता की सीढ़ियां लुढ़कती नजर आतीं। लगता था कि वह अगला चुनाव हार जाएंगी। संयोग से उनके हाथ एक मौका लग गया। अर्जेंटीनियन सैन्य जुंटा के नेता जनरल लियोपोल्डो गाल्टिएरी ने ब्रिटेन शासित फॉकलैंड द्वीप समूह पर आक्रमण कर दिया। 2 अप्रैल से 14 जून तक लड़े गए इस युद्ध में 900 से अधिक सैनिक अथवा आमजन खेत रहे। जीत ब्रिटेन की होनी थी, हुई, लेकिन थैचर की किस्मत बदल गई। उन्हें 'आयरन लेडी' की उपाधि से नवाजा गया।

दृष्टि कोण

होर्मुज खुला, तेल सस्ता और बाजारों में तेजी का तूफान : वैश्विक संकेतों के बीच भारत के लिए क्या मायने

भारत के लिए यह एक अवसर है कि वह इस स्थिति का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करे। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि संभावित जोखिमों को नजरअंदाज न किया जाए, क्योंकि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का यह खेल कभी भी करवट बदल सकता है। पामि एशिया से आईं एक बड़ी खबर ने वुछ ही मिनटों में वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा बदल दी। होर्मुज जलडमरूमध्य को ईंरान द्वारा अस्थायी रूप से सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने की घोषणा ने कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ला दी और दुनियाभर के शेयर बाजारों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। यह पैसला ऐसे समय आया है जब फारस की खाड़ी क्षेत्र तनाव और अनिातिता के दौर से गुजर रहा था। आपरूति बाधित होने की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, लेकिन जैसे ही यह मार्ग खुला, बाजारों ने राहत की सांस ली। तेल बाजारों की प्रतिव्रिया बेहद तेज और स्पष्ट थी। ब्रेंट व्रूड ऑयल वुछ ही सेवंड में लगभग 12 प्रतिशत गिरकर 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआईं व्रूड भी 83 डॉलर के आसपास फिसल गया। यह गिरावट केवल आंकड़ों का बदलाव नहीं थी, बल्कि यह संकेत था कि वैश्विक आपरूति की चिता फिलहाल कम हो गईं है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गो में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपरूति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसके बंद होने या बाधित होने की आशंका हमेशा बाजारों को अस्थिर कर देती है, और इसके खुलने से वही बाजार तेजी की ओर दौड़ पड़ते हैं। तेल की कीमतों में इस गिरावट का असर शेयर बाजारों पर तुरंत दिखाईं दिया। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी आईं, जबकि यूरोप के प्रमुख सूचकांक जैसे डीएएक्स और एफटीएसईं 100 भी मजबूती के साथ ऊपर चढ़े। निवेशकों ने इसे एक सकारात्मक संकेत के रूप में लिया कि ऊर्जा लागत में कमी आने से वंपनियों के

मुनापे पर दबाव घटेगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। भारतीय बाजार भी इस वैश्विक माहौल से अछूते नहीं रहे। हालांकि यह घोषणा एशियाईं बाजारों के बंद होने के बाद हुईं, लेकिन इसके संकेत पहले ही दिखने लगे थे। बीएसईं सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होकर यह संकेत दिया कि निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है। गिफ्ट निफ्टी में आईं तेजी ने यह उम्मीद और मजबूत कर दी है कि आने वाले सत्र में भारतीय बाजार गैप-अप ओपनिग के साथ खुल सकते हैं। इस पूरी घटना को केवल बाजार की हलचल के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे गहरे आर्थिक और भूराजनीतिक संकेत छिपे हुए हैं। पामि एशिया में तनाव कम होने की संभावना ने निवेशकों को जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया है। जब भी वैश्विक स्तर पर अनिातिता कम होती है, पूंजी बाजारों में तेजी देखी जाती है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित विकल्पों से निकलकर इक्विटी जैसे जोखिम वाले एसेट्स में निवेश बढ़ाते हैं। भारत के लिए इस घटनाम के कईं सकारात्मक पहलू हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर करती है। जब तेल की कीमतें गिरती हैं, तो देश का आयात बिल कम होता है, जिससे चालू खाते के घाटे पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसके साथ ही, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता या कमी आने की संभावना बढ़ जाती है, जो आम लोगों और उद्ाोगों दोनों के लिए राहत की खबर होती है।

केकेआर को पहली जीत मिली

अभी भी टीम से सुधार चाहते हैं अजिंक्य रहाणे, बताई कहां कमी रही

कोलकाता: आईपीएल 2026 के 28वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हराया। रविवार को ईडन गार्डन्स के मैदान पर मिली जीत से केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे काफी खुश नजर आए। यह इस सीजन केकेआर की पहली जीत भी है। टीम को पहले 6 मुकाबलों में 5 हार मिली जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली जीत के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, 'यहां आकर सच में बहुत खुशी हो रही है। बहुत अच्छा लग रहा है। मैच के दौरान बहुत सारी भावनाएं उमड़ रही थीं। मैं रिंकू, अनुकूल और वरुण के लिए बहुत खुश हूं। वरुण ने शानदार गेंदबाजी की। अनुकूल का घरेलू टूर्नामेंट बहुत शानदार रहा था। ज्यादातर प्रैक्टिस सेशन में हमारी आपस में बातचीत हुई है। यह स्थिति को अच्छी तरह से समझने के बारे में है।

अजिंक्य रहाणे ने युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी की जमकर तारीफ की। कार्तिक त्यागी ने 19वें ओवर में तीन विकेट चटकाए थे।। उन्होंने कहा- यह जीत हमें आत्मविश्वास देगी। गेंदबाजों के बीच अच्छा तालमेल बन रहा है। कार्तिक त्यागी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने जो प्रैक्टिस मैच खेले हैं, तब से ही वह इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट रहे हैं कि मैदान के बीच में उन्हें क्या करना है। वह अभी युवा हैं, लेकिन उनमें जो आत्मविश्वास है, वह कमाल का है। एक तेज गेंदबाज के तौर पर उनमें यह आत्मविश्वास बढ़ता देखकर सच में बहुत खुशी हो रही है। अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।'जीत के बावजूद रहाणे ने माना कि टीम के बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में अभी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा- बल्लेबाजी के मामले में पिछले तीन मुकाबलों में हमारा पावरप्ले अच्छा नहीं रहा है। कभी-कभी मुझे लगता है कि स्ट्राइक रेट को जरूरत से ज्यादा अहमियत दी जाती है। हमने देखा कि इस मुकाबले में क्या हुआ।

न्यूज ब्रीफ

काशवी गौतम : एक साल के भीतर तीनों फार्मेट में डेब्यू...

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जिसका पहला मुकाबला डरबन में खेला गया। हालांकि भारत यह मैच 6 विकेट से हार गया पर इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय महिला क्रिकेट को एक नया चेहरा मिला, जब युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम को भारतीय टीम की तरफ से डेब्यू कैप प्रदान की गई। यह 22 वर्षीय प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने महज एक साल के भीतर भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण कर लिया है। अप्रैल 2025 में उन्हें वनडे कैप मिली थी, और फिर इसी साल मार्च में उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का अवसर प्राप्त किया था। अब, साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 मुकाबले में, वह भारतीय जर्सी में टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। काशवी गौतम भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार तेज गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई है। वह तब पहली बार सुर्खियों में आईं, जब 2024 की विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने दो करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा था। इस खरीद के साथ ही वह उस समय डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गईं थीं, जिससे उनकी प्रतिभा पर क्रिकेट विशेषज्ञों का भरोसा स्पष्ट हो गया था। काशवी तब और भी अधिक चर्चा में आईं, जब उन्होंने 2020 में एक घरेलू अंडर-19 मैच में एक ही पारी में सभी 10 विकेट चटकाने का अविश्वसनीय कारनामा किया था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली थी, जिसने उनकी गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया।

हिंगे सहित सभी गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से हैदराबाद ने पलटी बाजी, सीएसके के हाथ आई जीत फिसली

हैदराबाद। प्रफुल्ल हिंगे सहित सभी सभी गेंदाबाजों के अच्छे प्रदर्शन से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम ओवर में सीएसके के हाथों से मैच निकल गया। इस मैच में सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा की 22 गेंद में 59 रनों की आक्रामक पारी और हेनरिक क्लासेन के 39 गेंद पर 59 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद 195 रन का पीछा करते हुए सीएसके 20 ओवरों में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई। मैच का फैसला अंतिम दो ओवरों में हुआ। इसमें सीएसके को जीत के लिए 30 रन बनाने थे। उसने 19 वें ओवर में 12 रन बनाये। इस प्रकार उसे अंतिम ओवर में 18 रन बनाने थे। ऐसे में प्रफुल्ल ने ने केवल 7 रन देकर अपनी टीम हैदराबाद को जीत दिला दी। हैदराबाद के गेंदबाजों ने बीच के ओवर्स में अच्छी गेंदबाजी कर सीएसके के हाथों से जीत छीन ली। मैच में 195 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की और से मैट शार्ट ने 34 व आयुष म्हात्रे ने 30 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की।

लियोनल मेसी का डबल धमाका, इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

डेनवर। लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग साकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी। मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टापेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रास अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था। दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं। हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोद्रिगो डी पाल के पास पर शानदार कर्लिंग शाट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पाल का तीसरा असिस्ट रहा। मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है।

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीती पंजाब किंग्स, लखनऊ ने डाले हथियार, मैच में बने 454 रन

मुल्लांपुर: आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का अजेय क्रम जारी है। अपने घरेलू मैदान मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से बड़े अंतर से हराया। सीजन के इस 29वें मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए पंजाब ने 7 विकेट पर 254 रन बनाए। यह इस सीजन किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके साथ ही आईपीएल में लखनऊ के खिलाफ भी सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन ही बना पाई।

6 मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स की यह चौथी हार है। टीम लगातार तीसरा मैच हारी है। 4 पॉइंट के साथ वह टेबल में 8वें नंबर पर हैं। वहीं 6 मैचों में 11 पॉइंट्स के साथ पंजाब टॉप पर है। टीम ने 5 जीत हासिल की है जबकि एक मैच बारिश में धुल गया।

प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली का शो

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। प्रभसिमरन सिंह को मोहम्मद शमी ने बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कूपर कोनोली और प्रियांश आर्या ने मोर्चा संभाला और दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 182 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। प्रियांश ने 37 गेंदों का सामना करते हुए 93 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के लगाए।

वहीं, कोनोली ने 46 गेंदों का सामना करते हुए 87 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 189 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 8 चौके और 7 छक्के लगाए। कप्तान श्रेयस अय्यर (6) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। छठे विकेट के लिए मार्कस स्टोइनिस और शशांक ने मिलकर सिर्फ 17 गेंदों में 44 रनों की साझेदारी निभाई। शशांक 6 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, स्टोइनिस 16 गेंदों में 29 रन बनाए। प्रिंस यादव ने 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि एम सिद्धार्थ ने 35 रन देकर 2 विकेट निकाले।

लखनऊ ने नई ओपनिंग जोड़ी उतारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत शानदार रही। आयुष बडोनी और मिचेल मार्श ने मिलकर पहले विकेट के लिए 5.6 ओवर में 61 रन जोड़े। मार्श 28 गेंदों में 40 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बडोनी ने 21 गेंदों में 35 रन बनाए। कप्तान ऋषभ पंत अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने महज 23 गेंदों का सामना करते हुए 43 रनों की दमदार पारी खेली। पंत ने अपनी इस पारी में एक चौका और 4 छक्के लगाए।

निकोलस पूरन की खराब फॉर्म इस मुकाबले में भी जारी रही और वह 9 रन बनाकर आउट हुए। एडेन मार्करम और मुकेश चौधरी ने पांचवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर 33 गेंदों में 60 रनों की साझेदारी निभाई, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। मार्करम ने 22 गेंदों में 42 रन बनाए, तो मुकुल 17 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। मार्को जानसेन ने 37 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाक और चहल ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

केन्या के केफर लुंबासी ने जीती सातवीं चन्द्रशेखर हाफ मैराथन की ट्राफी

बलिया (उत्तर प्रदेश)

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृति में रविवार को आयोजित सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) की सवा लाख रुपये इनाम राशि की ट्राफी केन्या के धावक केफर लुम्बासी ने जीत ली। प्रयागराज के सचिन यादव द्वितीय और केन्या के केबिछी वाइजली ने तीसरा स्थान हासिल किया।

इस मैराथन में भाग लेने के लिए 730 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। सभी खिलाड़ी सुबह छह बजे स्टार्टिंग प्वाइंट पर पहुंचे। पटपर पचखोरा में मैराथन का फ्लैग आफ सांसद नीरज शेखर व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने किया। केन्या के धावकों ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। 240 नंबर जर्सी पहने केनिया के केफर लुंबासी ने 59 मिनट पांच सेकण्ड में अपनी दौड़ पूरी की। केनियायी धावक केफर लुंबासी ने पचखोरा में स्टार्टिंग प्वाइंट से लेकर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में फिनिश लाइन तक लगातार बढ़त बनाए रखी। हालांकि, प्रयागराज के सचिन यादव ने भी केनियायी धावक का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने शुरू से ही केफर को पछाड़ने के लिए पूरी ताकत झोंकी, मगर महज 32 सेकण्ड से पिछड़ कर द्वितीय स्थान हासिल किया।

230 नंबर की जर्सी पहने सचिन यादव ने अपनी दौड़ 59 मिनट 37 सेकण्ड में पूरी की। केन्या के ही केबिछी वाइजली ने तृतीय स्थान हासिल किया। केबिछी ने एक घंटे 53 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। 270 नंबर के धावक वाराणसी के अनिल पटेल ने चतुर्थ स्थान, 271 नंबर के धावक वाराणसी के जुगनू कुमार ने पांचवां स्थान, 269 नंबर के धावक वाराणसी के अभिषेक प्रजापति ने छठवां स्थान, 244 नंबर के केनिया के चेपके वांग ने सातवां स्थान, 153 नंबर के धावक बलिया के सोनू कुमार राजभर आठवां स्थान, 172 नंबर के धावक बलिया के नीतीश कुमार ने नौवां स्थान और 703 नंबर के धावक मध्य प्रदेश के मऊगंज के पंकज पटेल ने दसवां स्थान हासिल किया। पंकज पटेल ने अपनी दौड़ एक घंटे सात मिनट और पंद्रह सेकण्ड में पूरी की। फिनिशिंग लाइन तक पहुंचे वाराणसी के कुश कुमार ने एक घंटा 15 मिनट 23 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ी फिनिश लाइन तक पहुंच सके।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा: अश्विन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व आलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फार्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की।

भारतीय महिला हाकी टीम ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया, सीरीज में बराबरी

ब्यूनस आयर्स

भारतीय महिला हाकी टीम ने अर्जेंटीना दौरे पर शानदार जज्बा दिखाते हुए चार मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबलों में हार के बाद टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर दौरे का समापन सकारात्मक अंदाज में किया।

दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच से हुई, जिसमें भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उसे 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए नवनीत कौर और अनु ने गोल किए, जबकि अर्जेंटीना की ओर से मारिया एमिलिया लार्सेन, विक्टोरिया ग्रानाटो और जूलिएटा जांकुनास ने शानदार खेल दिखाया।

दूसरे मुकाबले में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी, हालांकि इशिका ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी। लेकिन अर्जेंटीना की अगुस्टिना गोरजेलानी ने दो गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया।

इसके बाद भारतीय टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में फिर से नवनीत कौर और नेहा ने पेनल्टी कार्नर पर गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सीरीज का अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को बेहद रोमांचक रहा, जो निर्धारित समय में 0-0 से ड्रा रहा। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। शूटआउट में भारत ने 3-2 से जीत हासिल कर सीरीज को बराबरी पर खत्म किया।

स्टैंड-इन कप्तान नवनीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि शुरुआती हार के बाद वापसी करना आसान नहीं था, लेकिन टीम ने दबाव में शानदार खेल दिखाया।

यह दौरा भारतीय टीम के लिए काफी अहम साबित हुआ, जिससे खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ अनुभव मिला। अब टीम स्वदेश लौटकर आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटेगी।

आईपीएल 2026: महंगा दांव लगाने के बावजूद फ्लाप रहे ये विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग हर साल दुनिया भर के क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच साबित होती है, जहाँ वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि मोटी कमाई भी करते हैं। मिनी आक्शन के दौरान टीमें विदेशी खिलाड़ियों पर बड़ा दांव खेलती हैं, क्योंकि वे मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, हर बार यह दांव सफल नहीं होता। आईपीएल 2026 में भी कुछ ऐसे विदेशी खिलाड़ी रहे हैं, जिन पर उनकी फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन वे मैदान पर अपनी कीमत के अनुरूप प्रदर्शन करने में बुरी तरह विफल साबित हुए। आइए देखते हैं आईपीएल 2026 में अब तक के सबसे फ्लाप विदेशी खिलाड़ियों की सूची।

इस सूची में सबसे ऊपर आस्ट्रेलिया के आलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीलामी में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था। यह रकम उनके आलराउंड प्रदर्शन, खासकर तेज गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी में उनकी क्षमता को देखते हुए खर्च की गई थी। हालांकि, ग्रीन का प्रभाव केकेआर के लिए लगभग नगण्य रहा है। वे न तो बल्ले से अपेक्षित रन बना पाए और न ही अपनी गेंदबाजी से विकेट निकाल पाए, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद उनसे मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे पूरी तरह से फ्लाप रहे हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को भारी निराशा हुई है।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार खिलाड़ी निकोलस पूरन हैं। वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था। पूरन अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बड़े शाट्स लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, खासकर डेथ ओवरों में। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। बार-बार बैटिंग आर्डर

में बदलाव और दबाव के चलते पूरन अब तक खेले गए 5 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना पाए हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करेंगे और तेजी से रन बटोरेंगे, लेकिन वे टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी आईपीएल 2026 में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग और लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। हालांकि, इस सीजन में उनकी हालत यह रही कि उन्हें सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने मात्र 14 रन बनाए। एक ऐसे खिलाड़ी पर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद अगर वह टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहा है या मौका मिलने पर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो यह फ्रेंचाइजी के लिए चिंता का विषय है। गुजरात टाइटंस के उप-कप्तान और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग-स्पिनरों में से एक राशिद खान भी इस सीजन में अपने नाम और प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गुजरात ने उन्हें 18 करोड़ रुपये की भारी रकम पर रिटेन किया था, क्योंकि वे गेंद और बल्ले दोनों से मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, इस सीजन में उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो वे चार मैचों में गेंदबाजी में सिर्फ 5 विकेट ही ले पाए हैं और बल्लेबाजी में उनके नाम सिर्फ 24 रन दर्ज हैं। राशिद के मानकों के हिसाब से यह प्रदर्शन काफी औसत है, और उनसे हमेशा उम्मीद की जाती है कि वे लगातार विकेट निकालेंगे और निचले क्रम में महत्वपूर्ण रन बनाएंगे, जिसमें वे इस सीजन में थोड़े पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स भी आईपीएल 2026 में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। स्टब्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 10 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था, ताकि वे टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकें और अंत के ओवरों में तेजी से रन बना सकें। लेकिन इस सीजन में स्टब्स अब तक 4 मैचों में सिर्फ 109 रन ही बना पाए हैं। एक फिनिशर के तौर पर उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर मैच में प्रभावशाली कैमियो खेलेंगे, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे हैं, जिससे दिल्ली की मध्यक्रम की बल्लेबाजी और मजबूत फिनिश की कमी महसूस की जा रही है।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और आटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डालर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डा. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंतत: 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह पाई। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में दिन भर बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार खुलने के बाद मजबूती दिखी, लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया और अंतत: 122.56 अंक की मामूली गिरावट के साथ 77,988.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,200 से नीचे आ गया। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों पर दबाव दिखा। सत्र के दौरान सेंसेक्स में 1,055 अंकों से अधिक का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जिसने बाजार की अनिश्चितता को उजागर किया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बाजार ने सुस्त शुरुआत की, लेकिन अंतत: हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजारों में नरमी और कच्चे तेल के भाव में स्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की। सेंसेक्स 504.86 अंक बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

टाटा पंच को टक्कर देगी हुंडई की नई विद्युत गाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में हुंडई एक नई छोटी विद्युत गाड़ी लान्च करने की तैयारी में है, जो ग्राहकों के लिए कीमत और सुविधाओं दोनों में बेहद आकर्षक साबित हो सकती है। यह नई कार डिजाइन तथा तकनीक के मामले में भी बड़े माडलों से मुकाबला करती नजर आएगी। हाल ही में परीक्षण के दौरान दिखी इस गाड़ी की झलकियां बताती हैं कि कंपनी इसे एक मजबूत और ऊंचे ढांचे वाले रूप में पेश करेगी, जिसमें आगे की तरफ आधुनिक प्रकाश पट्टियां और नीचे मुख्य रोशनी इकाई दी जाएगी। बाहरी स्वरूप की बात करें तो, इसमें भीतर समाहित दरवाजों के हैंडल, आकर्षक पैटर्न वाले धातु के पहिये, ऊपर मजबूत रेलिंग और पहियों के ऊपर उभरे हुए हिस्से देखे जा सकते हैं, जो इसे एक प्रभावशाली और उपयोगी लुक देते हैं। पीछे की तरफ जुड़ी हुई रोशनी पट्टी और छोटा स्पाइलर इसके आधुनिक डिजाइन को पूरा करते हैं। गाड़ी के अंदर भी प्रीमियम अनुभव देने पर जोर दिया गया है, जिसमें गोलाकार ढांचे में दो बड़े डिजिटल पर्दे, स्टीयरिंग के साथ जुड़ा गियर चयन का उन्नत तरीका और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जाएगा। सुरक्षा के लिए उन्नत चालक सहायता प्रणाली, चारों पहियों में डिस्क ब्रेक और 360 डिग्री कैमरा जैसी खूबियां भी अपेक्षित हैं। इस नई विद्युत गाड़ी में लगभग 40 किलोवाट क्षमता की बैटरी दी जा सकती है, जिससे यह एक बार चार्ज होने पर करीब 400 से 500 किलोमीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर सकेगी। इसमें एक विद्युत मोटर होगी जो आगे के पहियों को शक्ति देगी और 10 सेकंड से भी कम समय में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। बाजार में इसका मुकाबला टाटा पंच ईवी, टाटा नेक्सन ईवी और महिंद्रा की आने वाली विद्युत गाड़ियों से होगा। कीमत के मामले में यह क्रेटा से कम दाम में उपलब्ध हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में आलू किसानों को राहत, 6500 प्रति टन पर खरीदने की अनुमति

नई दिल्ली। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार ने 6,500.90 रुपये प्रति टन के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर आलू खरीदने की अनुमति दी है। इस योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी। इस पर सरकार लगभग 203 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अक्सर बाजार में अधिक उत्पादन के कारण आलू के भाव में गिरावट आ जाती है किसानों को भारी नुकसान होता है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों को मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने से बचाएगा। इससे उनकी आय में स्थिरता आएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वहीं सरकार ने एक और आंध्र प्रदेश में चना खरीद की सीमा बढ़ा दी है, पहले जहां 94,500 टन चना खरीदा जाना था, अब इसे बढ़ाकर 1.13 लाख टन कर दिया गया है। कर्नाटक में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत अरहर (तुअर) की खरीद की समय सीमा को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। इससे किसानों को अपनी फसल एमएसपी पर बेचने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। यह कदम उन किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जो समय की कमी के कारण अपनी उपज सही दाम पर नहीं बेच पाते थे। इन सभी फैसलों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंजूरी दी गई।

कैट को अक्षय तृतीया पर 20 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, रिकार्ड कीमतों के बीच मजबूत मांग और खरीद के तरीके में हो रहा बदलाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच सोना-चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी के बावजूद कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को कहा कि कभी न घटने वाली समृद्धि का प्रतीक मानी जाने वाली अक्षय तृतीया के अवसर पर देशभर में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान है। कैट ने कहा कि अकेले दिल्ली में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होगा।

चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने जारी बयान में कहा कि अक्षय तृतीया पारंपरिक रूप से सोना खरीदने के लिए देश के सबसे शुभ अवसरों में से एक रही है। खंडेलवाल ने बताया कि ऐसी मान्यता है इस दिन को किया गया निवेश स्थायी समृद्धि लेकर आता है। उन्होंने कहा, हालांकि सोना अभी भी खरीद का केंद्र बना हुआ है, लेकिन तेजी से बढ़ती कीमतों के चलते खरीद के स्वरूप में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।

कैट महामंत्री ने कहा कि इस वर्ष सोने की कीमतें पिछले वर्ष के लगभग 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1.58 लाख रुपये तक पहुँच गई हैं, जबकि चांदी 85 हजार रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2.55 लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कीमतों में इस तीव्र वृद्धि ने उपभोक्ता के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। हालांकि, ऊंची कीमतों के बावजूद मांग कमजोर नहीं हुई है, बल्कि खरीदारी अब अधिक सोच-समझकर और मूल्य-आधारित हो रही है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि देशभर के ज्वैलर्स ने बदलते रुझानों के अनुसार अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है। हल्के वजन के आभूषण, रोज़मर्रा में पहने जाने वाले डिज़ाइन, तथा चांदी और हीरे के उत्पादों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही मेकिंग चार्ज में छूट और छोटे गोल्ड क्वाइन जैसे आकर्षक आफर्स से ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कुल व्यापार का मूल्य बढ़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर वास्तविक मात्रा में गिरावट एक अलग ही तस्वीर पेश कर रही है।

कैट के सहयोगी संगठन आल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 16 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित सोने के व्यापार का अर्थ वर्तमान कीमतों पर लगभग 10 हजार किलो (10 टन) सोने की बिक्री है। उन्होंने कहा कि यदि इसे देशभर के अनुमानित 2 से 4 लाख ज्वैलर्स में बांटा जाए, तो प्रति ज्वैलर्स औसतन केवल 25 से 50 ग्राम सोने की बिक्री होती है, जो मात्रा में स्पष्ट गिरावट को दर्शाता है।

पंकज अरोड़ा ने बताया कि इसी प्रकार 4 हजार करोड़ रुपये के चांदी के व्यापार का अर्थ लगभग करीब 157 टन चांदी की बिक्री है, जिससे प्रति ज्वैलर औसतन केवल 400 से 800 ग्राम चांदी की बिक्री होती है। अरोड़ा ने कहा, ये आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कीमतों में वृद्धि के कारण व्यापार का मूल्य तो बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक खपत घट रही है। यही वजह है कि इस वर्ष बाजार में हल्के आभूषण और छोटे सिक्कों की मांग अधिक है। उन्होंने कहा कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ज्वैलर्स के लिए स्टाक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गया है। अरोड़ा ने बताया कि इसके बावजूद त्योहार की सकारात्मक भावना के चलते बाजारों में अच्छी ग्राहकी देखी जा रही है। उपभोक्ता अब पारंपरिक आस्था के साथ-साथ आर्थिक समझदारी को ध्यान में रखते हुए सीमित और विवेकपूर्ण निवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही डिजिटल गोल्ड, सावरेन गोल्ड बान्ड (एसजीबी) और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है, जो अधिक तरलता, सुरक्षा और लचीलापन प्रदान करते हैं। कैट और एआईजेजीएफ ने सभी ज्वैलर्स से अपील की है कि वे अनिवार्य हालमार्किंग (एचयूआईडी) का सख्ती से पालन करें, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो और उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत हो। ग्राहकों को भी खरीदारी के दौरान शुद्धता और प्रमाणिकता के प्रति सजग रहने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीया यानी आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है।

भारी वाहनों के लिए डीजल इंजन ज्यादा उपयुक्तः एक्सपर्ट

नई दिल्ली

नई कार खरीदते समय अक्सर दिमाग में आता है कि पेट्रोल इंजन वाली गाड़ी खरीदें या डीजल इंजन वाली व्हीकल एक्सपर्ट की माने तो पेट्रोल इंजन आमतौर पर हाई आरपीएम पर ज्यादा पावर जनरेट करते हैं, जिससे गाड़ी तेजी से स्पीड पकड़ती है और उसका एक्सेलरेशन बेहतर होता है। यह शहर की ड्राइविंग और स्पोर्टी अनुभव के लिए आदर्श है। वहीं, डीजल इंजन लो आरपीएम पर भारी टार्क पैदा करते हैं, जो भारी लोड खींचने, पहाड़ियों पर चढ़ने या हाईवे पर ओवरटेकिंग के लिए मजबूत पकड़ प्रदान करता है।

तकनीकी रूप से, डीजल इंजन में पेट्रोल इंजन की तुलना में उच्च कम्प्रेशन रेशियो (16:1 से 22:1 बनाम 6:1 से 12:1) होता है, और डीजल ईंधन की एनर्जी डेंसिटी भी अधिक होती है, जिससे प्रति स्ट्रोक अधिक बल मिलता है। यही कारण है कि डीजल इंजन 1500-3000 आरपीएम पर ही भारी टार्क देते हैं, जो एसयूवी और भारी वाहनों के लिए उपयुक्त है। पावर (हार्सपावर) के मामले में पेट्रोल इंजन अक्सर आगे रहते हैं क्योंकि वे उच्च आरपीएम (5000-7000) तक आसानी से घूम सकते हैं। पेट्रोल जल्दी जलता है और इंजन के पुर्जे हल्के होते हैं, जिससे तेज रफ्तार और क्विक एक्सेलरेशन मिलता है। वहीं, डीजल इंजन कम आरपीएम (अधिकतम 4000-5000) पर काम करते हैं, इसलिए भले ही उनका टार्क ज्यादा हो, कुल हार्सपावर कम रह जाती है। तो किसे खरीदना बेहतर है यह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है। शहर में रोजाना ड्राइविंग, कम दूरी की यात्राओं और स्मूथ व शांत अनुभव के लिए पेट्रोल इंजन बेहतर है। इसकी सर्विस और रखरखाव भी आमतौर पर सस्ता होता है। दूसरी ओर, यदि आपकी ड्राइविंग में लंबी हाईवे यात्राएं, भारी लोड उठाना या फैमिली एसयूवी का उपयोग शामिल है, तो डीजल इंजन का बेहतर माइलेज और दमदार टार्क फायदेमंद साबित होगा। हालाँकि, डीजल इंजन का रखरखाव कुछ महंगा हो सकता है। आधुनिक टर्बोचार्ज्ड इंजन ने पेट्रोल और डीजल के बीच के इस अंतर को कम किया है, लेकिन बुनियादी फर्क अभी भी बरकरार है। संक्षेप में, अगर पावर का मतलब तेज एक्सेलरेशन और हाई-स्पीड परफार्मेंस है, तो पेट्रोल इंजन बेहतर है।

आईसीआईसीआई बैंक के मुनाफे में 8.5 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने 18 अप्रैल को वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए। देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक ने इस दौरान मजबूत प्रदर्शन दिखाया। स्टैंडअलोन आधार पर बैंक का मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 8.5 प्रतिशत बढ़कर 13,701.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 12,629.58 करोड़ रुपये था, यानी इस बार अच्छी बढ़त देखने को मिली है। बैंक के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। हालांकि, डिविडेंड की घोषणा और उसका भुगतान जरूरी मंजूरियों के बाद ही किया जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक की एसेट क्वालिटी इस तिमाही में मजबूत बनी रही। मार्च 2026 के अंत तक बैंक का ग्रास एनपीए रेशियो 1.40 प्रतिशत रहा, जो दिसंबर 2025 के 1.53 प्रतिशत और मार्च 2025 के 1.67 प्रतिशत के मुकाबले बेहतर है। वहीं नेट एनपीए रेशियो भी घटकर 0.33 प्रतिशत पर आ गया, जबकि पिछले साल मार्च में यह 0.39 प्रतिशत था। इस तिमाही में बैंक के नए ग्रास एनपीए (यानी नए फंसे हुए लोन) 4,242 करोड़ रुपये रहे, जो सालाना आधार पर कम हैं। बैंक ने 1,768 करोड़ रुपये के ग्रास एनपीए को लिख-आफ भी किया। नान-परफार्मिंग लोन पर प्रोविजनिंग कवरेज रेशियो 75.8 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक ने फंड-बेस्ड आउटस्टैंडिंग पर 22,710 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान रखा है, जो कुल लोन का 1.5 प्रतिशत है। आईसीआईसीआई बैंक की कैपिटल पोजीशन भी मजबूत बनी हुई है। मार्च 2026 के अंत तक बैंक का कुल कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 17.18 प्रतिशत और सीईटी-1 रेशियो 16.35 प्रतिशत रहा।

टोयोटा की चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट आफर

नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2025-26 की शानदार शुरुआत करते हुए टोयोटा ने अपनी चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट आफर किया है। छूट के साथ उपलब्ध गाड़ियों की लिस्ट में शामिल टोयोटा अर्बन क्रूज़र हाईराइडर पर ग्राहक रुपए 1.10 लाख तक की बचत कर सकते हैं। हाईराइडर का एक्सटीरियर बोल्ड और प्रीमियम है।

इसमें आक्रामक स्प्लिट हेडलैंप्स, क्रोम ग्रिल और एलईडी डीआरएल इसे एक आकर्षक लुक देते हैं। यह हाइब्रिड एसयूवी अपनी 27.97 किमी प्रति लीटर तक की एआरएआई क्लेम्ड माइलेज, उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और प्रीमियम कम्फर्ट के लिए जानी जाती है। साइड प्रोफाइल में रूफ रेल्स और 17 इंच के मशीन्ड अलाय व्हील्स इसकी एसयूवी पहचान को मजबूत करते हैं। 210 मिमी का ग्राउंड क्लियरेंस इसे शहरी और हाईवे दोनों तरह की सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है। केबिन के अंदर डुअल-टोन डैशबोर्ड, 9 इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पैनोरमिक सनरूफ प्रीमियम फील देते हैं। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट और एंबिएंट लाइटिंग लंबी यात्राओं को आरामदायक बनाती हैं। पीछे की सीटें रिक्लाइनिंग हैं, जिससे यात्रियों को पर्याप्त जगह मिलती है, हालाँकि सनरूफ के कारण हेडरूम थोड़ा प्रभावित हो सकता है। 373 लीटर का बूट स्पेस भी पर्याप्त है। फीचर्स के मामले में हाईराइडर में वायरलेस एंड्राइड आटो/एपल कारप्ले, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और कनेक्टेड कार टेक जैसे आधुनिक उपकरण हैं। हाईराइडर दो इंजन विकल्पों में उपलब्ध है: एक 1.5 लीटर टीएनजीए स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन जो 116 बीएचपी की संयुक्त पावर देता है, और दूसरा 1.5 लीटर के-सीरीज़ माइल्ड हाइब्रिड इंजन जो 103 बीएचपी की पावर प्रदान करता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत मात्र रुपए 10.99 लाख से शुरू होती है। सुरक्षा के लिए, सभी वेरिएंट में 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें एबीएस के साथ ईबीडी, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट माउंट भी हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ईरान का...

हम एक बहुत ही उचित और न्यायसंगत समझौता पेश कर रहे हैं, और उम्मीद है कि वे इसे स्वीकार करेंगे। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो ईरान के हर एक पावर प्लांट और हर एक पुल को अमेरिका तबाह कर देगा। अब और नरमी नहीं! अगर उन्होंने समझौता नहीं किया, तो जो करना जरूरी है, उसे करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। यह काम पिछले 47 वर्षों में अन्य राष्ट्रपतियों को करना चाहिए था। अब वक्त आ गया है कि ईरान की किलिंग मशीन को खत्म किया जाए!

चीन में...

उन्हें विवाहित श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

दरअसल, एफएक्यू सेक्शन में पूछे गए प्रश्नक्या लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े को विवाहित माना जाएगा?के जवाब में यह स्पष्टीकरण दिया गया है। यह बदलाव सामाजिक संरचना में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

पटाखा फैक्टरी...

मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

श्री मोदी ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि तमिलनाडु के विरुधुनगर ज़िले में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने एक्स पर कहा, मैं उन लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जो अपने प्रियजनों को खोने के दुख से गुज़र रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि घायल लोग शीघ्र स्वस्थ हों।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, विपक्षी दल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी, उनकी सहयोगी पार्टी पीएमके के नेता और राज्यसभा सांसद अंबुमणि रामदास, तथा तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगाई ने भी विस्फोट में श्रमिकों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य डॉ. अंबुमणि रामदास ने इस धमाके का कारण एक तंग कमरे में अत्यधिक भीड़ होना बताया। उन्होंने कहा कि कई और लोग भी गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

श्री रामदास ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह विधानसभा चुनावों के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर चुनाव आयोग की मंजूरी लेकर मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपये और घायलों को पांच लाख रुपये का मुआवजा दे।

बंगाल के ...

राज्य सरकार की आलोचना करते हुए श्री मोदी ने आरोप लगाया, 15 साल के भ्रष्टाचार ने पश्चिम बंगाल के हर परिवार को परेशान किया है। तृणमूल के जंगलराज में आदिवासी जिले पिछड़ रहे हैं। सड़क, पानी, स्कूलसब कुछ खस्ताहाल है। यहां तक कि आदिवासियों की जमीन पर भी उनका नियंत्रण नहीं है, क्योंकि सिंडिकेट ही सब कुछ चला रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार अवैध खनन, सिंडिकेट नियंत्रण और भ्रष्टाचार को समाप्त कर देगी। उन्होंने कहा, भाजपा इस लूट को रोकेगी और आपके घरों तक पानी पहुंचेगा। हम इस सिंडिकेट सिस्टम को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री ने तृणमूल पर सुरक्षा को कुचलने का आरोप लगाया और राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अपराध की घटनाओं का उल्लेख किया। चुनावी बदलाव का आह्वान करते हुए उन्होंने मतदाताओं से हर बूथ पर तृणमूल को हराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आपने यहां से भाजपा सांसदों को चुना है। अब भाजपा विधायकों को चुनना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आपने मुझे प्रधानमंत्री बनाया है। अब यहां भाजपा का मुख्यमंत्री भी बनाइए।''

डबल इंजन सरकार का दावा और कल्याणकारी वादे

चुनावी नतीजों पर भरोसा जताते हुए श्री मोदी ने आगे कहा, अपने राजनीतिक अनुभव से मैं कह सकता हूं कि चार मई के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। अगर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों भाजपा के होंगे, तो पुरुलिया का विकास दोगुनी रफ्तार से होगासीएम, पीएम एक साथ, उन्नति होबे दिने राते (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री एक साथ होंगे, तो दिन-रात उन्नति होगी)।

कल्याणकारी वादों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने रेखांकित किया कि भाजपा के घोषणापत्र के तहत महिलाओं को सालाना 36,000 रुपये, गर्भावस्था के दौरान 21,000 रुपये की सहायता और शिक्षा के लिए 50,000 रुपये मिलेंगे, साथ ही 75 लाख महिलाओं के लिए उच्च आय सुनिश्चित करने के प्रयास किये जायेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारी भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 20 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अवैध केंद्रीय समिति सभा में अवैध घोषणाएँ

मात्र 15 सदस्यों ने ही भाग लिया : केशान

हैदराबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

निष्कासित अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने शनिवार को समाज को भ्रमित करते हुए अवैध रूप से केंद्रीय समिति सदस्यों की सभा बुलायी । चूँकि यह सभा अवैध थी, इसलिए कई शाखाओं के केंद्रीय सदस्यों ने इसमें भाग नहीं लिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार सभा में केवल 15 केंद्रीय समिति सदस्य ही उपस्थित थे ।

ज्ञातव्य है अनिरुद्ध गुप्ता को उन्हीं की शाखा ने केंद्रीय सदस्य के पद से निष्कासित कर दिया था और साधारण वार्षिक सभा ने भी अविश्वास प्रस्ताव पारित कर उन्हें अध्यक्ष पद से निष्कासित कर दिया गया था । वार्षिक साधारण सभा ने नरेन्द्र गोयल को अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा दिए गए कार्यकारी अध्यक्ष के पद को अवैध करार दिया था । दुर्भाग्य की बात है अवैध रूप से बल प्रयोग कर समाज कार्यालय में क़ब्ज़ा कर अनिरुद्ध गुप्ता तानाशाही कर रहें है। टीम एके (अग्रवाल कार्यकर्त्ता) ने विगत चार वर्षों में समाज में नए आयाम स्थापित किये है और अनिरुद्ध गुप्ता गुंडागर्दी का माहौल बनाकर समाज को बर्बाद कर रहे है और मंच से संतों जैसी बातें कर रहें है।

मैं इस्तीफ़ा नहीं दूँगा, नरेन्द्र गोयल कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे

यह तानाशाही फ़रमान अनिरुद्ध गुप्ता ने मंच से दिया जबकि वार्षिक साधारण सभा के बाद वे अध्यक्ष है ही नहीं ,उन्हें उनकी स्वंय की शाखा ने केंद्रीय सदस्यता से निकाल दिया ।

शाखाओं को समाप्त करने की योजना

कालखंड में जिस प्रकार अग्रबंधुओं की संस्थाएँ एक योजनाबद्ध तरीक़े से बर्बाद कर दी गई, उसी प्रकार अनिरुद्ध गुप्ता और नरेन्द्र गोयल अग्रवाल समाज तेलंगाना को बर्बाद करना चाहते हैं। सभी सदस्यों को मताधिकार देने की घोषणा करने का अर्थ यह है कि शाखाओं के वर्चस्व को समाप्त करना । समाज के मूलभूत ढाँचें से खिलवाड़ कर अनिरुद्ध गुप्ता मनमानी घोषणाएं कर रहे हैं। इससे पूर्व भी उन्होंने ख़ुद के निजी स्वार्थ के लिए सदस्यता अभियान के चक्कर में सदस्यता शुल्क कम किया था, लेकिन वे 2000 नये सदस्य भी नहीं बना पाए, बल्कि उल्टे उन्होंने युवा शाखाओं को निलंबन में डाल दिया । सभी सदस्यों को मताधिकार का अर्थ केंद्रीय समिति सदस्य पद को समाप्त करना हैं। चूँकि वे अब केंद्रीय सदस्य नहीं और संविधान के अनुसार अन्य शाखा से वे अब केंद्रीय सदस्य नहीं बन सकते, उन्होंने यह तानाशाही के लिए नया मार्ग चुना ।

सभा में कुछ चुनाव में पराजित ,स्वार्थी बंधुगण ने कहा ऐसा अध्यक्ष सौभाग्य से मिलता है, हाँ स्वार्थी लोगों के लिए सौभाग्य ही है, क्योंकि समाज ने तो उन्हें उनका असली चहरा दिखा दिया । जबसे अनिरुद्ध गुप्ता समाज में आयें है केवल लड़ाई,झगड़ा,तानाशाही ,मारपीट,गुंडा गर्दी चल रही है।

समाज सब देखता है

अग्रवाल समाज तेलगाना के सदस्य सजग हैं, वे सब देख रहें है कि किस प्रकार गत वर्षों में समाज की प्रतिष्ठा में चार चांद लगे थे और पिछले 10 माह में विक्टिम कार्ड का सहारा लेकर समाज को बर्बाद कर दिया गया है। सारी योजनाएं ठप हो गई है। अनिरुद्ध गुप्ता अन्य पदाधिकारियों का साथ ना मिलने का अलाप रटते रहते है, जबकि वे ख़ुद केवल फरमान जारी करते है और झूठ का पुलिंदा मंचों से परोसतें है।

मानद सचिव श्री विकास केशान उपरोक्त जानकारी देते हुए समाज बंधुगणों से निवेदन किया है कि वे अपने विवेक से समाज विरोधी इन गतिविधियों को समझें ।समाज को बर्बाद होने से बचाने का प्रयास करें । आपके द्वारा चुनाव में अस्वीकृत लोगों के झुंड ने समाज कार्यालय पर बल प्रयोग कर क़ब्ज़ा कर लिया है। समाज के संविधान को ताक पर रख कर मनमाना कार्य कर रहें है।

समाज का ढाँचा लोकतांत्रिक है

अग्रवाल समाज तेलंगाना का स्वरूप लोकतांत्रिक है, यहाँ सदस्य ही सर्वेसर्वा है और शाखायें इस समाज की आत्मा है, यदि शाखायें ही समाप्त कर दी जाएगी तो समाज का क्या होगा ? एक सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत पहले सदस्य संख्या में वृद्धि करने की बात की गई फिर सभी सदस्यों को मताधिकार देने की घोषणा की गई है।

आप बंधुगण निर्णय लें कौन समाज पर क़ब्ज़ा करना चाहता है?

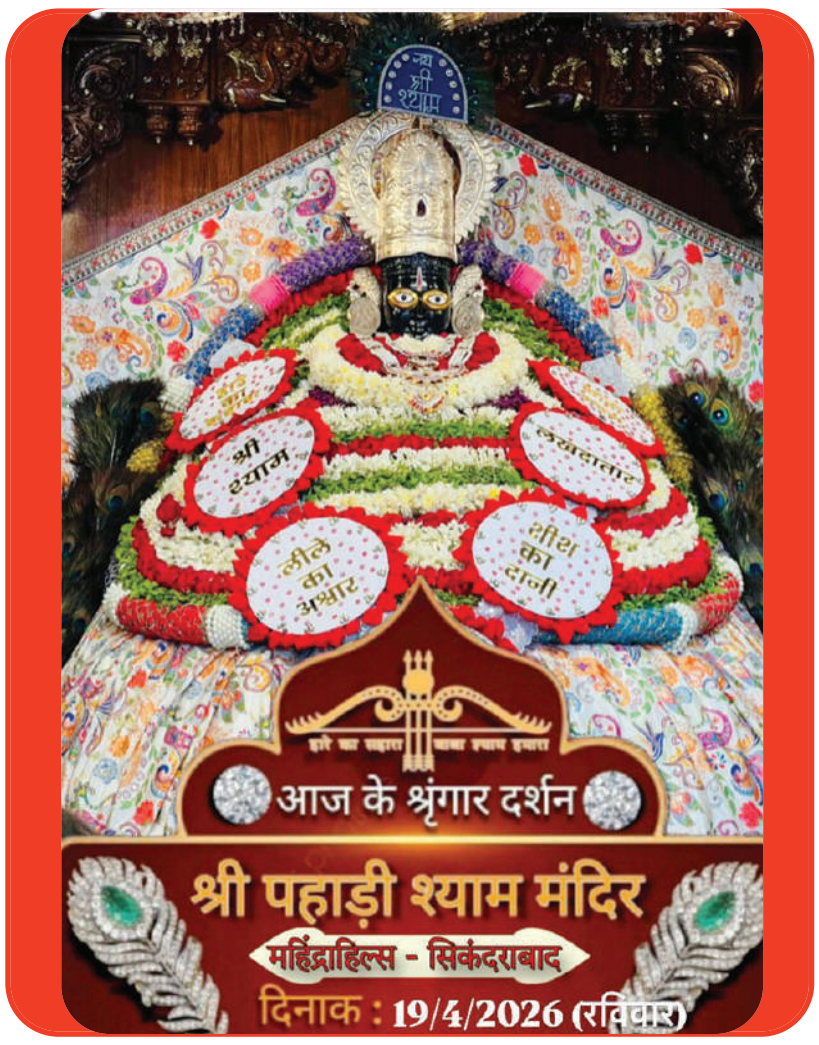

भेदभाव रहित सेवा का संदेश दे रहा राधे-राधे ग्रुप: राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया, जिससे मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण देखने को मिला।

इस अवसर पर राजकुमारी अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी का यह परम सौभाग्य है कि हमें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा भाव से ओत-प्रोत संगठन से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह समूह बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के लोगों की सेवा करता है और सभी के प्रति समान भाव रखता है। यही भावना इस संगठन को विशेष बनाती है।

उन्होंने आगे कहा कि अन्नदान केवल भूख मिटाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा माध्यम है, जिससे हम मानवता की सच्ची सेवा कर सकते हैं। जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और मुस्कान देखना ही इस सेवा का सबसे बड़ा प्रतिफल है। राधे-राधे ग्रुप निरंतर ऐसे कार्यों के माध्यम से समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है।

अग्रवाल समाज बहादुरपुरा शाखा का निःशुल्क सदस्यता अभियान सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की बहादुरपुरा शाखा द्वारा निःशुल्क सदस्यता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल टीम से सभी जोनों के प्रमुख श्री सुरेश जी टंडन विशेष रूप से शाखा में पधारे।उन्होंने अपने प्रेरणादायक शब्दों से शाखा के सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उनके संबोधन से उपस्थित सदस्यों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। शाखा के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्री सुरेश जी टंडन का हार्दिक स्वागत किया। उनके आगमन से पूरे कार्यक्रम में नया जोश और सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान समाज को मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को समाज सेवा से जोड़ने पर बल दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने सदस्यता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।अग्रवाल समाज बहादुरपुरा शाखा ने सुरेश जी टंडन की गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके मार्गदर्शन से शाखा की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

अग्रवाल समाज सनराइज वैली शाखा की साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज सनराइज वैली शाखा की साधारण सभा विला नंबर 127, आनंद भाई (के.एस) के निवास पर संपन्न हुई।

सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 9 अगस्त को श्री सेलम (मल्लिकार्जुन सागर) में सावन सैर का आयोजन किया जाएगा तथा 10 अगस्त को वापसी होगी। शाखा अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि अग्रवाल समाज सनराइज वैली शाखा की वार्षिक सभा भी श्री सेलम में ही आयोजित की जाएगी।

मानद मंत्री सज्जन कुमार गुप्ता ने जानकारी दी कि शाखा द्वारा पिछले 42 महीनों से संचालित अन्नप्रसाद कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। वहीं, उपाध्यक्ष ललित कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को आयोजित होने वाला गौसेवा कार्यक्रम भी पूर्व की भांति सुचारू रूप से चलता रहेगा।

कोषाध्यक्ष द्वारका प्रसाद अग्रवाल ने सभा के दौरान वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय समिति सदस्य आनंद अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जिसके साथ सभा का समापन हुआ। सभा में अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सज्जन कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष द्वारका प्रसाद अग्रवाल, उपाध्यक्ष ललित कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य आनंद अग्रवाल, कार्यक्रम सदस्य सुमित गोयल, आमंत्रित सदस्य योगेश जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हर जरूरतमंद तक सेवा पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन एवं सहयोग प्रदान कर सेवा भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि हर जरूरतमंद तक सेवा पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य इसी संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहा है, जिससे संगठन दिन-प्रतिदिन और अधिक मजबूत बनता जा रहा है। सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना ही इस समूह की सबसे बड़ी पहचान है।

उन्होंने आगे कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति संतुष्ट नहीं होता, तब तक सेवा का यह क्रम निरंतर चलता रहना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप इसी उद्देश्य को लेकर नियमित रूप से सेवा कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारडा, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, गौरव गोयल, राजेश नथानी, अनिता नथानी एवं शिव भगवान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा 40 राशन किट वितरित, जरूरतमंद परिवारों को मिली राहत

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति अप्रैल माह में 40 राशन किट वितरित किए गए। संस्था पिछले 11 महीनों से लगातार जरूरतमंद परिवारों को राशन किट उपलब्ध करा रही है।

संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह वितरण हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में किया गया। राशन किट के साथ परिवार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पानी की बाल्टी एवं मग भी वितरित किए गए।

इस सेवा कार्य के प्रायोजकों में मंगत राय जी, राम कुमार जी परिवार, श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदार नाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) तथा पुरुषोत्तम दास जी, सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन) शामिल रहे।

संस्था द्वारा पिछले 11 महीनों से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों में नियमित रूप से राशन किट वितरित किए जा रहे हैं।

संस्था द्वारा समय-समय पर मौसम और जरूरत के अनुसार सामग्री भी वितरित की जाती रही है। सर्दी के मौसम में नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल, दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में संक्रांति पर्व को ध्यान में रखते हुए साड़ियां, फरवरी में चटाइयां, प्लास्टिक की चौकी तथा पानी की बोतलें वितरित की गई थीं।

उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में प्रायोजक राधेश्याम जी गुप्ता, श्री सुरेश कुमार टंडन, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, अशोक दादरीवाला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वहीं, कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार ने सेवा प्रदान की।

संस्था ने जानकारी दी कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है और जो 10 हजार रुपये से कम किराए के मकान में रहते हैं, वे अपना आधार कार्ड और फोटो मोबाइल नंबर 9396222880 पर भेजकर राशन किट के लिए आवेदन कर सकते हैं। संस्था द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जाएगी।

अहिंसा के मार्ग से ही समाज में शांति: पगुडाकुला बालस्वामी

जैन सिद्धांतों से विश्व को सुख-शांति का संदेश

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू परिषद के राज्य धर्माचार्य प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने कहा कि विश्व को शांति का मार्ग अत्यंत आवश्यक है और जैन सिद्धांत मानवता को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अहिंसा का मार्ग ही समाज के लिए स्थायी समाधान है।अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अहिंसा स्तम्भ की स्थापना के लिए भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय जैन महिला परिषद की अध्यक्ष शिल्पा जैन एवं जैन समाज के प्रमुख सदस्य संदर्भ सिंघई सहित महिला परिषद और समाज के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बालस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।अपने संबोधन में बालस्वामी ने सभी से हिंसा का त्याग कर अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सौहार्द स्थापित करने में जैन दर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ आगे आकर मानवीय मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए।

शेरलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के ऑफिसपेट स्थित वैशाली नगर चौराहे पर अहिंसा स्तम्भ के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। आयोजकों के अनुसार लगभग 20 फीट ऊंचा यह स्तम्भ राजस्थान से चुने गए संगमरमर से विशेष रूप से तैयार किया जाएगा। दक्षिण भारत में किसी चौराहे पर इस प्रकार का अहिंसा स्तम्भ स्थापित किया जाना पहली बार है, जिससे इसका विशेष महत्व है।

कार्यक्रम में जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में अपने परिवारों के साथ शामिल हुए और श्रद्धा-भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की।

गो सम्मान आह्वान अभियान: 27 अप्रैल को देशभर में ज्ञापन देने की तैयारी

दिल्ली में जोरदार प्रचार अभियान

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी 27 अप्रैल को देशभर में आयोजित गो सम्मान आह्वान अभियान का दिल्ली में लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ओर से जोरदार प्रचार-प्रसार किया गया। आज यहाँ लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि देश की राजधानी में गुरुवार, दिनांक 16 अप्रैल 2026 को जोरदार प्रचार-प्रसार किया गया। फाउंडेशन की ओर से चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, परामर्शदाता साध्वी कपिला देवीजी, सदस्य विजय सुराणा व परमेश्वरी शर्मा ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी तथा पूर्व केंद्रीय पशुपालन मंत्री परशोत्तमभाई रूपाला, देश के प्रसिद्ध डायमंड किंग एवं राज्यसभा सांसद गोविंदभाई ढोलकिया से उनके आवास पर तथा तेलंगाना राज्य के पूर्व मंत्री सी. मल्ला रेड्डी आदि से शिष्टाचार भेंट कर गौमाता को राष्ट्र माता का पद घोषित हो एवं गोवंश की रक्षा हो, देश में गोहत्या बंद हो इस संकल्प के साथ आगामी 27 अप्रैल 2026 को आयोजित गो सम्मान आह्वान अभियान की जानकारी दी।

शुक्रवार, दिनांक 17 अप्रैल को हरियाणा के कुरुक्षेत्र, करनाल आदि क्षेत्रों में भी प्रचार-प्रसार किया गया, जिसके अंतर्गत करनाल में आयोजित भागवत कथा में विख्यात भागवत कथाकार पूज्य रोहित महाराज से भेंट कर उनसे भी अभियान में सहयोग करने का निवेदन किया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए अपनी सभी कथाओं में इस अभियान का प्रचार-प्रसार करने का विश्वास दिलाया।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

अभियान की जानकारी देते हुए जसमत पटेल ने कहा कि गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता / राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना एवं एकीकृत केंद्रीय कानून निर्माण हेतु सोमवार, दिनांक 27 अप्रैल 2026 को संपूर्ण भारत वर्ष के मंडलों में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, अपितु यह गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है।

जसमत पटेल ने विशेषकर बीजेपी नेताओं से कहा कि माननीय मोदी जी के नेतृत्व में ऐसे ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुए हैं, जो पूर्ववर्ती सरकार 65 वर्ष में भी नहीं कर सकीं। ये कार्य मोदी जी की अटूट देशभक्ति, लौह इच्छाशक्ति एवं अद्भुत कार्यदक्षता के कारण ही संभव हो सके हैं। प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे साहसिक निर्णयों के बाद, हम समस्त सनातनी आपके सांस्कृतिक पुनरुत्थान के संकल्प के प्रति नतमस्तक हैं। आपके पंचप्राण के संकल्प में अपनी विरासत पर गर्व एक मुख्य स्तंभ है। भारतीय देशी गोवंश हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। जब तक गोमाता असुरक्षित है, तब तक हमारी सांस्कृतिक पूर्णता अधूरी है। जिस प्रकार आपने भारत की आध्यात्मिक आभा को पुनर्जीवित किया है, उसी प्रकार गोमाता को केंद्रीय कानून के माध्यम से सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान देकर आप ही भारत के इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान के महायज्ञ की पूर्णाहुति कर सकते हैं।

आपसे देश के समस्त सनातनी गो भक्तों, कार्यकर्ताओं, जागरूक नागरिकों एवं संत समाज की ओर से विनम्र निवेदन है कि वर्तमान में भारतीय गोवंश की स्थिति अत्यंत पीड़ादायक है। सीमाओं पर होने वाली तस्करी, निर्मम वध और सड़कों पर गोमाता की दुर्दशा देखकर प्रत्येक सनातनी भारतीय का हृदय विदीर्ण है। आपकी कार्यशैली सदैव निर्णायक और परिणामोन्मुखी रही है, इसलिए आज संपूर्ण राष्ट्र बड़ी आशा के साथ आपकी ओर निहार रहा है। देश को पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में गोवंश को वह संवैधानिक सम्मान, अचूक सुरक्षा और विधिवत सेवा प्राप्त होगी, जिसका संकल्प प्रत्येक भारतीय के मन में है।

उन्होंने आगे कहा कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी भी है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूर्णतः साकार होगा, जब हमारा अन्नदाता किसान रासायनिक खाद के विषैले चक्र से मुक्त होकर गो-आधारित प्राकृतिक कृषि को अपनाएगा। यह न केवल मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित करेगा, बल्कि हर भारतीय को सात्विक आहार प्रदान कर एक स्वस्थ और निरोग भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। आपके सशक्त नेतृत्व में गोवंश को मिलने वाला संरक्षण देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

780 जिलों में होगा व्यापक आयोजन

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि देशभर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत 27 अप्रैल को 5 हजार मंडल कार्यालयों में ज्ञापन दिया जाएगा। गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत देश में लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्थल पर 3 संत और 3 गौप्रेमी कार्यकर्ता जुड़ेंगे, जो जिले के अन्य गौ प्रेमी संतों और गौरक्षकों को जोड़ेंगे। यह अभियान किसी संस्था या संगठन के बैनर तले आयोजित नहीं होगा, बल्कि इसके प्रधान संरक्षक वेदलक्षणा गोमाता एवं अध्यक्ष नंदी बाबा (वृषभ) गौमाता और नंदी बाबा को समर्पित होगा। यह भी कहा गया है कि अभियान में किसी संत, महंत, नेता, अभिनेता, कार्यकर्ता की फोटो, पोस्टर, बैनर या होर्डिंग नहीं लगाई जाएगी।

देशी गाय के दूध के फायदे और गोरक्षा का आह्वान

अवसर पर सांसद गोविंदभाई ढोलकिया ने कहा कि अभियान के साथ-साथ स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों में देशी गाय के दूध से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी जाए। देशी गाय के दूध में विटामिन ए होता है जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि हर रोज देशी गाय का दूध सेवन करने से तमाम प्रकार के रोग ठीक होते हैं। देशी गाय के दूध से बुढ़ापा दूर होता है। देशी गाय का दूध मानसिक रोग, संग्रहणी, दिल के रोग, शूल, योनि रोग, पेट के रोग आदि के लिए लाभदायक है। दवाओं, प्रदूषण, खादों, खानपान आदि के कारण शरीर में जो विष पैदा हो जाता है, उसे देशी गाय का दूध नष्ट करता है। देशी गाय का दूध दिमाग के लिए लाभदायक है। देशी गाय के दूध में गुड को-लेस्ट्रोल होता है जो बैड कोलेस्ट्रोल को घटाता है। इस विषय के प्रचार से विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि समस्त परिवारजनों में गोमाता के प्रति लोगों में श्रद्धा और आस्था बढ़ेगी।

रोहित महाराज ने कहा कि गाय, गंगा और गोविंद के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। ये राजनीति के लिए नहीं, बल्कि हर जाति और धर्म से ऊपर देश की आस्था के प्रतीक हैं। मेरी आस्था गौमाता और भारत के प्रति है। उन्होंने आगे कहा कि जीव हत्या बंद होनी चाहिए। अहिंसा ही परमो धर्म है। देश के हर तरह का मांस का निर्यात बंद होना चाहिए। इससे गौमाता के साथ ही सभी जीवों की रक्षा होगी।

गाय हिंदुस्तानियों की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गौमाता पूरे विश्व की माँ हैं। वहीं भगवान श्री राम व भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी सभी लीलाओं का विस्तार गायों के बीच किया और इन्हें संरक्षण भी दिया। इसे देखते हुए गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिलना ही चाहिए। सरकार को चाहिए कि वे इस दिशा में कानून बनाएं।

आत्मशुद्धि और मोक्षमार्ग की ओर एक दिव्य यात्रा: वर्षीतप का आध्यात्मिक महत्व

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन धर्म में वर्षीतप को तपों का शिरोमणि माना गया है। यह केवल एक दिन उपवास और एक दिन पारणा नहीं, बल्कि आत्मा की गहराई तक शुद्धि, संयम और त्याग का अद्वितीय साधन है।

दिनेश गोसर ने इस तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने सहज रूप से वर्षीतप किया था। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर इसे ऋषभदेव संवत्सर तप भी कहा जाता है। 13 महीनों तक चलने वाले इस तप का पारणा अक्षय तृतीया के दिन किया जाता है। इसी दिन भगवान आदिनाथ ने पहली बार आहार ग्रहण किया था, जब राजा श्रेयांस ने उन्हें गन्ने का रस अर्पित कर पारणा करवाया। इस दान से राजा को अक्षय पुण्य प्राप्त हुआ और तभी से यह दिन जैन समाज में विशेष महत्व रखता है।रिद्धिश जागीरदार ने बताया कि वर्षीतप का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव भी अत्यंत व्यापक है। यह केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि समाज में एकता और श्रद्धा का प्रतीक है। पारणा सामूहिक रूप से मनाया जाता है, जिससे धार्मिक उत्साह और सामाजिक समरसता को बल मिलता है। यह तप समाज को त्याग, संयम और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर चैतन्यपुरी स्थित श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में पूनम-निकेश देढ़िया के वर्षीतप पारणा एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जैन संस्कार मंच के रिद्धिश जागीरदार, गुजराती प्रगति समाज के दिनेश गोसर, राहुल छेड़ा, अचलगच्छ जैन संघ चैतन्यपुरी के सुरेश गोसर, शांतिलाल मामनिया, तलकशी गड़ा, परिवारजन शांताबेन गोसर, उर्मिलाबेन देढ़िया, कुसुमबेन गोसर, निकेश देढ़िया, चेतन गोसर, योगेश गोसर, कच्छी मित्र मंडल के नितिन धरोड, सुशील कापड़िया, पंकज सावला, रतिलाल छेड़ा, लहेरचंद लोड़ाया, मनोज नागड़ा, पराग मारू, निलेश छेड़ा, राजीव मामनिया सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे और तपस्वी को पारणा करवाया।कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच तपस्वियों के प्रति अनुमोदना व्यक्त की गई तथा सभी ने इस पावन तप से प्रेरणा लेने का संकल्प किया।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाना हमारा संकल्प : महेश गोयल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महेश गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों तक समय पर सहयोग पहुंचाना ही सच्ची मानवता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज में एक प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं। जब तक समाज का हर जरूरतमंद व्यक्ति सहायता प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक ऐसे प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में आगे आएं और मानव सेवा में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की गई, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी। सेवा के इस कार्य में सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एकजुटता का परिचय दिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से यह सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एनएलसी इंडिया के सीएमडी प्रसन्न कुमार मोटुपल्ली को प्राइड ऑफ तेलंगाना पुरस्कार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएलसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रसन्न कुमार मोटुपल्ली को प्रतिष्ठित प्राइड ऑफ तेलंगाना पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित चौथे तेलंगाना जनसंपर्क सम्मेलन और राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस समारोह के दौरान रविवार को प्रदान किया गया।

पुरस्कार तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के श्रीनिवास रेड्डी, विशेष आयुक्त (आई एंड पीआर) प्रियंका तथा प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो के नागेश्वर ने गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान किया। भद्राचलम के मूल निवासी श्री मोटुपल्ली ने अपने गृह राज्य में यह सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह पुरस्कार ऊर्जा क्षेत्र में उनके नेतृत्व और योगदान विशेष रूप से खनन, बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास के क्षेत्रों में एनएलसी इंडिया के प्रदर्शन को मजबूत करने के लिए दिया गया।

उनके नेतृत्व में कंपनी ने उत्पादन क्षमता बढ़ाई, संचालन दक्षता में सुधार किया और वर्तमान में तेलुगु राज्यों को लगभग 400 मेगावाट बिजली आपूर्ति कर रही है, जिससे क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बल मिला है। श्री मोटुपल्ली ने यह सम्मान एनएलसी इंडिया के कर्मचारियों को समर्पित करते हुए उनके योगदान की सराहना की और कंपनी की निरंतर प्रगति तथा राष्ट्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति का हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान का दौरा

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर (राजस्थान) के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा ने आज 19 अप्रैल 2026 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत संचालित गाड़ीअनारम स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया।

संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं और पहल की जानकारी दी, जिनमें अमर पोर्टल, डिजिटलीकरण, शाही 2.0 पोर्टल, चिकित्सा पांडुलिपियों का संग्रह, नमस्ते पोर्टल, ई-मेधा तथा आरएमआईएस परियोजना शामिल हैं।

कुलपति डॉ. संजीव शर्मा ने संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पारंपरिक औषधि के क्षेत्र में अनुसंधान, दस्तावेजीकरण, शिक्षा और आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने अपने विचारों से उपस्थित कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।

दौरे के दौरान कुलपति ने संस्थान के संग्रहालय और पुस्तकालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित दुर्लभ तालपत्र पांडुलिपियों, प्राचीन चिकित्सा उपकरणों तथा भारतीय आयुष चिकित्सा प्रणाली से संबंधित सामग्री का निरीक्षण किया।

इसके साथ ही पुस्तकालय में उपलब्ध दुर्लभ पुस्तकों और संस्थान द्वारा प्रकाशित ग्रंथों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर डॉ. श्रीदेवी, डॉ. साकेत राम, डॉ. संतोष माने, मुरली मनोहर, एअ-रओ (संग्रहालय) श्री के. श्रीनिवास राव (ग्रंथपाल), वर्षा कुमारी (एलआईए) सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कसाई के चंगुल से बचाए गए 26 गोवंश को मिला नया जीवन, शमशाबाद गौशाला पहुँचाया गया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद में जीव दया और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ध्यान फाउंडेशन ने 26 गोवंशों को कसाई के हाथों जाने से बचा लिया है।

इन सभी बचाए गए पशुओं को सुरक्षित रूप से उनके स्थायी घर, ध्यान फाउंडेशन गौशाला, शमशाबाद पहुँचा दिया गया है, जहाँ अब उनकी उचित देखभाल और पालन-पोषण किया जाएगा।

संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि इन गोवंशों को मौत के मुँह से बचाकर लाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।

अब इन गौ माताओं के चारे और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्था ने समाज से सहयोग की अपील की है। इसे एक हरि कार्य (ईश्वर की सेवा) बताते हुए फाउंडेशन ने लोगों से गौ सेवा के इस पुनीत कार्य में शामिल होने और दान देने का आह्वान किया है।

शमशाबाद स्थित इस गौशाला में बचाए गए पशुओं के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। यहाँ न केवल उनके रहने की पर्याप्त जगह है, बल्कि बीमार या चोटिल गोवंशों के लिए चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है। ध्यान फाउंडेशन लंबे समय से पशु क्रूरता के खिलाफ सक्रिय रहा है और अवैध रूप से ले जाए जा रहे पशुओं को बचाने के लिए निरंतर अभियान चलाता रहता है।

अग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के पान बाजार स्थित कार्यालय में अग्रसेन बायो-डाटा कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों के विवाह हेतु उचित रिश्तों की तलाश के लिए उपस्थित हुए।

बैठक के दौरान समिति द्वारा उपस्थित परिवारों को उनकी पसंद और आवश्यकताओं के अनुसार बायो-डाटा दिखाए गए तथा आपसी परिचय और चर्चा का अवसर भी प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, पुरुषोत्तम सिंगल, पवन गोयल, गौरव गोयल, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, महेश केडिया, कमल अग्रवाल, परिक्षित अग्रवाल, आनंद अग्रवाल तथा संतोष देवी बंसल उपस्थित रहे।

शिवसेना का महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में शिवसेना ने रविवार को महिला आरक्षण विधेयक पर संसद में विपक्षी दलों के रुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए, शिवसेना की राज्य इकाई के अध्यक्ष सिंकारू शिवाजी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाए गए एक लंबे समय से लंबित विधेयक को रोक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में महिलाओं के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने वाला यह विधेयक दशकों से लंबित है और इसे बिना किसी बाधा के पारित करना चाहिए। श्री शिवाजी ने विपक्षी दलों के रुख को राजनीति से प्रेरित करार दिया और उन पर संसद के बाहर महिलाओं के अधिकारों की बात करने जबकि संसद में उनकी प्रगति में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और उनको प्रतिनिधित्व से वंचित करना देश की प्रगति में बाधा डालता है। इस प्रदर्शन में तेलंगाना शिवसेना के मुख्य सचिव गोगिकर सुधाकर और कई युवा एवं छात्र विंग के सदस्यों सहित पार्टी के नेताओं ने प्रदर्शन हिस्सा लिया और विधेयक पारित होने तक आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया।

मंगली के खिलाफ प्रोड्यूसर्स काउंसिल में शिकायत, काम पर रोक लगाने की मांग

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

प्रसिद्ध पार्श्व गायिका मंगली (सत्यवती राठौड़) एक नए विवाद में फंस गई हैं। तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल (टीएफपीसी) में उनके खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें निर्माताओं से आग्रह किया गया है कि जब तक उनके खिलाफ लगे आरोपों की स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक उन्हें गायन के अवसर न दिए जाएं।

माइक्रोफाइनेंस घोटाले में नाम आने पर कार्रवाई की मांग

बंजारा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले और तेलंगाना मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के सदस्य संपत नायक ने बताया कि यह शिकायत एक कथित माइक्रोफाइनेंस घोटाले से जुड़ी है। उनके अनुसार, पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें मंगली को भी आरोपियों में शामिल किया गया है। नायक ने तर्क दिया कि जिस प्रकार जांच के दौरान सरकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है, उसी प्रकार फिल्म उद्योग को भी जांच पूरी होने तक उनके साथ काम करने से बचना चाहिए।

बंजारा समुदाय के पीड़ितों का हवाला

संपत नायक ने जोर देकर कहा कि इस कथित घोटाले के अधिकांश पीड़ित बंजारा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने मांग की है कि जब तक मंगली का नाम इन आरोपों से पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, तब तक उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। दूसरी ओर, तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल के सूत्रों ने पुष्टि की है कि उन्हें शिकायत प्राप्त हुई है और वे फिलहाल इस मामले की जांच कर रहे हैं। हालांकि अभी कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन उद्योग में चर्चा है कि विवाद के कारण कुछ निर्माता फिलहाल उनसे दूरी बना सकते हैं।

करियर और स्वतंत्र संगीत पर असर की संभावना

मंगली ने सारंगा दरिया, रामुलो रामुला और ज्वाला रेड्डी जैसे ब्लॉकबस्टर गानों के जरिए तेलुगु सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बनाई है। उद्योग के जानकारों के अनुसार, वे प्रति गीत लगभग 50,000 से 60,000 तक शुल्क लेती हैं। यदि प्रोड्यूसर्स काउंसिल कोई सख्त कदम उठाती है या अनौपचारिक रूप से उन्हें काम मिलना कम होता है, तो इसका असर न केवल उनके फिल्मी करियर पर बल्कि उनके लोकप्रिय स्वतंत्र संगीत (इंडिपेंडेंट म्यूजिक) पर भी पड़ सकता है। फिलहाल सभी की नजरें पुलिस जांच और काउंसिल के अगले कदम पर टिकी हैं।

कविता ने जेएसी नेताओं से मुलाकात की

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने रविवार को बंजारा हिल्स में जागृति कार्यालय में अखिल भारतीय आदिवासी संवैधानिक अधिकार और सांस्कृतिक संरक्षण (जेएसी) की अध्यक्ष चंदा लिंगैया डोरा और कई खास आदिवासी नेताओं से मुलाकात की।

खम्मम जिला परिषद की पूर्व चेयरमैन और पूर्व विधायक चंदा लिंगैया डोरा के साथ पदुरी श्रीनिवास, पयम सत्यनारायण, मदावी नरसिंगराव, वट्टम नारायण डोरा, रामनाला लक्ष्मैया, वज्जा नरसिम्हाराव, कब्बाका श्रवण कुमार, कुरसंगा वेणु, वरिया श्रीनिवास, शदामाकी संजीव, अतराम पैकाजी और पोदेम भार्गव जैसे नेता भी थे।

उन्होंने बैठक के दौरान सुश्री कविता को केंद्र सरकार की तानाशाही नीतियों की वजह से आदिवासियों को होने वाली मुश्किलों के बारे में बताया। सुश्री कविता ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि पार्टी आदिवासी जेएसी के नेतृत्व वाले आंदोलन को पूरा समर्थन देगी ताकि आदिवासी समुदायों के संवैधानिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा की जा सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र पेसा अधिनियम के नियमों को कमज़ोर कर रहा है और संविधान की पांचवीं और छठीं अनुसूची के तहत गारंटी वाले सुरक्षा उपायों को कमज़ोर कर रहा है। उन्होंने विस्थापन की चिंताओं पर ज़ोर देते हुए कहा कि आदिवासी लोगों को जंगली क्षेत्र से उचित पुनर्वास के बिना हटाया जा रहा है।

सुश्री कविता ने राष्ट्रीय जनगणना में धर्म के कॉलम के तहत एक अलग आदिवासी श्रेणी को हटाने की भी आलोचना की और कहा कि इससे आदिवासी समुदायों को अपनी खास पहचान बताने का मौका नहीं मिला। उन्होंने जनगणना में आदिवासी धर्म के लिए एक अलग कॉलम शामिल करने की मांग की और संविधान की आठवीं अनुसूची में आदिवासी भाषा कोयातुर को मान्यता देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि आदिवासी भारत की स्थानीय संस्कृति का सार हैं, और उनकी गरिमा, अधिकारों एवं विरासत की रक्षा के प्रयास जारी रहेंगे।

कांग्रेस महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं, भाजपा इसका राजनीतिकरण कर रही है : चमाला

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भुवनागिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसका चुनावी फ़ायदे के लिए राजनीतिकरण कर रही है।

श्री रेड्डी ने वीडियो बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिलाओं पर हालिया टिप्पणी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक फ़ायदा उठाने के मकसद से की गई थी। उन्होंने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए केंद्र की आलोचना की और दावा किया कि यह चुनावी फ़ायदे को ध्यान में रखकर किया गया था।

श्री रेड्डी ने बताया कि श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि परिसीमन 2027 की जनगणना के बाद ही होने वाला है। उन्होंने सवाल किया कि 2023 में पारित हुआ महिला आरक्षण अधिनियम 2024 के बाद भी लागू क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, दो सांसदों को छोड़कर, सभी 543 लोकसभा सीटों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर आम सहमति बन गई है। अगर इसे तुरंत लागू भी कर दिया जाए, तो भी हमें कोई एतराज़ नहीं है।

उन्होंने साफ़ किया कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन महिला आरक्षण के खिलाफ़ नहीं हैं, लेकिन परिसीमन प्रक्रिया को लेकर उन्हें गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि अगर परिसीमन किया जाता है, तो यह सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा करके और इस तरह से किया जाना चाहिए कि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच असंतुलन न हो।

श्री रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक फ़ायदों के अनुसार और सत्ता में बने रहने के लिए परिसीमन प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने केंद्र से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा तय किए गए तरीकों का अनुसरण करने और एक सही एवं संतुलित तरीका सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने महिलाओं से, खासकर तेलंगाना और भुवनागिरी की महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा महिला आरक्षण के समर्थन में खड़ी रहेगी और उनसे भाजपा के गलत प्रचार को नज़रअंदाज़ करने को कहा।

श्री उवसग्गहरम पार्श्वनाथ तीर्थ नगपुरा में आज दिनांक 19-04-2026 को परमपूज्य गुरुदेव आचार्य श्री राजयश सुरीश्वरजी म.सा.के गुरु मंदिर में शिलान्यास का लाभ शालीबंडा विहार ग्रुप के सदस्यों को प्राप्त हुआ ! इस अवसर पर सुरेन्द्र भंडारी एवं अन्य उपस्थित रहें।

समाजसेवी किशोर मुथा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई देते हुए दीनेश गोलेचा, प्रशांतजी गोलेचा, नेमी माखना, शेरू तातेड, दिलीप मखाना एवं अन्य।

श्री उवसग्गहरम् पार्श्वनाथ तीर्थ नगपुरा दुर्ग में पुज्य गच्छाधीपति गुरुदेव श्री राजयशसुरीजी के आज्ञानुवर्तिनी सुशीष्या पुज्य साध्वी श्री लक्ष्ययशाश्री जी म.सा. पुज्य साध्वी श्री लब्धियशाश्रीजी म.सा., पुज्य साध्वी श्री आज्ञायशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा की निश्रा में शालीबंडा विहार परिवार के श्री धनराजजी छाजेड़ को विहार विभूषण अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सुरेन्द्र भंडारी, योगेश चोपडा, दिलीप अलीजार, अनिल भाई एवं अन्य उपस्थित रहें।

राष्ट्रकवि दिनकर की स्मृति में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 16-17 मई को

पटना, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मां निर्दोष सेवा केंद्र एवं हिंदी विभाग- गया कॉलेज, गयाजी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 16 एवं 17 मई 2026 को गया कॉलेज स्थित प्रेमचंद्र सभागार में किया जाएगा।

संस्था के सचिव ई हिमांशु शेखर ने बताया कि दिनकर के व्यक्तित्व और उनकी रचनाओं पर इस संगोष्ठी में जगजीवन महाविद्यालय गयाजी, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इस संबंध में हिमांशु शेखर ने बताया कि इस तरह का आयोजन संस्था पिछले डेढ़ दशक से करते आ रही है। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेता, साहित्यकार, विद्वान एवं शोधार्थी भाग लेंगे और राष्ट्रकवि दिनकर के साहित्यिक अवदान पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।इस बीच गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को साहित्य के प्रति प्रेरित करने और उनकी रचनात्मक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं आयोजन समिति के सदस्य एवं रामेश्वर प्रसाद उच्च विद्यालय, बेलागंज के प्राचार्य अबरार आलम ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से अनेक ख्यातिप्राप्त कवियों की सहभागिता के लिए सहमति प्राप्त हो चुकी है। आयोजन समिति के सदस्य डॉ रुद्र चरण मांझी ने कहा कि इस वर्ष शोधार्थियों के शोध पत्र को यूजीसी से मान्यता प्राप्त पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा। सभी शोधार्थी अपने शोध पत्र समिति के पास भेजेंगे। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्रों के बीच राष्ट्रकवि दिनकर द्वारा रचित कविताओं का पाठ भी कराया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी को उनके साहित्य से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।इस बीच आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं बुद्धिजीवियों से इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

बिजली की आंख मिचौली से इस भीषण गर्मी में बिहारवासी परेशान : काँग्रेस

पटना, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार ही नहीं बल्कि देश में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने वाले शहरों में शुमार गयाजी सहित पूरे प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी में प्रत्येक घंटा में 10 से 15 मिनट बिजली कट यानी 24 घंटा में 4 से 6 घंटा बिज़ली नहीं रहने से लोग त्राहि- त्राहि कर रहे हैं।

इस संबंध में बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष दामोदर गोस्वामी, महासचिव टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, प्रद्युम्न दुबे, राकेश यादव कहा कि 40 से 42 डिग्री गर्मी अप्रैल माह से ही रहने के कारण लोग गर्मी से बेहाल है, तो दूसरी ओर घंटे- घंटे बिजली कट होने से परेशानी और दुगुनी हो जा रही है ।इस बीच इन सभी नेताओं ने कहा कि दक्षिण बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेसन लिमिटेड के आला अधिकारी इसे स्थानीय फॉल्ट और मेंटेनेंस बता कर अपना पल्लू झाड़ लेते हैं।

परंतु स्थानीय फॉल्ट और मेंटेनेंस की समस्या आखिर कब दूर होगी ऐसी बातें विगत कई वर्षो से कहीं जा रही है ।इन बीच इन सभी नेताओं ने राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन, साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन कॉर्पोरेसन लिमिटेड के आला अधिकारियों से इस भीषण गर्मी में गयाजी शहर सहित देहात में 24 घंटे निर्वाध् बिजली देने तथा घंटे- घन्टे बिज़ली कट की समस्या को अविलंब दूर करने की मांग की है।

स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत सीढ़िया घाट पर श्रमदान व जनजागरण

पटना, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर तले प्रत्येक रविवार को फल्गु नदी को स्वच्छ और साफ़ रखने हेतु श्रमदान के माध्यम से चलाए जा रहे सफाई कार्यक्रम के तहत चौथे रविवार को चौक स्थित सीढ़िया घाट पर व्यापक अभियान एवं जनजागरण चलाया गया। इस सफाई अभियान, श्रमदान एवं जनजागरण में अभियान के संयोजक एवं बुद्धिजीवी विजय कुमार मिट्ठू, सह-संयोजक गौतम सिंह, गणेश कुमार, टिंकू गिरी, अभिषेक आनंद, मंगल कुमार, आनंद सिंह, मिथिलेश प्रसाद, रोहित कुमार, शुभम कुमार, कमलेश कुमार, रमेश कुमार, सुजीत गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल हुए।

अभियान से जुड़े बुद्धिजीवियों ने बताया कि गयाजी के ऐतिहासिक सीढ़िया घाट पर गंदगी का अंबार, कूड़ा-करकट और नालियों का बहता पानी बड़ी समस्या बन गया है। इसके कारण स्थानीय लोग, जो सुबह-शाम यहां बैठते थे और स्वास्थ्य लाभ हेतु घूमने आते थे, अब गंदगी के कारण यहां आना-जाना लगभग बंद कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि फल्गु नदी के प्रमुख घाटों पर घनी आबादी के बीच श्रमदान के माध्यम से नियमित सफाई की आवश्यकता है। इसके लिए गयाजी के सम्मानित नागरिकों से अपील की गई कि वे प्रति रविवार अवकाश के दिन सुबह एक घंटा श्रमदान कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध मोक्षदायिनी अंत:सलिला फल्गु नदी को स्वच्छ रखने से गयाजी भी स्वच्छ और सुंदर बनेगा।

इस दौरान स्थानीय प्रशासन एवं गया नगर निगम से सीढ़िया घाट की जर्जर स्थिति के जीर्णोद्धार, सीढ़ियों की मरम्मत, कूड़ा-करकट का नियमित उठाव तथा बहते नालों के उचित प्रबंधन की मांग भी की गई।

राहुल गांधी पर 'ब्रिटिश नागरिकता' विवाद : न्याय का सवाल या राजनीतिक षड्यंत्र? : विजय शंकर नायक

रांची, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राहुल गांधी पर कथित 'ब्रिटिश नागरिकता' विवाद को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ द्वारा 17 अप्रैल 2026 को प्राथमिकी दर्ज करने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की अनुमति देने का आदेश भारतीय लोकतंत्र के लिए एक नया प्रश्न खड़ा करता है। यह मामला केवल एक नेता का नहीं, बल्कि न्यायपालिका की स्वायत्तता, राजनीतिक प्रतिशोध और संस्थागत अखंडता से जुड़ा हुआ है।

वर्ष 2019 में सर्वोच्च न्यायालय, 2025 में उच्च न्यायालय और जनवरी 2026 में निचली अदालत द्वारा खारिज किए गए मामले को दोबारा खोलना क्या न्यायिक प्रक्रिया का विस्तार है या सत्ता के दबाव का परिणाम? जब कोई नया तथ्य सामने नहीं आया, तो पुराने आरोपों को फिर से जीवित करने का उद्देश्य क्या हैयह एक महत्वपूर्ण सवाल है।

न्यायपालिका का मूल सिद्धांत 'रेस ज्यूडिकाटा' है, जिसका अर्थ है कि एक ही मामले पर बार-बार सुनवाई से बचना। यदि पहले सक्षम अदालतें आरोपों को निराधार मान चुकी हैं, तो पुनः जांच क्यों की जा रही हैयह प्रश्न आम नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

राहुल गांधी कोई सामान्य नेता नहीं हैं। वे उस परिवार से आते हैं जिसने देश के लिए तीन पीढ़ियों तक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने

देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। राहुल गांधी स्वयं 'भारत जोड़ो यात्रा' (2022-23) और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के माध्यम से हजारों किलोमीटर पैदल चलकर समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित कर चुके हैं और सामाजिक न्याय की मांग को प्रमुखता से उठाते रहे हैं।

लेख में यह भी प्रश्न उठाया गया है कि भारतीय जनता पार्टी को राहुल गांधी से इतना भय क्यों है। क्या इसका कारण यह है कि वे जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं, जो समाज के बड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने का माध्यम बन सकती है?

आंकड़ों के अनुसार देश में आर्थिक और सामाजिक असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी के पास अधिकांश संपत्ति केंद्रित है, जबकि निचले वर्गों का प्रतिनिधित्व सरकारी सेवाओं और न्यायपालिका में अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में जातीय जनगणना को नीति निर्माण के लिए आवश्यक बताया गया है।

लेख में बेरोजगारी, महंगाई, किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया है। साथ ही यह आरोप भी लगाया गया है कि जांच एजेंसियों का उपयोग राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं।

अंत में कहा गया है कि यह विवाद केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक असहमति, न्यायिक प्रक्रिया और राजनीतिक नैतिकता से जुड़ा व्यापक विषय है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और किसी भी प्रकार का दमन अंततः जनता के बीच अपनी प्रतिक्रिया अवश्य देता है।

लेख के अनुसार, इतिहास गवाह है कि विचारों को मुकदमों से दबाया नहीं जा सकता।

अंततः सत्य की ही जीत होती है और लोकतंत्र जनता की जागरूकता से ही मजबूत बना रहता है।

अहिंसा कायरता नहीं, साहस और संघर्ष का मार्ग : कमल मुनि कमलेश

बैंगलोर, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अहिंसा को कायरता, डर या पलायनवाद मानने वाले लोग उसके वास्तविक स्वरूप से अनभिज्ञ हैं। यह विचार राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश ने अपने संबोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सच्चा अहिंसावादी व्यक्ति निर्भीक, निडर, बहादुर और क्रांतिकारी होता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल हिंसा न करना ही पूर्ण अहिंसा नहीं है। बल्कि हिंसा को रोकने के लिए साहसपूर्वक आगे बढ़ना और आवश्यक होने पर अपने प्राणों की परवाह न करते हुए संघर्ष करना ही सच्ची अहिंसा है।

मुनि कमलेश ने कहा कि जो व्यक्ति हिंसा को देखकर केवल कर्मों का हवाला देकर मौन हो जाता है या निष्क्रिय बैठा रहता है, वह अहिंसा को बदनाम करता है। अहिंसा केवल विचार नहीं, बल्कि आचार, व्यवहार और जीवनशैली में भी दिखाई देनी चाहिए।राष्ट्र संत ने कहा कि जुल्म करना हिंसा है, तो जुल्म सहना भी हिंसा ही है। अन्याय और अनीति का प्रतिकार करना ही सच्ची अहिंसा है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंसा को रोकने के लिए कठोर कदम उठाना भी अहिंसा की श्रेणी में आता है।

जैन संत ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अहिंसा केवल प्रवचनों और धर्मस्थलों तक सीमित होती जा रही है। उन्होंने आह्वान किया कि जहां कहीं भी हिंसा और अन्याय हो, वहां अहिंसावादियों को पहुंचकर उसे समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

अंत में उन्होंने कहा कि जहां आग लगी हो, वहीं पानी डालना चाहिएअर्थात जहां अन्याय हो रहा है, वहीं जाकर उसे रोकना ही अहिंसा का प्रथम कर्तव्य है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लंबित एमएलसी नामांकन को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्यपाल से की मुलाकात

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को लोकभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य विषय विधान परिषद के लिए राज्यपाल के कोटे से लंबित नामांकन विषय पर चर्चा था।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से प्रो. एम. कोइंडाराम और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में स्वीकृत करने का आग्रह किया।

यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अजहरुद्दीन, जो वर्तमान में मंत्री पद पर हैं, अभी तक राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं बन पाए हैं।

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, एक मंत्री को पदभार ग्रहण करने के छह महीने की अवधि में विधानमंडल की सदस्यता प्राप्त करनी अनिवार्य है। उनका छह महीने का कार्यकाल इसी महीने के अंत में समाप्त होने वाला है। सूत्रों ने संकेत दिया है कि यदि 30 अप्रैल तक नामांकन को स्वीकृति नहीं मिलती है, तो अजहरुद्दीन को अपना मंत्री पद छोड़ना पड़ सकता है। इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री की राज्यपाल के साथ बैठक को लंबित नामांकनों की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

रेवंत रेड्डी आज कातराम में जारी करेंगे 2,063 करोड़ की रैतु भरोसा निधि

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार, 20 अप्रैल को जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कातराम मंडल स्थित नस्तूरपल्ली गाँव में एक विशाल जनसभा के दौरान रैतु भरोसा निवेश सहायता योजना के दूसरे चरण की राशि जारी करेंगे।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और आईटी मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू की उपस्थिति में, मुख्यमंत्री डिजिटल माध्यम से राज्य भर के 45,11,947 किसानों के बैंक खातों में 2,063 करोड़ स्थानांतरित करेंगे। योजना की यह दूसरी किस्त लगभग 36.72 लाख एकड़ भूमि को कवर करती है। इससे पहले 23 मार्च को जारी पहले चरण में 6,000 प्रति एकड़ की दर से 3,590 करोड़ की राशि जमा की गई थी।

अब तक सरकार इस सीजन में कुल 5,653 करोड़ वितरित कर चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि कृषि कार्यों के लिए समय पर सहायता सुनिश्चित करने हेतु तीसरी और अंतिम किस्त जारी करने की तैयारियां भी जोरों पर हैं। जनसभा से पहले, मुख्यमंत्री कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मेदिगड्डा बैराज का दौरा करेंगे। यहाँ वे बैराज की संरचनात्मक स्थिति, चल रहे तकनीकी परीक्षणों और बहाली योजनाओं की समीक्षा करेंगे।

हैदराबाद में भीषण गर्मी के बाद झमाझम बारिश और ओलावृष्टि

23 अप्रैल तक जारी रहेगा मौसम का मिजाज

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद, रविवार शाम हैदराबाद के कई हिस्सों में तेज हवाओं, गरज-चमक और ओलावृष्टि के साथ भारी बारिश हुई, जिससे शहरवासियों को बड़ी राहत मिली।

हालांकि, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को राज्य के 13 जिलों में गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, 23 अप्रैल तक ओलावृष्टि और दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है।

कई इलाकों में ओलावृष्टि और भारी वर्षा

शहर के सिकंदराबाद, कुकटपल्ली, मूसापेट, जेएनटीयू-हैदराबाद, केपीएचबी और जीदीमेटला जैसे इलाकों में ओले गिरने की खबर मिली है। शहर के दक्षिण-पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, कुथबुल्लापुर में 37.5 मिमी, कुकटपल्ली में 27 मिमी और अलवाल में 23.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण वातावरण में ठंडक तो आई, लेकिन तेज हवाओं ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित भी किया।

हाइड्रा के एक अधिकारी ने बताया कि तेज हवाओं के कारण शहर में लगभग 53 पेड़ उखड़ गए, विशेष रूप से कुथबुल्लापुर, कुकटपल्ली, बाचुपल्ली, अलवाल और सुचित्रा क्षेत्रों में पेड़ों के गिरने से मार्ग अवरुद्ध हुए। आठ प्रमुख स्थानों पर जलभराव के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए रात 8:30 बजे तक सड़कों से मलबा हटाकर यातायात बहाल कर दिया।

जिलों में गर्मी का प्रकोप जारी; कोमाराम भीम में पारा 44.6 डिग्री

भले ही बारिश ने कुछ राहत दी है, लेकिन तेलंगाना के कई जिलों में गर्मी का सितम बरकरार है। तेलंगाना विकास योजना सोसायटी के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार को 10 जिलों में तापमान 44 डिग्री को पार कर गया।

कोमाराम भीम आसिफाबाद के केरमेरी में सबसे अधिक 44.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा निजामाबाद, जगतियाल और निर्मल जिलों में भी पारा 44 डिग्री के ऊपर रहा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में हैदराबाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और शाम या रात तक हल्की बारिश की संभावना जताई है।

निजामाबाद में को-ऑप्शन सदस्यों के चुनाव की हलचल तेज

निजामाबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों के नगर निकायों में को-ऑप्शन सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। निजामाबाद नगर निगम ने 15 अप्रैल को इस चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इस प्रक्रिया के माध्यम से कुल पांच को-ऑप्शन सदस्यों का चयन किया जाएगा, जिसे लेकर स्थानीय राजनीति गरमा गई है।

नगर निगम के इस चुनाव के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। वर्तमान में निजामाबाद नगर निगम में मेयर का पद कांग्रेस, एमआईएम और बीआरएस के समर्थन से चल रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा के पास सबसे अधिक संख्या में कॉर्पोरेटर होने के बावजूद वह विपक्ष की भूमिका में है। सूत्रों के अनुसार, समीकरणों को देखते हुए कांग्रेस को चार और एमआईएम को एक को-ऑप्शन सदस्य का पद मिलने की संभावना है।

नियमों के अनुसार, कुल पांच पदों में से तीन पद अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित किए गए हैं। शेष दो पदों को महिलाओं और पूर्व कॉर्पोरेटर श्रेणियों से भरा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार की जाएगी।

हैदराबाद पुलिस ने ऑल इंडिया साइबर धोखाधड़ी गिरोह का किया भंडाफोड़, 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' में 52 गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

हैदराबाद शहर की पुलिस ने बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहे एक बड़े ऑल इंडिया साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। ''ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0'' के तहत पुलिस ने नौ राज्यों में छापेमारी कर 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को जारी एक पुलिस बयान के अनुसार, पकड़े गए लोगों में 32 बैंक अधिकारी, 15 म्यूल अकाउंट (फर्जी खाते) धारक और पांच बिचौलिए शामिल हैं।

जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह 350 से अधिक बैंक खातों के नेटवर्क के माध्यम से धोखाधड़ी वाले लेनदेन को अंजाम दे रहा था। यह नेटवर्क लगभग 850 मामलों से जुड़ा हुआ है, जिसमें करीब 150 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है। डीसीपी वी. अरविंद बाबू के नेतृत्व में साइबर अपराध पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान को 16 विशेष टीमों ने अंजाम दिया। एक सप्ताह तक चले इस सघन अभियान के दौरान महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में कार्रवाई की गई।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन, चेक बुक, लैपटॉप, पेन ड्राइव और शेल कंपनियों की मोहरें जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए हैं। अधिकारियों ने खुलासा किया कि कुछ बैंक कर्मचारी केवाईसी मानदंडों की अनदेखी कर सीधे तौर पर म्यूल अकाउंट खोलने में शामिल थे, जिससे बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी संभव हो सकी। बैंक कर्मियों की इस सक्रिय भागीदारी ने गिरोह को कानून की नजरों से बचने में मदद की। हैदराबाद पुलिस ने साइबर अपराध के प्रति अपनी 'जीरो टॉलरेंस' (शून्य सहनशीलता) नीति को दोहराते हुए चेतावनी दी है कि इस तरह के अपराधों में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे किसी भी पद पर क्यों न हों। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नेटवर्क के उच्च-स्तरीय संचालकों की पहचान करने के लिए आगे की जांच अभी जारी है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

एमएमटीएस में मुफ्त यात्रा की घोषणा पर दक्षिण मध्य रेलवे ने जताया ऐतराज

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

दक्षिण मध्य रेलवे ने 2 जून से मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) ट्रेनों में मुफ्त यात्रा की खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। हाल ही में तेलंगाना सरकार द्वारा हैदराबाद में यातायात की भीड़ और प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत पुरुषों और महिलाओं सहित सभी यात्रियों के लिए एमएमटीएस में मुफ्त यात्रा की घोषणा की गई थी। हालांकि, रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वह ऐसी किसी भी योजना के लिए तैयार नहीं है।दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने उनसे केवल औपचारिक मुलाकात की थी, लेकिन इस योजना के संबंध में कोई लिखित प्रस्ताव या पत्र नहीं दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने सुझाव दिया कि तेलंगाना सरकार को रेलवे के साथ बिना किसी लिखित समझौते या समझ के एमएमटीएस मुफ्त यात्रा के बारे में बयानबाजी करने से बचना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि यदि सरकार लिखित दस्तावेज सौंपती है, तभी इस मामले को रेलवे बोर्ड के समक्ष अनुमति के लिए भेजा जा सकता है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस बात की संभावना बहुत कम है कि रेलवे बोर्ड मुफ्त यात्रा के प्रस्ताव को स्वीकार करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.